मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
धनबाद	25.9	13.0
जमशेदपुर	26.2	10.4
डालटनगंज	27.2	07.9

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश

धनबाद, रांची एवं पटना से प्रकाशित

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in ● सोमवार, 29 जनवरी 2024 ● माघ कृष्ण पक्ष 04, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ ~~8~~ ● वर्ष : 1, अंक : 281 ● आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

हेमंत को परेशान करना नहीं छोड़ा तो होगी आर्थिक नाकेबंदी

ईडी की कार्रवाई के खिलाफ झामुमो ने किया राजभवन मार्च, 5 जिलों के नेता-कार्यकर्ता हुए शामिल

कौशल आनंद। रांची

सीएम हेमंत सोरेन को अगर परेशान करना न छोड़ा, तो झारखंड में आर्थिक नाकेबंदी कर देंगे. एक भी खनिज बाहर जाने नहीं देंगे. सरकार पूरी ईमानदारी से विकास में जुटी है. मगर साजिश के तहत सरकार गठन के बाद से इसको अस्थिर करने का प्रयास हो रहा है. जब सरकार का बाल बांका नहीं कर सके, तो अब आदिवासी सीएम को निशाना बनाया जा रहा है. अगर केंद्र की भाजपा सरकार न सुधरी, तो भाजपा का सूपड़ा साफ कर देंगे, आगामी चुनाव में खाता भी नहीं खुलेगा.

ये बातें झामुमो के नेताओं ने ईडी की कार्रवाई के खिलाफ रविवार को राजभवन मार्च के दौरान कही. इससे पूर्व मार्च मोरहाबादी मैदान से निकाला गया जो रेडियम रोड, कचहरी चौक होते हुए राजभवन के पास पहुंचा जहां पर पहले से तैनात पुलिस बलों ने रोक दिया. इसके बाद झामुमो कार्यकर्ताओं ने वहीं पर जमकर प्रदर्शन, नारेबाजी की. गुमला-लातेहा विधायक भूषण तिर्की और वैद्यनाथ राम, रांची जिला अध्यक्ष मुश्ताक आलम सहित कई लोगों ने संबोधित किया. इन्होंने कहा कि ईडी ने बार - बार समन भेज कर मुख्यमंत्री को मानसिक रूप से प्रताड़ित कर रही है.

आज भी प्रदर्शन,3 जिलों के कार्यकर्ता शामिल होंगे

मार्च में रांची, कोडरमा, गुमला, लोहरदगा, लातेहार के कार्यकर्ता शामिल हुए. सोमवार को भी प्रदर्शन होगा. इसमें खूंटी, सिमडेगा,रामगढ़ के कार्यकर्ता शामिल होंगे. कार्यक्रम लगातार चलता रहेगा. रविवार के कार्यक्रम में हेमलाल मेहता, वीरेंद्र पांडेय, मोजम्मिल अहमद, मोतीलाल, अश्विनी शर्मा, कलाम आजाद, समनुर मंसूरी, अफरोज, जनक नायक, बीरु साहू, आदिल इमाम, सुजीत उपाध्याय, सुकुआ महतो, अरविंद सिंह देवल, आफताब संजय राय, विश्वजीत भट्टाचार्य सहित कई शामिल हुए.

सीआरपीएफ पर गुस्से में थे झामुमो कार्यकर्ता

स्पेशल ब्रांच की रिपोर्ट

सौरभ सिंह। रांची

ईडी की सीएम हेमंत सोरेन से आवास में पूछताछ के दौरान सीआरपीएफ के जवानों की मौजूदगी मामले में एफआईआर दर्ज करायी गयी है. स्पेशल ब्रांच की रिपोर्ट से खुलासा हुआ है कि आठ वाहनों से सीआरपीएफ के जवान सीएम आवास के पूर्वी गेट के पास पहुंचे थे. वापस जाने के दौरान कांके रोड स्थित हॉट लिप्स चौक के पास एकत्रित जेएमएम कार्यकर्ता (करीब 500) सीआरपीएफ के बस को देखते ही

आक्रोशित हो गये थे. साथ ही यह भी सूचना थी कि 20 से 30 की संख्या में कार्यकर्ता द्वारा वाहन रोकने का भी प्रयास किया गया था.

सीआरपीएफ के जवानों की मौजूदगी मामले में दर्ज करायी गयी है एफआईआर : 20 जनवरी को ईडी की सीएम हेमंत सोरेन से आवास में पूछताछ के दौरान सीआरपीएफ के जवानों की मौजूदगी मामले में एफआईआर दर्ज करायी गयी है. सदर सीओ मुंशी राम की शिकायत पर यह प्राथमिकी गोंदा थाना दर्ज की गयी थी. इसमें कहा गया है कि सीआरपीएफ के जवान सीएम हेमंत सोरेन के कांके रोड स्थित सरकारी आवास की ओर जाने का प्रयास करने लगे थे. उन्हें बैरिकेडिंग के अंदर जाने से रोका गया, तो वे उलझ गये. इस दौरान सीआरपीएफ की गाड़ियों के कारण चौक जाम हो गया था. काफी मशक्कत के बाद स्थिति संभाली गयी.

बिहार में फिर एनडीए सरकार विजय सिन्हा-सम्राट चौधरी उपमुख्यमंत्री बने

9वीं बार नीतीश कुमार

28 साल में तीसरी बार थामा भाजपा का दामन

ज्ञानवर्द्धन मिश्र। पटना

बिहार में सरकार बदल गयी है. लेकिन, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही हैं. नीतीश कुमार ने रविवार को नौंवी बार बिहार के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली है. इस बार वे पुनः एनडीए सरकार के मुख्यमंत्री हैं. उनके साथ दो उपमुख्यमंत्रियों सम्राट चौधरी और विजय कुमार सिन्हा के साथ-साथ विजय कुमार चौधरी, विजेंदर यादव, श्रवण कुमार(तीनों जदयू) , प्रेम कुमार (भाजपा), संतोष कुमार सुमन (हम) और निर्दलीय सुमित कुमार सिंह को भी राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलायी. इसके पूर्व मुख्यमंत्री ने अपने पद से इस्तीफा देकर महागठबंधन सरकार के मंत्रिमंडल को भंग किया और फिर जब वे एनडीए के नेता चुने गये, तब राज्यपाल से मिल कर 128 विधायकों के समर्थन का पत्र सौंपते हुए सरकार बनाने का दावा पेश किया. शपथ ग्रहण समारोह में भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के पहुंचते ही जय श्रीराम के जयकारे से राजभवन का दरबार हाल गूंज उठा.

नयी एनडीए सरकार में कुल संख्या बल 128 का है, जबकि सरकार बनाने का जादुई अंक 122 है. वैसे भाजपा यह दावा करती रही है कि कांग्रेस के 10 से 12 विधायक उसके संपर्क में हैं. कांग्रेस के कुल 19 विधायक हैं. अगर टूटने वाले विधायकों की संख्या में दो-तीन का इजाफा हो जाएगा, तो भाजपा के लिए आसानी होगी और एनडीए सरकार और मजबूत हो जाएगी. लेकिन, यह देखना होगा कि भाजपा का दावा कितना सही है. **-विशेष आयोजन 7 और 11 पर भी देखें**

नीतीश फिर बिहार के सीएम बने, बोले-जहां थे वहीं आ गए,अब कहीं नहीं जाऊंगा

2 डिप्टी सीएम सहित 8 मंत्रियों ने शपथ ली

नीतीश के साथ कुल 8 मंत्रियों ने शपथ ली. मंत्रियों में मुख्यमंत्री समेत 2 कुर्मी, 2 भूमिहार, 1-1 राजपूत, दलित, कहार, कोइरी और यादव हैं.

उपमुख्यमंत्री
1. सम्राट चौधरी (भाजपा)
2. विजय सिन्हा (भाजपा)

मंत्री
3. डॉ. प्रेम कुमार (भाजपा)
4, विजेंद्र प्रसाद (जदयू)
5. श्रवण कुमार (जदयू)
6. विजय कुमार चौधरी (जदयू)
7. संतोष कुमार सुमन (हम)
8. सुमित सिंह (निर्दलीय)

ये है बिहार का नया गणित

एनडीए		महागठबंधन	
78 भाजपा	45 जदयू	79 राजद	19 कांग्रेस
04 हम	01 निर्दलीय	16 वाम	01 अन्य
128 कुल सीट		115 कुल सीट	

महागठबंधन में आने के लिए मांझी को मिला था बड़ा ऑफर

पूर्व सीएम जीतनराम मांझी को महागठबंधन में शामिल होने के लिए बड़े-बड़े ऑफर दिये गये. मांझी ने खुद इस बात को स्वीकार किया है कि महागठबंधन की ओर से उन्हें सीएम पद तक का ऑफर मिला. लेकिन, उन्होंने एनडीए के साथ ही बने रहने में निष्ठा व्यक्त की. दरअसल, बिहार में मांझी किंग मेकर बन कर उभरे हैं. मांझी की पार्टी 'हम' के चार विधायक हैं. अगर ये चार विधायक महागठबंधन के पाले में आ जाते, तो उसकी सरकार बनाने के जादुई अंक 122 के करीब पहुंच जाता. गठबंधन के पास 115 विधायक हैं. ऐसे में अगर 'हम' के 4 विधायक साथ आ जाते, तो संख्या 119 हो जाती.

बिहार में कमंडल के साथ मंडल

बिहार की राजनीति एक बार फिर कमंडल पर मंडल मंडरा रहा है. जातीय गणना के बाद आरक्षण का दायरा बढ़ाना और कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न की घोषणा. ये पहलकदमी बता रही है कि लोकसभा चुनाव में बिहार में पिछड़ावाद ही हावी रहेगा. उसपर भाजपा की कोशिश होगी वह पिछड़ावाद पर धर्म का तड़का लगाकर इस समीकरण को और लजीज बनाये. हालांकि भूमिहार जाति से आने वाले विजय सिन्हा को डिप्टी सीएम बना कर भाजपा अगड़ी जाति को भी शांत कर सकती है.

अभी खेल शुरू हुआ है, मैं जो कहता हूं, करता हूं

बिहार में महागठबंधन की सरकार गिरने के बाद पूर्व डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव पहली बार कैमरे पर आए और एक तरफ से अपने कार्यकाल के दौरान हुए कामों की गिनती कराई. तेजस्वी यादव ने कहा कि जिस विभाग से बिहार के लोगों को नौकरियां मिलीं, बिहार में निवेश आया, उस विभाग का मंत्री हमारा है, तो हम क्रेडिट क्यों न लें. सरकार में हमारे 79 विधायक हैं, इन विभागों के मंत्री भी हमारे हैं, तो हम क्रेडिट क्यों न लें. यही मुख्यमंत्री जी 2020 के विधानसभा चुनाव में कहते थे कि कहां से पैसा आएगा, कहां से सरकारी नौकरी देंगे. 9 अगस्त 2022 को इनके नेतृत्व में हमने सरकार बनाई. 15 अगस्त को सीएम ने ऐलान किया था कि सरकारी नौकरियां देंगे. यह किसकी सोच थी. - शेष पेज 8 पर

बिहार में बनी एनडीए सरकार राज्य के विकास और यहां के लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए कोई कोर-कसर नहीं छोड़ेगी, नीतीश कुमार जी को मुख्यमंत्री और सम्राट चौधरी जी एवं विजय सिन्हा जी को उप मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने पर मेरी बहुत-बहुत बधाई. मुझे विश्वास है कि यह टीम पूरे समर्पण भाव से राज्य के मेरे परिवारजनों की सेवा करेगी. **-नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

देश में नफरत और हिंसा फैलायी जा रही है: राहुल

एजेंसी। सिलीगुड़ी

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने रविवार को भाजपानीत केंद्र सरकार पर नफरत व हिंसा फैलाने तथा गरीबों और युवाओं के हितों को नजरअंदाज कर कॉर्पोरेट घरानों के लिए काम करने का आरोप लगाया. दो दिन के विश्राम के बाद राहुल गांधी बंगाल के सिलीगुड़ी में भारत जोड़ो न्याय यात्रा को संबोधित कर रहे थे. उन्होंने कहा, केंद्र सरकार ने सशस्त्र बलों के लिए अग्निवीर को शुरू करके उन युवाओं का मखौल उड़ाया है जो सशस्त्र बलों में शामिल होना चाहते थे. नफरत फैलाने के बजाय, हमें प्यार का प्रसार करने और युवाओं को न्याय दिलाने की दिशा में काम करना होगा. गांधी ने बंगाल में अपने स्वागत के लिए आभार जताते हुए कहा, बंगाल विशेष स्थान रखता है. इसने स्वतंत्रता संग्राम के दौरान वैचारिक लड़ाई का नेतृत्व किया था. यह बंगालियों का कर्तव्य है कि वे नफरत से लड़ने का रास्ता दिखाएं और देश को एकसाथ बांधें.

खास बातें

- दो दिन के विश्राम के बाद फिर शुरू हुई कांग्रेस की न्याय यात्रा
- युवाओं को न्याय दिलाने के लिए काम करना ही होगा

पहले टेस्ट में भारत की हैरान करने वाली हार

इंग्लैंड 28 रन से जीता

हैदराबाद। भारत और इंग्लैंड के बीच पांच टेस्ट मैच की सीरीज का पहला मुकाबला इंग्लैंड ने 28 रन से जीत लिया है. हैदराबाद के राजीव गांधी स्टेडियम में इंग्लैंड ने पहली पारी में 246 रन बनाए थे. इसके जवाब में भारत ने 436 रन बनाकर 190 रन की बढ़त हासिल की. दूसरी पारी में इंग्लैंड ने 420 रन बनाए और भारत के सामने 231 रन का लक्ष्य रखा. इसके जवाब में टीम इंडिया 202 रन पर सिमट गई और मैच हार गई. दूसरा टेस्ट 2 फरवरी से विशाखापत्तनम में खेला जाएगा. इस पारी में डेब्यू मैच खेल रहे इंग्लिश स्पिनर टॉम हार्टले ने 7 विकेट झटके. पहली पारी में उन्हें दो विकेट मिले थे. ओली पोप प्लेयर ऑफ द मैच रहे.

-विस्तृत खेल पेज पर

बिहार में सियासी श्रृंगार रस की निर्झरिणी

बैजनाथ मिश्र

वरिष्ठ पत्रकार और झारखंड के पूर्व सूचना आयुक्त

रामवादी, दीनदयालवादी और लोहियावादी, जेपीवादी इसकी संगीतमयी धारा में पूर्ण नग्न होकर गोते लगा रहे हैं.आप चाहें तो इसे कुंभ स्नान भी कह सकते हैं...

त्वरित टिप्पणी

दुश्मनी जमकर करो, लेकिन ये गुंजाइश रहे कि जब हम दोस्त बनें तो शर्मिंदा न हों. लेकिन बिहार के नेताओं ने ये गुंजाइश भी नहीं रखी. एक ओर वो हमेशा बेमुरव्वत होकर एक-दूसरे को जलील-ओ-खार करते रहे, वहीं दूसरी ओर कोई जब तुम्हारा हृदय तोड़ दे, तड़पता हुआ जब कोई छोड़ दे, तब तुम मेरे पास आना प्रिये, मेरा दर खुला है खुला ही रहेगा तुम्हारे लिए का राग भी गाते रहे. करें भी क्या. थूकना और चाटना साहित्य में वीभत्स रस होता है, लेकिन राजनीति में यह श्रृंगार रस है. इस रस की छटा पूरे देश में बिखरती रही है. पहले हरियाणा, फिर उत्तर प्रदेश और हाल ही में महाराष्ट्र में इस रस की धारा बह चुकी है. इस रस का स्रोत मूलतः दिल्ली यानी केंद्र ही होता है. उसी के इशारे और जरूरत के हिसाब से इस श्रृंगार रस के अनुपम सौंदर्य के दर्शन हो पाते हैं. यह रस नमकीन होता है. इसलिए जो पार्टियां या नेता एक बार इसका पान कर लेते हैं, उनकी प्यास निरंतर बढ़ती जाती है. त्यों-त्यों प्यासेइ रहत ज्यों-ज्यों पियत अघाइ. दूसरे शब्दों में कहें तो उनको इसकी लत भी पड़ जाती है. फिर बार-बार थूकने और चाटने की तलब से नेता व्याकुल हो उठते हैं. बिहार में इसकी निर्झरिणी पूरी दिव्यता-भव्यता के साथ फिर फूट पड़ी है. रामवादी, दीनदयालवादी और लोहियावादी, जेपीवादी इसकी संगीतमयी धारा में पूर्ण नग्न होकर गोते लगा रहे हैं. आप चाहें तो इसे कुंभ स्नान भी कह सकते हैं. हालांकि कुंभ मेलों का समय निर्धारित होता है. लेकिन ये ठहरे रामराज्य लानेवाले और सामाजिक न्याय के पुरोधा. इनका मन जब भी उचटता या मचलता है, ये एकत्रित संग्रहित थूकों की भारी-भारी टंकियों की टोटी खोल देते हैं और चाटन कार्य निष्पादित करने लगते हैं. इस कर्म की तुलना के लिए त्रिभुवन में न कोई उपमा है, न उपमेय और न उपमान. सब उपमाएं जूठी हो चुकी हैं. शब्दकोषों में इनके लिए कोई शब्द नहीं है. ये यह श्रृंगारिक उपक्रम अपने लिए नहीं करते हैं. हमारे लिए करते हैं. इनका क्या है. ये तो आत्मा हैं. आत्मा कपड़े की तरह शरीर बदलती है. ये कुर्सी, सत्ता के लिए पार्टी गंठजोड़ बदलते हैं. इनके लिए दोस्ती दुश्मनी सब अस्थाई है. ये निरपेक्ष स्वभाव के हैं. लेकिन हैं परिवर्तनशील. परिवर्तनशीलता जीवंतता और दीर्घजीविता का कारक-कारण होती है. हमारे ऋषियों ने चरैवेति-चरैवेति का उपदेश दिया है. ये भी चलते ही रहते हैं. कभी यहां पहुंचते हैं, कभी वहां. लोग झूठमूठ पलटू घोल्टू आदि विशेषणों से विभूषित करते रहते हैं. इससे कोई अपना स्वभाव थोड़े ही बदल देगा. संत न छोड़े संतई. आप गाली दें, कोई न ले तो वह आपके पास ही रहेगी. गलती हमारी है. हम हर रात शौहर बदलनेवाली दुल्हनों को पतिव्रता मान लें तो दोष किसका है. हमेशा एक ही आरोप लगता है-ये वदफरोश हैं. सियासत में वदफरोशी गुण है, अवगुण नहीं है. यहां तो कसमे वादे प्यार वफा सब वादे हैं वादों का क्या ही चलता है. ये जब पलटा पलटी का महारास रचाते हैं, तो इन्हें दिव्य माधुर्य के अतिरिक्त कहीं कुछ नहीं दिखाई देता है. -शेष पेज 8 पर

अनारक्षण पर यूजीसी ने तैयार किया नया मसौदा, कहा-

एससी, एसटी, ओबीसी कैंडिडेट न मिलें तो हटा दें आरक्षण : यूजीसी

एजेंसी। नयी दिल्ली

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नये मसौदा दिशानिर्देशों में सुझाव दिया गया है कि एससी/एसटी या ओबीसी वर्ग के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियां इनके उम्मीदवार नहीं आने की स्थिति में अनारक्षित घोषित की जा सकती हैं.

यूजीसी के नये मसौदा दिशानिर्देशों में यह जानकारी दी गई है. उच्च शिक्षा संस्थानों में भारत सरकार की आरक्षण नीति के कार्यान्वयन के लिए दिशा-निर्देश हितधारकों की आपत्ति और सुझाव के खातिर सार्वजनिक किये गये

हैं. मसौदे में कहा गया, एससी/एसटी या ओबीसी वर्ग के लिए आरक्षित रिक्तियां संबंधित के अलावा किसी अन्य द्वारा नहीं भरी जा सकती. यह भी कहा गया, हालांकि, आरक्षित रिक्ति को अनारक्षण की प्रक्रिया का पालन करके अनारक्षित घोषित किया जा सकता है, जिसके बाद इसे अनारक्षित रिक्ति के रूप में भरा जा सकता है. लेकिन साथ ही कहा गया है कि सीधी भर्ती के मामले में आरक्षित रिक्तियों को अनारक्षित घोषित करने पर प्रतिबंध है. मसौदे के अनुसार, चूंकि समूह ए सेवा में कोई रिक्ति खाली नहीं छोड़ी जा सकती, ऐसे में इस तरह के मामलों में संबंधित विवि रिक्ति के आरक्षण को रद्द करने का प्रस्ताव तैयार कर सकता है. अपने प्रस्ताव में उसे बताना होगा कि पद भरने के लिए कितनी बार प्रयास किये गये, रिक्ति को क्यों खाली नहीं रखा जा सकता और आरक्षण रद्द करने का औचित्य क्या है.

उद्योग जगत की अवश्यकतानुसार करना होगा कोर्सेस में शामिल

विवि, उद्योग व सरकार के साझा प्रयास से विकास संभव: राज्यपाल

- सैद्धांतिक शिक्षा को धरातल पर प्रायोगिक रूप से उतारा जाए

प्रमुख संवाददाता। रांची

झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन ने कहा है कि विश्वविद्यालय, उद्योग और सरकार के साझा प्रयास से देश का विकास संभव है. वर्तमान समय की जरूरत और उद्योग जगत की आवश्यकताओं के अनुसार विभिन्न विषयों को विश्वविद्यालयों के पाठ्यक्रम में शामिल करना होगा. सरकार को भी इसके अनुरूप माइक्रो लेवल पर नीति-निर्धारण करना पड़ेगा.

इस प्रकार के साझा प्रयास एवं नीति-निर्धारण से ही हम विकसित देशों की श्रेणी में पहुंच सकते हैं और 'विकसित भारत' के सपनों को साकार कर सकते हैं. राज्यपाल रविवार को झारखंड प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में आयोजित 'यूनिवर्सिटी इंडस्ट्री गवर्नमेंट समिट 2024' में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे. उन्होंने कहा कि विकास के लिए यह आवश्यक है कि सैद्धांतिक शिक्षा को प्रायोगिक रूप से धरातल पर उतारा जाए.

नयी शिक्षा नीति निभाएगी अहम भूमिका

भारत के विकास में नई शिक्षा नीति महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी. यह समिट समावेशी विकास के लिए युवाओं को प्रेरित करेगी. वे आधुनिक ज्ञान के साथ-साथ पारंपरिक ज्ञान एवं तकनीक को बढ़ावा देकर संगठित उद्योग के रुप में विकसित करेंगे. विकसित भारत की परिकल्पना तभी साकार होगी जब झारखंड विकसित होगा. उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री भारत को विश्व की 5वीं अर्थव्यवस्था से तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं. उन्होंने प्रधानमंत्री के इस प्रतिबद्धता में सभी को अपना योगदान देने का आह्वान किया.

असफलता से घबराना नहीं है

राज्यपाल ने विद्यार्थियों से कहा कि असफलता भी आएगी लेकिन इससे घबराना नहीं है. प्रधानमंत्री ने चन्द्रयान-2 के पूर्ण रूप से सफल नहीं होने पर वैज्ञानिकों का उत्साहवर्धन किया और कुछ माह बाद चन्द्रयान-3 सफलतापूर्वक चन्द्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर लैंड किया. इसी प्रकार उनके उत्साहवर्धन से ही कोविड का टीका विकसित हुआ और भारत ने न सिर्फ अपने देश में वृहत पैमाने पर टीकाकरण किया बल्कि अन्य देशों में मानवता का परिचय देते हुए नि:शुल्क टीका वितरित किया.

सरकार की नीतियां भी हों कारगर

राज्यपाल ने कहा कि इनोवेशन और रचनात्मकता का वातावरण शिक्षण संस्थानों व औद्योगिक संस्थानों में हो. इसको बढ़ावा देने के लिए सरकार की नीतियां भी कारगर हों. ऐसे वातावरण विकसित होने से एवं प्रतियोगिता व प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा मिलेगा. विद्यार्थियों में निहित प्रतिभाएं सामने आएगी. इन प्रतिभाओं के सामने आने से विकास के नए आयाम स्थापित होंगे. पुरानी तकनीक को पुनर्भाषित करते हुए नित्य-नई तकनीक को पुनर्स्थापित करने की आवश्यकता है.

नीतीश कुमार के अलग होने का अंदाजा पहले से ही था: मरांडी

प्रमुख संवाददाता। रांची

भारतीय जनता पार्टी की झारखंड इकाई ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के इस्तीफे को लेकर रविवार को कहा कि यह तो होना था क्योंकि जनता दल यूनाइटेड अध्यक्ष और राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख लालू प्रसाद दोनों एक दूसरे से बिल्कुल अलग हैं. भाजपा की झारखंड इकाई के प्रमुख एवं राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा, बिहार की राजनीति में इस तरह के घटनाक्रम का अनुमान पहले से ही था...मुझे आश्चर्य है कि नीतीश कुमार जैसे अनुभवी और ईमानदार नेता उनके (महागठबंधन) के साथ इतने लंबे समय तक कैसे टिके रहे. मरांडी ने राजद प्रमुख लालू प्रसाद पर निशाना साधते हुए कहा कि व्यक्ति का स्वभाव और हस्ताक्षर कभी नहीं बदलता और इसका एहसास नीतीश कुमार को इतने लंबे समय बाद हुआ. उन्होंने कहा, नीतीश कुमार और लालू प्रसाद दोनों एक दूसरे से बिल्कुल अलग हैं.

एक भ्रष्टाचार का पर्याय है और नीतीश जी देश के उन चुनिंदा नेताओं में से एक हैं जो अपनी ईमानदारी के लिए पहचाने जाते हैं. वह न तो भ्रष्टाचार में लिप्त हैं और न ही वंशवाद की राजनीति को बढ़ावा देने में विश्वास रखते हैं. इसके विपरीत, लालू प्रसाद भ्रष्टाचार और वंशवाद की राजनीति में गले तक डूबे हुए हैं. कुमार के बयान जिसमें उन्होंने कहा था कि वह भाजपा के साथ फिर से जुड़ने के बजाय मरना पसंद करेंगे, इसको लेकर मरांडी ने कहा कि भावना में बहकर इस तरह के बयान देना आम बात है लेकिन नीतीश कुमार का ऐसा मतलब कभी नहीं था. भाजपा पर जद (यू) को विभाजित करने की कोशिश का आरोप लगाते हुए कुमार वर्ष 2022 में महागठबंधन में शामिल हो गये थे. उन्होंने बहुदलीय गठबंधन के साथ नयी सरकार बनाई, जिसमें राजद, कांग्रेस और तीन वामपंथी दल शामिल थे.

सजायाफ्ता को लाभ पहुंचाने के फेर में फंसे अवर सचिव

संवाददाता। रांची

सजायाफ्ता को वित्तीय लाभ पहुंचाने के चक्कर में शिक्षा विभाग के सेवानिवृत अवर सचिव राजेंद्र प्रसाद पर गाज गिर गई है. अब उनके खिलाफ राज्य सरकार ने डिपार्टमेंटल प्रोसिडिंग चलाने का निर्णय लिया है. राजेंद्र प्रसाद पर स्कूली विभाग के पद पर रहते हुए फाइलों को संबंधित पदाधिकारियों को छोड़ दूसरे अफसरों के समक्ष रखने का आरोप है. इसके साथ ही सजायाफ्ता व्यक्ति को अनुचित तरीके से वित्तीय लाभ पहुंचाने का भी आरोप है. इस मामले में जांच पदाधिकारी रिटायर आइएएस रमाकांत सिंह को बनाया गया है. राजेंद्र प्रसाद पिछले साल 30 अप्रैल 2023 को सेवानिवृत हो गए थे.

खोया-पाया

मेरा नाम- प्रकाश चौधरी, पिता- सुनील चौधरी, माता- माया देवी, जन्म तिथि- 02/09/2007 है. मेरा सीबीएसई-दसवीं (वर्ष-2023) का अंक प्रमाण पत्र समेत तमाम मूल प्रमाण पत्र जिसका क्रमांक संख्या- 22330241, स्कूल न0-69513 है. वह छायाप्रति कराने जाने के दौरान किरीबुरु में कहीं खो गया. जिस किसी को मिले वह निम्न पते पर पहुंचाने की कृपा करें.

पता- प्रकाश चौधरी।
बैंक मोड़, मेघाहातुबुरु
थाना-किरीबुरु

किसानों को राहत: तेजी हो रहा रहा है किसानों का कर्ज माफ

रवि भारती। रांची

राज्य में झारखंड कृषि ऋण माफी योजना के तहत 469495 किसानों का ऋण माफ किया जा चुका है. वहीं 468715 किसानों के ऋण माफी की प्रक्रिया चल रही है. गलत डेटा के कारण 20409 किसानों के ऋण माफी की प्रक्रिया लंबित हो गई थी. इन किसानों के लिए भी सरकार डेटा सुधार कर फिर से ऋण माफी की प्रक्रिया शुरू कर दी है. ऋण माफी के लिए देवघर जिला को सबसे अधिक राशि एक अरब 80 करोड़ की राशि आबंटित की गई है. इसके बाद दुमका को एक अरब 38 करोड़ और पूर्वी सिंहभूम को एक अरब 35 करोड़ की राशि आवंटित की गई है.

चतरा में 100 फीसदी किसानों के शिकायतों का निपटारा : कृषि विभाग के आंकड़ों के अनुसार चतरा में 100 फीसदी किसानों की शिकायतों का निपटारा कर लिया गया है. इसके अलावा रामगढ़, साहिबगंज और बोकारो में 99 फीसदी शिकायतों का निपटारा कर लिया गया है. खूंटी, सिमडेगा, सरायकेला-खरसांवा, पूर्वी सिंहभूम, लातेहार, जमशेदपुर, गुमला, लोहरदगा, पश्चिमी सिंहभूम, धनबाद और कोडरमा में 95 फीसदी शिकायतों का निपटारा कर लिया गया है. पाकुड़, हजारीबाग और गढ़वा में 97 फीसदी शिकायतों का निपटारा हो चुका है. दुमका, गोड्डा, गिरिडीह और पलामू में 96 फीसदी शिकायतों का निपटारा हो चुका है.

किस माध्यम से कितनी शिकायतें

माध्यम	शिकायत सं.	व्हाट्सएप	197
कॉल	12485	मोबाइल	17
वेबसाइट	1167	ई-मेल	12
एसएमएस	02	लिखित	02
सोशल मीडिया	17	ट्वीटर	70

कर्ज माफी के लिए किस जिले को कितनी राशि आवंटित

जिला	राशि	जामताड़ा	1219834911
बोकारो	708952429	खूंटी	268602518
चतरा	706540413	कोडरमा	513026533
देवघर	1803582484	लातेहार	374979532
धनबाद	236697947	पाकुड़	261177678
दुमका	1384408429	पलामू	1099213928
पूर्वी सिंहभूम	1351559306	रामगढ़	327301628
गढ़वा	962365045	रांची	1152310553
गिरिडीह	908305286	साहिबगंज	389018662
गोड्डा	815269829	सरायकेला	1210584423
गुमला	452665637	सिमडेगा	231891606
हजारीबाग	926623787	प. सिंहभूम	1234402627

वहीं देवघर में 95 फीसदी शिकायतों का निपटारा हुआ है.

लिखित में सिर्फ दो शिकायतें ही मिली : किसानों की ओर से लिखित में सिर्फ दो शिकायतें ही मिली हैं. सबसे अधिक शिकायत कॉल कर दर्ज की गई. इसके अलावा सोशल मीडिया, वाट्सएप, ई-मेल, फेसबुक, ट्वीटर और एसएमएस के जरिए भी शिकायतें मिली हैं. जनवरी 2024 में अब तक 488 शिकायतें मिली हैं.

झारखंड के अभ्यर्थियों के साथ धोखा हो रहा : राजेंद्र

रांची । स्थानीय नीति तथा नियोजन नीति बनाए बिना जेएसएससी द्वारा आयोजित सामान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा ली जा रही है. इसमें लगभग 6.5 लाख अभ्यर्थी झारखंड व देश के विभिन्न राज्यों से परीक्षा झारखंड में दे रहे हैं. मूलवासी सदान मोर्चा के केंद्रीय अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद ने कहा कि झारखंड के निवासियों के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है. हमारे झारखंडी अभ्यर्थियों को इस नियुक्ति प्रक्रिया में अत्यधिक हानि हो रही है.

AFFIDAVIT

I, NISHA SHARMA WIFE OP HARSH VARDHAN Resident of Road No 06 Near Birsa Blood Bank, Hill View Hospital Road Bariatu, P.S. Bariatu District Ranchi, Jharkhand 834009, do hereby solemnly affirm and declare as follows:
1. That I an an Indian citizen.
2. That I am residing at my aforesaid address.
3. The my actual name is Nisha Sharma & I also known by my name NISHA. both are same and one person which is my name & myself.
4. That need of the affidavit for same and one person & my actual name as such this affidavit.
5. That foregoing statements are true and genuine.

Aff. No. 3062/23-09-2019

झारखंड में अवैध विदेशी नागरिक किए जाएंगे चिह्नित

डीजीपी की अध्यक्षता में बैठक आज

संवाददाता। रांची

झारखंड में अवैध रूप से रह रहे विदेशी नागरिक चिह्नित किये जाएंगे. इसको लेकर डीजीपी अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में सोमवार को जिलों के एसएसपी व एसपी के साथ समीक्षा बैठक होगी. इस दौरान डिस्ट्रिक्ट पुलिस मॉड्यूल का जिला द्वारा उपयोग, फॉरेनर रजिस्ट्रेशन पोर्टल का जिला द्वारा उपयोग, अवैध प्रवासी और विदेशियों का अवैध रूप से समय से अधिक समय तक रहना जैसे मुद्दे पर चर्चा की जाएगी.

राज्य में अवैध प्रवासियों की संख्या 10-15 लाख : झारखंड पुलिस मुख्यालय ने एनआरसी की जरूरतों व बांग्लादेशियों के बढ़ते प्रभाव को लेकर एक रिपोर्ट गृह विभाग को भेजी थी. रिपोर्ट में जिक्र था कि बांग्लादेशी नागरिक बिहार और बंगाल के रास्ते झारखंड में शरण ले रहे हैं.

झारखंड में अवैध प्रवासियों की संख्या 10-15 लाख बतायी गयी है. अवैध प्रवासियों की बढ़ती आबादी से सांस्कृतिक व सुरक्षात्मक खतरे उत्पन हुए हैं. बंगाल के मालदा और मुर्शिदाबाद के रास्ते भी अधिकांश बांग्लादेशी यहां पहुंच रहे हैं. झारखंड में अधिकांश बांग्लादेशी फरक्का, उधवा, पियारपुर, बेगमगंज, फुदकलपुर, अमंथ, श्रीधर, दियारा, बेलूग्राम, चांदशहर, प्राणपुर से आते हैं. रिपोर्ट में जिक्र है कि बांग्लादेशियों के आने से अपराध व देशविरोधी गतिविधियां बढ़ी हैं.

आधार-वोटर आईडी तक बनवाया : रिपोर्ट के मुताबिक, अवैध प्रवासियों ने वोटर आईडी, आधार कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस तक बनवा रखा है.

विदेशी नागरिक उधवा वर्ड सैंक्चूरी और वन विभाग की जमीन पर अवैध कब्जा कर लिया है. इन इलाकों में जमात उल मुजाहिदीन बांग्लादेश और पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया जैसे प्रतिबंधित संगठन की मजबूत पकड़ हुई है.

CLASSIFIED

AMRITA HOSPITAL & RESEARCH CENTRE
7870865821
Dr. Sumedha Gargy
MBBS, MD (Obs 'n' Gynae), ECFMG (Certified USA), MRCOG (London) & ESGO, Certified in Gynaecological Oncology (Europe), Fellowship in Gynae Oncology TATA Medical Centre, Kolkata, Ex. Sr. Resident, Dept. of Surgical Oncology, RIMS, Ranchi
Shyamli, Kali Mandir Road
Burdwan Compund, Ranchi- 834001 (Jharkhand)
Mob : 8271505819, E-mail : gargysumedha@gmail.com

संत रोबोट बालक मध्य विद्यालय हजारीबाग
नामांकन जारी
रेमंड सोरेन
प्रधानाध्यापक
होली क्रॉस रोड कैथोलिक आश्रम, सम्पर्क : 9798141537

DR. RADHAKRISHNAN SCHOOL OF LEARNING
SENIOR SECONDARY SCHOOL (10+2)
Affiliated to C.B.S.E. New Delhi (3430409)
नामांकन जारी
खेल का मैदान, योग शिक्षक, बस की सुविधा
लाइब्रेरी एवं प्रैक्टिकल के लिए उत्तम प्रबंध
NH-33 खोंगा इचाक, हजारीबाग
सम्पर्क करें : 9471041355

श्री साईं नर्सिंग होम
24 घंटा सेवा उपलब्ध
मरीजों की सुलभता हेतु सारी सुविधा उपलब्ध
मिथिलेश कुमार शर्मा
संचालक
श्री साईं नर्सिंग होम, हजारीबाग, संपर्क करें 9931579949,8789744618

सूर्यांश वैदिक ज्योतिष कार्यालय
गिरधर गोपाल मिश्रा
ज्योतिषाचार्य
जन्म कुण्डली, रत्न विज्ञान व वैदिक अनुष्ठानों के द्वारा अपने समस्याओं का सम्पूर्ण समाधान प्राप्त करें।
I S H103 Housing Colony Dhanbad Jharkhand 826001 Ph : 9525504033

श्री गणेश नर्सिंग होम
लोअर चुटिया, रांची, फोन : 9835588850
सुविधाएं : सभी तरह के ऑपरेशन, मॉल प्रक्टर, अपेंडिक्स, हर्निया, हाइड्रोसील बवासीर एवं ह्ड्डी की पोट समेत सम्पूर्ण जांच की व्यवस्था उचित दर पर उपलब्ध
Dr. Randhir Kumar
M.B.B.S., D. Ortho
Ms (General Surgery), FIAGES
Ex-Resident (Neurosurgery) RIMS
24 Hours Emergency Pathology Service
(Home Collection also available here)
Vaccination Facility Child
इशानी मेडिकल हॉल
यहां सभी तरह की दवाएं उचित मूल्य पर दी जाती है।

INDU BHUSHAN MEMORIAL SCHOOL
Class:- Nursery to XIIth
Co-Education, English Medium
Our Features
- Reasonable Fee Structure
- Qualified and Trained Teachers
- Innovative Teaching
- Appropriate Student- Teacher Ratio
- No Heavy Bags
- Pre-Primary Play Area
- Attentin Towards Every Child
- Parenting Classes (For Parents)
- CCTV Monitoring
- Transport Facility

Admission is going on.
Contact : 9430370823, 9955449958
Kawatu, Ichak, Hazaribag (Jharkhand)

SHARDA SCHOOL
Run by:S. E. T., Reg No.:4/223,SI No. 4729, U.Dise -20050115504
Email:info@shardaschoolkoderma.com,
Website:www.shardaschoolkoderma.com
Near Durga Mandap
Maduatand
Jhumari Telaiya
PIN- 825409
(Jharkhand)
Mob: 8210034302

24 घंटा सेवा उपलब्ध... अनुभवी डॉक्टर के साथ...
जीवन अनमोल हॉस्पिटल
राजा बांग्ला ओकनी रोड हजारीबाग
निवेदक
सुबोध कुमार

F9 होटल्स एंड इंडिया ट्रेवल
में आपका स्वागत और अभिनंदन!
आपके यात्रा को सुखद और सुविधाओं के आकांक्षा के लिए अयोध्या धाम श्रीराम नगरी, दिल्ली, पहाड़गंज नोएडा, गुड़गांव, देहरादून मसूरी, मुक्तेश्वर, हरिद्वार, ऋषिकेश, केदारनाथ, बद्रीनाथ, नैनीताल, अमृतसर, जम्मू, कतरा, वैष्णो देवी, जयपुर, उदयपुर, पुष्कर, अजमेर, आगरा, मथुरा, वृंदावन समेत पूरे भारत मे होटल और रूम मे ठहरने की उचित सुविधा और बस, ट्रेन और हवाई जहाज की टिकट की सुविधा निरंतर उपलब्ध है।
- FLIGHT TICKETS
- CRUISE BOOKING
- HOTEL BOOKING
- TRAIN TICKET
- TAXI SERVICE
- CURRENCY EXCHANGE
- HOLIDAY PACKAGES
- GROUP BOOKINGS
- E VISA SERVICE
- INTERNATIONAL TOUR PACKAGES

BOOKING
Call 8527271652-ved

R.C. Mission Residential School
(A Co-educational, English Medium, CBSE Board School)
Babe Path, Hurhuru, Hazaribagh | M-9162690238, 9113709641
Admission Open
छात्रावास में सुविधाएं :
- लाइब्रेरी की सुविधा
- सुबह-शाम ट्यूशन
- सीसी टीवी कैमरा
- 24 घंटे सिक्युरिटी
- 24 घंटे बिजली-पानी
- कंप्यूटर लैब
- मेन्यू अनुसार भोजन

Minku Kumar
Director

लोकनायक जेपी विद्या मंदिर
सीबीएसई मान्यता प्राप्त नर्सरी टू नाइथ
नामांकन जारी
बस की सुविधा खेल का मैदान
सीसीटीवी कैमरा एवं योग शिक्षक
प्रचार्या सुनीता देवी
नामांकन के लिए संपर्क करें पता, नंगवा टोल प्लाजा हजारीबाग

मणिपाल मोन्टेसरी हाई स्कूल
नामांकन जारी
प्ले ग्रुप से दसवीं कक्षा तक
सीबीएसइ पाठ्यक्रम
गैस गोदाम रोड, मंडईकला, हजारीबाग, संपर्क : 9693535747

प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना सहायता केंद्र
24 घंटा सेवा उपलब्ध
फ्री इलाज एवं ऑपरेशन के लिए संपर्क करें
राहुल ठाकुर
संचालक
मां अंबे नर्सिंग होम
कातीबाड़ी रोड, बैंक ऑफ़ बड़ौदा, हजारीबाग फोन : 8709644624

EDUCATION
TO-LET
BUSINESS
REAL ESTATE
RECRUITMENT
MATRIMONY
& Many More
Book your CLASSIFIED ADS IN
हिन्दी दैनिक शुभम संदेश
एक राज्य-एक अखबार
Contact : 9835511272, 9905709361, 9546277001, 7004715743

तापमान
25° अधिकतम | 09° न्यूनतम

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

www.lagatar.in

सोमवार, 29 जनवरी 2024 ● माघ कृष्ण पक्ष 04, संवत 2080 ● पृष्ठ : 12, मूल्य : ₹ 6 ● वर्ष : 1, अंक : 281

आमंत्रण मूल्य : ₹ 5 मात्र

पेज 10

सीएम 31 जनवरी को ईडी के समक्ष हो सकते हैं पेश

सौरभ सिंह। रांची

सीएम हेमंत सोरेन 31 जनवरी को ईडी के समक्ष अपना बयान दर्ज करा सकते है.सूत्रों से मिली जानकारी के मुताबिक सीएम 31 जनवरी को ईडी को फिर सीएम आवास बुला सकते हैं या फिर खुद ईडी के ऑफिस में के जाकर अपना बयान दर्ज करवा सकते हैं. हालांकि इस बात की आधिकारिक रूप से पुष्टि नहीं हो पाई है. गौरतलब है कि 25 जनवरी को रांची जमीन घोटाला मामले में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के द्वारा पूछताछ के लिए वक्त नहीं देने पर ईडी ने ई मेल के जरिए संदेश भेजा था. संदेश में ईडी ने सीएम पूछताछ के लिए 29 या 31 जनवरी का वक्त देने को कहा था, ईडी ने अपने संदेश में यह भी लिखा था कि अगर सीएम 29 या 31 जनवरी का वक्त नहीं देंगे, तो एजेंसी के अधिकारी स्वयं उनके पास जाकर पूछताछ करेंगे.

गौरतलब है कि इससे पहले 25 जनवरी को सीएम ने ईडी को अप्रत्यक्ष रूप से पूछताछ के लिए समय देने से इनकार कर दिया था. हालांकि सीएम ने ईडी को भेजे गये पत्र में समय देने का उल्लेख नहीं किया था. कहा गया था कि वह उचित समय पर इसका जवाब दे देंगे. वहीं ईडी ने सीएम को 22 जनवरी को 9वां समन भेज कर 27 से 31 जनवरी के बीच ईडी की जांच टीम के सामने पेश होने के लिए कहा था.

दिल्ली से मुक्त कराई गईं बोरियो की 19 लड़कियां, 2 गिरफ्तार

रेस्क्यू की गईं लड़कियों में 14 नाबालिग, 18 वर्ष से ऊपर की 5

प्रमुख संवाददाता। रांची

दिल्ली के विभिन्न इलाकों से झारखंड की 19 लड़कियों को मुक्त कराया गया है. इनमें से 14 बच्चियां नाबालिग हैं, जिनकी उम्र 12 से 15 साल है. 5 लड़कियां 18 वर्ष से अधिक उम्र की हैं. ये सभी लड़कियां साहिबगंज के बोरियो प्रखंड की रहने वाली हैं. महिला बाल विकास विभाग द्वारा संचालित एकीकृत पुनर्वास संसाधन केंद्र और नई दिल्ली एवं साहिबगंज पुलिस के संयुक्त प्रयास से इन लड़कियों को मुक्त कराया गया है. पुलिस और विभाग की टीम ने पहले दो मानव तस्करों को पकड़ा और उनके घर से बरामद हुए दस्तावेजों के आधार पर सभी 19 लड़कियों को मुक्त कराया गया. रेस्क्यू मिशन में दिल्ली के दो एनजीओ ने झारखंड पुलिस की मदद की.

सभी बच्चियों का किया जाएगा पुनर्वास

एकीकृत पुनर्वास सह संसाधन केंद्र के राहुल सिंह एवं निर्मला खलखो ने बताया कि मुक्त करायी गई सभी बच्चियों को दलाल के माध्यम से दिल्ली लाया गया था. मुक्त करायी गयी बच्चियों की काउंसेलिंग की जाएगी और उनके संबंधित जिले के डीसीपीओ के माध्यम से होम वेरिफिकेशन कराया जाएगा. इसके बाद बच्चियों का पुनर्वास किया जाएगा. उन्होंने बताया कि टोल फ्री नंबर 10582 के माध्यम से भी झारखंड की तस्करी के शिकार बच्चों-बच्चियों की सूचना प्राप्त होती है.

मानव तस्करों के घर से मिले कागजात से ढूंढी गईं लड़कियां

नई दिल्ली के एकीकृत पुनर्वास सह संसाधन केंद्र की नोडल ऑफिसर नचिकेता ने बताया कि उन्हें झारखंड के बोरियो पुलिस ने यह सूचना दी गई थी कि एक मानव तस्कर कई लड़कियों को बहला फुसला कर दिल्ली लाया. इस सूचना के आधार पर स्थानीय पुलिस से संपर्क कर दो मानव तस्करों को पकड़ा गया. तस्करों के घर पर ही एक बच्ची मिली, जिसे वह तस्करी कर दिल्ली लाया था. मानव तस्करों के मिलते ही साहिबगंज के एसपी कुमार गौरव को सूचना दी गई. उन्होंने फौरन एक पुलिस टीम को दिल्ली के लिए रवाना किया और फिर मानव तस्करों के घर से मिले कागजात के आधार पर सभी लड़कियों को दिल्ली के विभिन्न इलाकों से मुक्त कराया गया.

राजनीति : बिहार में सत्ता पलटी झारखंड में नेताओं के बोल बदले

विशेष संवाददाता। रांची

बिहार में सत्ता परिवर्तन के बाद झारखंड में भी राजनीतिक सरगरमी तेज हो गयी है. फरवरी के पहले-दूसरे सप्ताह में भाजपा- कांग्रेस के दिग्गज नेताओं का जमावड़ा लगनेवाला हैं. इन सब के बीच राज्य में ईडी की ताबड़तोड़ कार्रवाई चल रही है. पूछताछ के लिए सीएम हेमंत सोरेन को बार-बार समन भेज कर बुलाये जाने के विरोध में झामुमो तो केंद्र सरकार के साथ ही साथ भाजपा व ईडी पर हमलावर है ही, कांग्रेस भी ईडी पर भाजपा के इशारे पर काम करने का आरोप लगाते हुए हमलावर रही है. सीएम हेमंत सोरेन के समर्थन में झामुमो ने चरणबद्धा आंदोलन शुरू कर दिया है और रविवार को राजभवन पर प्रदर्शन भी किया. लेकिन कभी ईडी की कार्रवाई को लेकर भाजपा और केंद्र सरकार को निशाने पर रखनेवाले राज्य के वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने रविवार को प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी की तारीफों के पुल बांधे. एक ओर झामुमो कार्यकर्ता ईडी व भाजपा के विरोध में राजभवन के समक्ष प्रदर्शन कर रहे थे, उसी दौरान राज्य के वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव शहर में आयोजित समारोह में न सिर्फ भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी की जमकर तारीफ कर रहे थे, बल्कि उनके शासन काल को बेहतर भी बता रहे थे. इधर 20जनवरी को सीएम हाउस में सीएम हेमंत सोरेन से लिपट कर रोनेवाले डॉ इरफान अंसारी ने न सिर्फ अपनी ही पार्टी के मंत्री बन्ना गुप्ता पर सवाल उठाये, बल्कि अपनी ही सरकार को कठघरे में खड़ा कर दिया.

डॉ रामेश्वर उरांव बोले: मरांडी के शासनकाल में बेईमानी नहीं थी

राज्य के वित्त मंत्री डॉ रामेश्वर उरांव ने कहा कि झारखंड के पहले मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी के शासनकाल में बेईमानी नहीं थी. मरांडी जब मुख्यमंत्री बने तो उनके ढाई साल के कार्यकाल में राज्य का खूब विकास हुआ. रिंग रोड उन्हीं की सोच का परिणाम है, जो आज दिख रहा है. उस समय तो अधिकतर अधिकारी भी बिहार के थे, लेकिन सभी ईमानदार थे.कहा कि केवल सड़क और बिल्डिंग विकास का पैमाना नहीं. बड़ी-बड़ी बिल्डिंग बनाना उपलब्धि नहीं, बल्कि राज्य की जनता का विकास करना सबसे बड़ी उपलब्धि है. राज्य के विकास के लिए सभी लोगों को मिलकर प्रयास करने की जरूरत है. झारखंड बिहार से अलग इसलिए हुआ ताकि यहां विकास हो सके. उरांव के इस बयान के राजनीतिक निहितार्थ भी निकाले जा रहे हैं. कांग्रेस विधायकों में उनके बयान को लेकर काफी सुगबुगाहट है. कयास लगाया जा रहे हैं कि कहीं डॉ उरांव भी पल्टी न मार दें और भाजपा के साथ कमल खिलाने निकव पड़ें.

राज्य बनने के बाद विकास हुआ, विधि-व्यवस्था में सुधार हुआ : बाबूलाल मरांडी

झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री प्रदेश भाजपा अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड अलग होने के बाद राज्य की सत्ता में स्थानीय लोगों की भागीदारी हो रही है और यह अच्छी बात है. कहा कि किसी भी देश या राज्य का विकास अचानक नहीं हो जाता है, उसमें समय लगता है. झारखंड अलग होने के बाद राज्य का विकास हुआ है, कानून व्यवस्था की स्थिति में सुधार हुआ है. राज्य बनने से पहले जो भय का वातावरण था, अब वह यहां नहीं है.

इधर, हेमंत से लिपटकर रोनेवाले डॉ इरफान अंसारी ने अपनी ही सरकार पर उठाये सवाल

ईडी की टीम जब 20 जनवरी को सीएम से पूछताछ के लिए उनके आवास पर आनेवाली थी, तो उससे पहले कांग्रेस विधायक वहां पहुंच गये थे. सीएम से मिलकर रो रहे थे. आज वहीं डॉ इरफान ने अपनी ही सरकार को जमकर लताड़ा.राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था पर एक बार फिर प्रहार किया. अपनी ही सरकार को घेरते हुए कहा है कि अस्पतालों की हाल बहुत खराब है. राज्य में लोग मर रहे हैं और स्वास्थ्य विभाग चुप बैठा है. यानी अपनी ही पार्टी के मंत्री बन्ना गुप्ता को कठघरे में खड़ा करते हुए अपनी ही सरकार पर सवाल उठाये.

फरवरी में राजनीतिक गतिविधियां तेज होंगी

संवाददाता। रांची

फरवरी के पहले सप्ताह से ही राज्य में राजनीतिक गतिविधियां तेज होनेवाले हैं. प्रदेश में राजनीतिक दिग्गजों का जमावड़ा लगनेवाले हैं. इसे लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान की शुरुआत के रूप में देखा जा रहा है.

- **दो फरवरी को राहुल की न्याय यात्री की इंट्री :** दो फरवरी को कांग्रेस के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष राहुल गांधी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के साथ राज्य में प्रवेश करेंगे. बंगाल में यात्रा समाप्त करने के बाद पाकुड़ के रास्ते उनकी झारखंड में इमट्री होगी. राहुल गांधी राज्य में लगभग 800 किलोमीटर की यात्रा करेंगे. अब तक उनका लगातार आठ दिन राज्य में रहने का कार्यक्रम है.
- **4 फरवरी को धनबाद में पीएम मोदी की रैली :** चार फरवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सिंदरी में हर्ल कारखाना का उद्घाटन करने के साथ ही साथ धनबाद से झारखंड में लोकसभा चुनाव के प्रचार अभियान का शुभारंभ करेंगे. मोदी बिहार से होते हुए झारखंड आयेंगे.
- **हेमंत सोरेन भी चुनाव अभियान की करेंगे शुरुआत :** सत्तारूढ़ झारखंड मुक्ति मोर्चा का स्थापना दिवस दो फरवरी को दुमका व चार फरवरी को धनबाद में मनाने का कार्यक्रम है. स्थापना दिवस के साथ ही हेमंत सोरेन चुनाव अभियान की शुरुआत कर देंगे. दुमका में स्थापना दिवस समारोह में झामुमो प्रमुख शिबू सोरेन भी मौजूद रहेंगे.
- **जनजातीय सम्मेलन में आयेंगे अमित शाह :** फरवरी के दूसरे सप्ताह में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राज्य के दौरे पर आएंगे. वे यहां भाजपा के जनजातीय सम्मेलन में भाग लेंगे. भाजपा जनजातीय समाज पर पकड़ बनाने की भरसक कोशिश कर रही है.

ब्रीफ खबरें

पूर्व विधायक चंद्रिका महथा का निधन

रांची। गिरिडीह के जमुआ के पूर्व विधायक चंद्रिका महथा का निधन रविवार को हो गया. पिछले कई दिनों से वे इलाजरत थे. उनका इलाज रांची के मेदांता हॉस्पिटल में चल रहा था. उनके निधन की सूचना मिलते ही इलाके में शोक की लहर दौड़ गई. चंद्रिका महथा पहली बार 2005 में झामुमो के टिकट पर चुनाव लड़े थे. इसके बाद 2009 में झाविमो और 2014 में फिर से झामुमो के टिकट पर चुनाव लड़े. 2019 में फिर से झाविमो में शामिल हो गए. 2023 में उन्होंने कांग्रेस का दामन थामा था.

राष्ट्रीय संयुक्त सचिव बनीं पूर्णिमा

रांची। झारखंड की कांग्रेस नेता पूर्णिमा सिंह को राष्ट्रीय इंटक की सेंट्रल वूमन वर्किंग कमेटी का राष्ट्रीय संयुक्त सचिव नियुक्त किया गया है. कमेटी की नेशनल चेयर पर्सन देविका सिंह के अप्रूवल पर इंटक के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजीवा रेड्डी ने नई कमेटी का गठन किया है. सेंट्रल कमेटी में शामिल किये जाने पर पूर्णिमा सिंह ने पार्टी नेताओं के प्रति आभार जताया है.

जेएसएससी भर्ती परीक्षा: अभ्यर्थियों ने काटा बवाल, लगाए आरोप

एग्जाम से पहले वायरल हुए जवाब!

संवाददाता। रांची

झारखंड कर्मचारी चयन आयोग की झारखंड संयुक्त स्नातक स्तरीय प्रतियोगिता परीक्षा रविवार को संपन्न हो गई. कड़ी सुरक्षा के बीच यह परीक्षा जिला मुख्यालयों तथा कुछ अनुमंडल मुख्यालयों में बनाए गए केंद्रों पर हुई. इधर, कुछ अभ्यर्थियों ने इस परीक्षा के सामान्य अध्ययन के प्रश्न पत्र लीक होने की आशंका जताई है. उनका कहना है कि इसके कुछ प्रश्नों के उत्तर वाट्सएप पर परीक्षा से पहले ही वायरल हो रहे थे. बाद में परीक्षा होने के बाद पता चला कि ये उत्तर पूछे गए प्रश्नों से ही संबंधित थे. परीक्षा खत्म होने के बाद शाम में अभ्यर्थियों ने स्टेट लाइब्रेरी के पास जमा होकर इसके विरोध में प्रदर्शन भी किया. आक्रोशित अभ्यर्थी परीक्षा रद्द करने तथा इसकी सीबीआइ जांच कराने की मांग कर रहे थे. कुछ अभ्यर्थियों ने इसकी शिकायत भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी से करते हुए हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया. प्रश्न पत्र लीक होने के मामले को लेकर आयोग के अध्यक्ष नीरज सिन्हा से बात करने की कोशिश की गयी, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया.

-पेज 5 भी देखें

सामान्य ज्ञान की परीक्षा रद्द!

इस बीच, झारखंड कर्मचारी आयोग ने रविवार की देररात एक विज्ञापन जारी करके कहा है कि झारखंड सामान्य स्नातक योग्यताधारी संयुक्त प्रतियोगिता परीक्षा 2023 अंतर्गत 28 जनवरी को संपन्न तृतीय पाली (सामान्य ज्ञान) की परीक्षा अपरिहार्य कारणों से रद्द की जाती है. संबंधित परीक्षा के पुनर्आयोजन की तिथि आयोग की वेबसाइट पर यथाशीघ्र प्रकाशित की जाएगी. दिलचस्प बात यह है कि परीक्षा नियंत्रक के नाम से जारी इस विज्ञापन में किसी का हस्ताक्षर नहीं है. शुभम संदेश इस विज्ञापन की पुष्टि नहीं करता, क्योंकि इस संबंध में संबंधित व्यक्तियों के फोन नहीं उठे.

सीबीआई जांच हो: मरांडी

इस बीच, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने जेएससीसी द्वारा रविवार को आयोजित सीजीएल परीक्षा में कथित तौर पर पेपर लीक की जांच सीबीआई से कराने की मांग की है. मरांडी ने कहा कि कई छात्रों ने सोशल मीडिया पर आंसर शीट जारी की है. साथ ही व्हाट्सएप पर भी प्रश्न पत्रों के परीक्षा के पहले की सामने आने की बात सामने आ रही है. इस मामले की जांच सीबीआई से कराई जानी चाहिए.

शिवम बस लूटकांड का खुलासा, चार लोग अरेस्ट

कारोबारी के ड्राइवर ने ही रची साजिश

संवाददाता। रांची

दशम फॉल थाना क्षेत्र के नवाडीह में 16 जनवरी को शिवम बस में लूटकांड हुई थी. रांची पुलिस की जांच में खुलासा हुआ है कि सब्जी कारोबारी के ड्राइवर ने पूरी घटना की साजिश रची थी. एसएसपी के निर्देश पर गठित एसआईटी की टीम ने कार्रवाई करते हुए चार अपराधियों को गिरफ्तार किया है. गिरफ्तार अपराधियों में शहजान अंसारी, शमीम अंसारी, जबीउल्लाह मियां उर्फ जबीउल्लाह और इफ्तेखार आलम उर्फ रॉबर्ट शामिल है. गिरफ्तार अपराधियों का पूर्व से आपराधिक इतिहास रहा है. गिरफ्तार अपराधियों के पास से पुलिस ने लूटे गये 11.61 लाख रुपए, 18 जिंदा गोली समेत कई अन्य सामान बरामद किया है. रविवार की देर शाम प्रेस कॉन्फ्रेंस कर एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने यह जानकारी दी. पुलिस जांच में खुलासा हुआ कि लोहरदगा और गुमला के अपराधियों ने घटना को अंजाम दिया था.

क्या है मामला : गौरतलब है कि बीते 16 जनवरी को कोलकाता से रांची आ रही बस में लूटपाट की घटना को अंजाम दिया था. अपराधियों ने हथियार के बल पर बस में बैठे तीन सब्जी व्यापारियों से 18 लाख लूट लिये थे. शिवम बस 15 जनवरी की रात कोलकाता से रांची आ रही थी. तभी 16 जनवरी की सुबह बस जैसे ही रांची के दशम थाना क्षेत्र स्थित रांची टाटा हाइवे के नवाडीह के पास पहुंची. वैसे ही बस के अंदर ही बैठे अपराधियों ने हथियार के बल पर बस को अपने कब्जे में ले लिया. अपराधियों ने बस में बैठे तीन सब्जी कारोबारी से पैसे भरे बैग लूट लिये.

आक्रोश मांडर के एकलव्य स्कूल के निर्माण स्थल को लेकर हो रहा भारी विवाद

ग्रामीणों ने की तोड़फोड़, उठाकर ले गये सामान

संवाददाता। मांडर (रांची)

मंदरो पंचायत के बखार स्थित मंदरो टोंगरी में बन रहे एकलव्य आवासीय विद्यालय निर्माण कार्य को ग्रामीणों ने धंसा दिया. घटना दो दिन पहले की है. देर रात पहुंचे दर्जनों लोगों ने यहां पर आरएमसी प्लांट व कंट्रोल केबिन में तोड़फोड़ की. केबिन के शीशे को तोड़ दिया. साथ ही केबल भी काट दिया. इसके अलावा खोदी गयी नींव को समतल कर दिया. साइट इंचार्ज राकेश कुमार के अनुसार निर्माण स्थल पर तोड़फोड़ करने वाले लोग साइट पर रखे गैस सिलेंडर, क्युरिंग पाइप, गैंती फावड़ा व तसला भी चुराकर ले गये. घटना की सूचना नरकोपी पुलिस को दे दी गयी है.

शुरू से ही ग्रामीण कर रहे विरोध

मंदरो टोंगरी में मॉडल एकलव्य आवासीय विद्यालय के निर्माण का ग्रामीणों का एक दल शुरू से ही विरोध कर रहा है. ग्रामीणों के विरोध के चलते ही 30 नवंबर 2023 को विद्यालय का शिलान्यास करने पहुंची विधायक शिल्पी नेहा तिर्की को बिना शिलान्यास किये लौटना पड़ा था. वहीं सांसद आधे रास्ते से ही विरोध की सूचना मिलने पर वापस लौट गये थे. इसके बाद विरोध कर रहे ग्रामीणों को समझाने का प्रयास भी किया गया, लेकिन बात नहीं बनी.

निर्माण स्थल को पूजा स्थल बताया जा रहा

ग्रामीणों का कहना है कि यहां वर्षों से पूजा पाठ करते आ रहे हैं. उनके विरोध के बावजूद निर्माण हो रहा है जो गलत है. कई ग्रामीणों का कहना था कि रात में उनके सपने में टोंगरी बुढ़िया आ रही है और वही निर्माण कार्य नहीं होने देने की बात उनसे बोल रही है.

चान्हो में भी हुआ था दो करोड़ का नुकसान : प्रखंड के सिलागांई में भी एकलव्य आवासीय विद्यालय के निर्माण कार्य का भी पूजा स्थल बताते हुए घोर विरोध किया गया था. विद्यालय की चहारदीवारी को धंसा दिया गया था, तीन बार एनएच जाम किया गया था तब वहां से विद्यालय को अन्यत्र ट्रांसफर कर दिया गया था.

क्या कहते हैं मांडर थाना प्रभारी

मामले को लेकर पूछे जाने पर नरकोपी थाना प्रभारी अभिजीत कुमार ने बताया कि तोड़फोड़ को लेकर अभी तक कोई लिखित शिकायत नही मिली है, मौखिक सूचना मिली है. पुलिस जांच कर रही है.

-अभिजीत कुमार, नारकोपी थाना प्रभारी

बदलेगा मौसम का मिजाज, होगी बारिश

रांची। कंपकंपाती ठंड के बीच झारखंड में मौसम का मिजाज बदलेगा. मौसम विभाग की मानें, तो 31 जनवरी व एक फरवरी को रांची, बोकारो, गुमगुला, हजारीबाग,खूंटी, रामगढ़, पूर्वी सिंहभूम, पश्चिमी सिंहभूम, सिमडेगा, सरायकेला खरसावां, देवघर, धनबाद, दुमका, गिरिडीह, गोड्डा, जामताड़ा, पाकुड़, साहिबगंज जिले में बारिश हो सकती है. रांची में गरज के साथ बारिश की संभावना है. दो व तीन फरवरी की सुबह में झारखंड में कोहरे या धुंध और बाद में आसमान साफ रहेगा.

छाए रह सकते हैं आंशिक बादल : झारखंड एक बार फिर मौसम का मिजाज बदलने की संभावना है. 31 व एक फरवरी को रांची समेत कई जिलों में बारिश के आसार हैं. आज मौसम शुष्क रहेगा. 29और 30 जनवरी की सुबह में कोहरे या धुंध और बाद मेंआंशिक बादल छाए रह सकते हैं.

एचईसी कर्मचारियों का बंद आज

रांची। हैवी इंजीनियरिंग कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचईसी) में रविवार को कर्मचारियों ने बकाया वेतन के भुगतान सहित कई मांगों को लेकर प्रदर्शन किया. प्रदर्शन कर रहे कर्मचारियों ने क्षेत्र में भ्रमण कर अपने लंबित मांगों की पूर्ति को लेकर एचईसी आवासीय परिसर में सोमवार को बंद का आह्वान किया है. प्रदर्शन में शामिल नेताओं ने मशाल जुलूस निकाल कर क्षेत्र के दुकानदारों, ऑटो चालकों सहित लोगों से बंद को सफल बनाने में सहयोग का आग्रह किया. वहीं मौके पर उपस्थित आंदोलन के नेताओं ने बताया कि अगर एचईसी कंपनी बंद हो जाएगी तो एचईसी आवासीय परिसर को स्मार्ट सिटी के तहत शामिल कर लिया जाएगा. जिसके बाद कंपनी में काम करने वाले कर्मचारियों के साथ-साथ हजारों लोग बेरोजगार हो जाएंगे. वहीं एचईसी बचाओ मजदूर जन संघर्ष समिति ने कहा कि जब तक बकाया वेतन का भुगतान नहीं हो जाता, तबतक आंदोलन जारी रहेगा.

रिम्स ओपीडी

विभाग	डॉक्टर का नाम
मेडिसिनः	डॉ विद्यापति
सर्जरीः	डॉ शीतल मलुआ
कार्डियोलॉजीः	डॉ प्रकाश कुमार
ऑर्थोपेडिकः	डॉ विनय प्रभात
न्यूरोसर्जरीः	डॉ सीबी सहाय
टीबी एवं चेस्टः	डॉ ब्रजेश मिश्रा
ऑब्स गायनीः	डॉ एसबी सिंह
सीटीवीएसः	डॉ अंशुल कुमार
न्यूरोलीजीः	डॉ सुरेंद्र कुमार
ईएनटीः	डॉ आरके चौधरी
सायकेट्रीः	डॉ अजय बाखला
प्लास्टिक सर्जरीः	डॉ विक्रांत रंजन
पीएमआरः	डॉ अमित चैतन्य
रेडिशन ऑन्कोलॉजीः	डॉ अनूप
सर्जिकल ऑन्कोलॉजीः	डॉ अजीत कुमार कुशवाहा
यूरोलॉजीः	डॉ अरशद जमाल व डॉ राणा प्रताप सिंह

सदर ओपीडी

विभाग	डॉक्टर का नाम
मेडिसिनः	डॉ बीएन पोद्दार, डॉ रुचिका
कार्डियोलॉजीः	डॉ राकेश झा
यूरोलॉजीः	डॉ पंकज कुमार
पीडियाट्रिक सर्जरीः	डॉ मोहम्मद इमरान
ऑब्स एंड गायनीः	डॉ वंदिता, डॉ समरीना कमल और डॉ उमा सिन्हा
पीडियाट्रिक(शिशु रोग):	डॉ अमरेश
हेमाटोलॉजीः	डॉ अभिषेक रंजन
गैस्ट्रोएंटरोलॉजीः	डॉ जयंत घोष

शहर में आज

1. जेएमएम का मार्च, राजभवन के समक्ष दिन के 11 बजे
2. जनजातीय सुरक्षा मंच की प्रेस वार्ता, आरोग्य भवन बरियातु में दोपहर 1 बजे
3. शहर में विभिन्न कार्यक्रम

ब्रीफ खबरें

84 लोगों के दिल का होगा ऑपरेशन

रांची। झारखंड हृदय चिकित्सा योजना के तहत रिम्स में आयोजित कैंप के जरिए 84 हृदय रोगियों को ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया है. नोडल पदाधिकारी डॉ आरएन शर्मा ने बताया कि रविवार को 191 मरीजों की स्क्रीनिंग की गई. इसमें से 44 को ऑपरेशन के लिए चयनित किया गया है. इससे पहले शनिवार को 184 की स्क्रीनिंग हुई थी. जिसमें 40 मरीजों को ऑपरेशन के लिए चुना गया था. इन मरीजों का ऑपरेशन गुजरात के राजकोट व अहमदाबाद में श्री सत्य साईं हृदय अस्पताल में होगा.

हिंदू जागरण मंच को बनाया जाएगा मजबूत

रांची। हिंदू जागरण मंच और वीरांगना वाहिनी, धुर्वामंडल की बैठक सर्वोदय बाल विद्या मंदिर आदर्श नगर धुर्वा में हुई. हिंदू जागरण मंच के संगठन मंत्री सुमन इस बैठक में ऑनलाइन उपस्थित हुए. उन्होंने मंच के कार्यों पर प्रकाश डाला और इसके उद्देश्यों की पूर्ति के लिए सशक्त संगठन खडा करने पर जोर दिया. बैठक की अध्यक्षता कर रहे राम बोल कुंवर नेआगामी वर्ष-प्रतिपदा को लेकर नगर में कार्यक्रम आयोजन पर अपना विचार रखा.

आईटीआई में वार्षिक खेलकूद आयोजित

रांची। आईटीआई रांची में गणतंत्र दिवस समारोह के साथ वार्षिक खेलकूद महोत्सव का आयोजन किया गया. खेलकूद का उद्घाटन मुख्य अतिथि क्षेत्रीय कौशल विकास एवं उद्यमशीलता निदेशालय के क्षेत्रीय निदेशक विजित कुमार, पीके मंडावी, उपनिदेशक हिमांशु कुमार ने किया. सहायक निदेशक प्रशिक्षण (मुख्यालय) सह प्राचार्या अंजूअग्रवाल ने खिलाड़ियों का मनोबल बढ़ाया. विद्यार्थियों ने वॉलीबॉल, क्रिकेट, बैडमिंटन, फुटबॉल आदि खेलों में उत्साह के साथ भाग लिया.

नीतीश कुमार के पाला बदल पर क्या बोले झारखंड के नेता

बिहार में रविवार को सत्ता परिवर्तन हो गया. मुख्यमंत्री तो नीतीश कुमार ही रहे, लेकिन सहयोगी पक्ष पक्ष अब राजद नहीं भाजपा गयी. इस बदलाव को लेकर झारखंड में भी नेताओं की तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं आयी हैं. एनडीए के पक्षकारों ने जहां इसे 2024 लोस चुनाव से पहले शुभ माना है, वहीं विरोधियों ने इसे अवसरवादिता करा दिया.

गिरगिट भी नाम बदलने की सोच रहे होंगेः राजेश ठाकुर

कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि नीतीश कुमार के एनडीए के साथ

मिल कर सरकार बनाने के बाद अब पाखंडी, ढोंगी, गिरगिट भी शर्म के मारे अपना नाम बदलने की सोच रहे होंगे. निवेदिता सिंह जो नीतीश के बयान पर फूट-फूट कर रो रही थीं. उनके निवेदन को अस्वीकार कर भाजपा महिला को अपमानित करने वाले साथ हो गई. यही भाजपा का चाल, चरित्र और चेहरा है.

डबल इंजन सरकार का जनता को मिलेगा फायदाः बाबूलाल

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने कहा कि नीतीश कुमार जैसे ईमानदार नेता

राजद के साथ इतने लंबे समय तक कैसे टिका रहा इसका उन्हें आश्चर्य है. बाबूलाल ने कहा कि नीतीश कुमार के नेतृत्व में बनी बिहार की एनडीए सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कुशल मार्गदर्शन में बिहार की जनता के लिए जन भावनाओं के अनुरूप तीव्र विकास के लिए समर्पित रहेगी. डबल इंजन की सरकार का फायदा बिहार की जनता को मिलेगा.

नीतीश और भाजपा का चरित्र विश्वासघात काः सुप्रियो

झामुमो के महासचिव सुप्रियो भट्टाचार्य ने कहा कि जो आदमी पूरी तरह विश्वास करने

के लायक नहीं है, भाजपा को उन्हीं लोगों का साथ पसंद है. इसी तरह बाबूलाल भी भाजपा छोड़कर गये थे. भाजपा के साथ अपने विधायकों का सौदा किया. राजधनवार से अपने जनमत का सौदा किया और फिर भाजपा में चले आये. नीतीश और भाजपा दोनों का चरित्र एक जैसा है. दोनों का चरित्र विश्वासघात की बुनियाद पर खड़ा है.

स्वार्थ पर टिका गठबंधन नहीं कभी चलताः रमाकांत

भाजपा के प्रवक्ता रमाकांत महतो ने कहा कि परिवारवाद और स्वार्थ की बुनियाद पर

टिकी राजनीति ज्यादा दिनों तक नहीं चलती है. इस तरह का गठबंधन राज्य और समाज के निर्माण में घातक है. लालू यादव परिवारवाद के पर्याय हैं. नीतीश कुमार तात्कालीन परिस्थितियों की वजह से राजद के साथ गये थे, लेकिन अब वे वापस आ चुके हैं. नीतीश ने भाजपा के साथ मिल कर ही बिहार में सुशासन लाया था.

नीतीश से गिरगिट भी शरमा जाएः डॉ मनोज

झारखंड में राजद के प्रदेश प्रवक्ता डॉ मनोज कुमार ने कहा कि पलटू राम नीतीश के

बदलते रंग से गिरगिट भी शरमा जाए. एक बार फिर जेडीयू का चाल और चरित्र उजागर हुआ है. नीतीश आरएसएस की गोद में जा बैठे हैं। भाजपा जैसा अवसरवादी पार्टी इस दुनिया में कहीं नहीं है. सत्ता के लालच में भाजपा कुछ भी करने से बाज नहीं आएगी. वहीं पलटू राम को तो पूरी दुनिया जान चुकी है. वे पद पाने के लिए कुछ भी कर सकते हैं.

नीतीश को जनता माकूल जवाब देगीः आभा सिन्हा

बिहार के वर्तमान नवनियुक्त मुख्यमंत्री नीतीश कुमार हमेशा से अवसर की

तलाश में रहे हैं, जहां उन्हें अवसर मिलता है वहां चले जाते है. नीतीश कुमार को केवल अपने फायदा से मतलब है, राज्य के विकास से कोई मतलब नहीं है। नीतीश कुमार केवल अपना ही केवल अपना फायदा देखते हैं. अनवाले समय में राज्य की जनता उनको माकूल जवाब देगी.

यात्रियों की सुविधा के लिए रांची एयरपोर्ट का हो रहा विकासः संजय सेठ

100 करोड़ से हो रहा कायाकल्प

संवाददाता। रांची

रांची एयरपोर्ट पर रविवार को बिरसा मुंडा हवाई अड्डा विमान पाटन सलाहकार समिति की बैठक आयोजित की गई. बैठक की अध्यक्षता सांसद संजय सेठ कर रहे थे. बैठक में विमानपत्तन निदेशक ने किए जा रहे कार्य से अवगत कराया. बैठक में सांसद संजय सेठ ने बताया कि रांची एयरपोर्ट में यात्री के सुविधा को ध्यान में रखते हुए 100 करोड़ की लागत से विकास के कार्य किये जा रहे हैं. एयरपोर्ट के अंदर पहले तले का विस्तारीकरण किया जा रहा है ताकि 500 से 600 लोग आराम से बैठ सकें. वहीं लाइब्रेरी की व्यवस्था, यात्री के लिए कैंटीन सहित कई अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएंगी.

सांसद सेठ ने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा स्टूडेंट के लिए फ्लाइट में 25 किलो तक लगेज ले जाने में छूट दी है. उन्हें सिर्फ कॉलेज का आईडी कार्ड दिखाना पड़ेगा. केंद्र सरकार द्वारा एक और व्यवस्था की गई है जिन यात्री का फ्लाइट अगर किसी कारण बस छूट जाती है तो अब पैसे नहीं काटेंगे इस कंपनी की फ्लाइट से उसे दोबारा उसे गंतव्य स्थान तक भेजने का प्रावधान करेगा. इसमें कुछ नॉर्मल चार्ज यात्रियों को देना पड़ेगा. मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि रांची एयरपोर्ट पर यात्रियों की संख्या लगातार बढ़ रही है. गाड़ी से जाम लग जाने के कारण यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था. इसी को ध्यान में रखते हुए पुराने टर्मिनल के पास पार्किंग की व्यवस्था की जा रही है. इसके विस्तारीकरण का काम शुरू कर दिया गया है. जल्द ही पार्किंग में जो असुविधा होती थी उससे अब लोगों को निजात मिल पाएगी. साथ ही गर्मी और बरसात में यात्रियों की सुविधा के लिए एयरपोर्ट से पार्किंग स्थल तक कैनोपी का निर्माण किया जा रहा है.

सांसद सेठ ने कहा एयरपोर्ट द्वारा यात्रियों को जो भी सुविधा दी जाती है उसकी जानकारी मीडिया के माध्यम से या फिर एयरपोर्ट पर एक बोर्ड पर लिखकर बताना चाहिए ताकि आम लोगों को मिलने वाली सुविधा की जानकारी प्राप्त हो सके. साथ ही बोरिंग 77 हेतु रनवे के दोनों किनारे पर टर्निंग पैड्स का निर्माण, इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम का प्रचलन नए कंट्रोल टावर के प्रचलन शीघ्र शुरू किए जाएंगे. पीटीटी का कार्य रनवे पर समय काम करता है और अधिक उड़ानों का संचालन संभव हो पाएगा. प्रशासनिक अनुमोदन एवं वित्त सहमति हेतु प्रेषित किया जा चुका है. हवाई अड्डा में मेडिकल इमरजेंसी से निष्पादन हेतु आगमन कक्षा के भूतल पर पारस अस्पताल के एवं प्रथम तल पर नियुक्त चिकित्सा एवं स्वास्थ्य कर्मी परिचालन अवधि में उपलब्ध रहते हैं. यात्रियों को अतिरिक्त व्हीलचेयर एवं स्ट्रक्चर उपलब्ध कराए गए हैं. सांसद सेठ ने कहा कुल मिलाकर रांची एयरपोर्ट आने वाले दिनों में यात्रियों को अच्छी सुविधा प्रदान कर पाएगा साथी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी एक नई पहचान स्थापित करेगा इस अवसर पर कमेटी के सदस्यों ने भी अपने-अपने विचार रखें. इस बैठक में एयरपोर्ट के निर्देशक आरआर मौर्य एयरपोर्ट, नगर निगम एवं रांची एयरपोर्ट के प्रशासनिक पदाधिकारी, सहित कमेटी के सदस्य राम प्रसाद जलान ,आशीष भाटिया , आर एन सिंह ,विशेष रूप से उपस्थित रहे.

बदलते भारत का मासिक रिपोर्ट कार्ड है पीएम के मन की बात

भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने पीएम नरेंद्र मोदी के मन की बात के 109वें संस्करण को सुना. भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी और विधायक सीपी सिंह चुटिया के बूथ नंबर 53 में मौजूद थे. मन की बात कार्यक्रम सुनने के बाद बाबूलाल ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के कुशल नेतृत्व में देश बदल रहा है, देश बढ़ रहा है. इस कार्यक्रम में भारत में हो रहे बदलाव की, प्रगति की और बढ़ते कदमों की चर्चा रहती है. ऐसा लगता है कि भारत के प्रधानमंत्री देश की जनता के पास प्रत्येक माह एक प्रगति रिपोर्ट रखते हैं जिसमें बढ़ते भारत, बदलते भारत की स्पष्ट छवि दिखती है.

केंद्र की नीति से आम का जीवन त्रस्त : आरपी सिंह

संवाददाता। रांची

भारतीय ट्रेड यूनियन केंद्र का रांची जिला सम्मेलन बासुदेव आचार्या नगर, निवारनपुर में रविवार को संपन्न हुआ. इसकी शुरुआत झंडोत्तोलन एवं शहीद वेदी पर माल्यार्पण के साथ हुई. आरपी सिंह ने उद्घाटन करते हुए कहा कि सम्मेलन मजदूर वर्ग के लिए चुनौतीपूर्ण परिस्थिति में हो रही है. केंद्र सरकार द्वारा कामगार वर्ग के जीवनयापन पर हमले से आम जीवन त्रस्त है. बड़े कॉरपोरेट के पक्ष में निजीकरण हो रहा है, दूसरी ओर संविदा, ठेका, आऊटसोर्सिंग, गिग वर्क का हमला मजदूर वर्ग के ऊपर है.

देव ने कहा- मजदूर वर्ग को आगे आना होगा : सीटू झारखंड के महासचिव विश्वजीत देव ने कहा कि साम्प्रदायिक तनाव फैला कर जनता की एकता को तोड़ने की कोशिश नाकाम करने के लिए मजदूर वर्ग को नेतृत्व में आगे आना होगा. इसी क्रम में 16 फरवरी को किसान मजदूरों के संयुक्त मोर्चा द्वारा देशव्यापी ग्रामीण बंद एवं उद्योगवार हड़ताल, जन कार्रवाई को रांची जिला में सफल करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पास किया गया. भवन सिंह ने कोयला क्षेत्र व एचईसी में 16 फरवरी की हड़ताल का प्रस्ताव सम्मेलन ने पास किया गया.

31 सदस्य जिला समिति का चुनाव, राजेंद्र बने अध्यक्ष

सम्मेलन ने 31 सदस्यीय जिला समिति का चुनाव किया. राजेंद्र राम अध्यक्ष, रनदीप भंजो कोषाध्यक्ष, समीर बिस्वास संयुक्त जिला सचिव व प्रतीक मिश्रा जिला सचिव बने. मौके पर कोयला, सेल्स रिप्रेजेंटेटिव, मेकॉन, सीआईपी, एचईसी, हाईवे, बैंक, कॉपरेटिव, गिग वर्कर, ट्रांसपोर्ट, सुरक्षा गार्ड, इंडाल के कामगार शामिल थे.

माध्यमिक शिक्षक संघ की कार्यकारिणी की बैठक

रांची। झारखंड माध्यमिक शिक्षक संघ के कार्यकारिणी की बैठक रविवार को हुई. जिसमें प्रमंडल की कार्यकारिणी का विस्तार हुआ. प्रमंडलीय अध्यक्ष रामानुज शर्मा, सचिव कुर्बान अली, उपाध्यक्ष ज्योति कांडुलुना, कोषाध्यक्ष अजय कुमार, कार्यकारिणी के पांच सदस्यों में मनौवर हुसैन, अरुण सिन्हा, दाशिन अब्दुल्ला, महावीर मिश्र व सुनिला बाखला को मनोनीत किया गया. इससे पूर्व कुर्बान अली जिला में संघ के उप संयोजक व संयोजक के पद पर संघ का दायित्व निभाया. मौके पर रविंद्र सिंह और यशवंत विजय ने नवनियुक्त टीम को प्रमंडल के सभी जिलों में शिक्षक, कर्मी व विद्यालय हित में संघ के विस्तार पर जोर दिया.

झामुमो के प्रदर्शनों पर भाजपा की तीखी टिप्पणी

राज्य की संवैधानिक मशीनरी ध्वस्त हो गई हैः प्रतुल शाहदेव

संवाददाता। रांची

ईडी के खिलाफ झामुमो के प्रदर्शन पर भाजपा के प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाहदेव ने कड़ी प्रतिक्रिया दील है. उन्होंने कहा कि झामुमो के कार्यकर्ता ईडी के द्वारा मुख्यमंत्री को समन दिए जाने के खिलाफ हरवे, हथियार के साथ आक्रोश प्रदर्शन कर रहे हैं. यह तो वही बात हुई की एक तो गलती करना, ऊपर से रूवाब झाड़ना. ऐसे भी केंद्रीय एजेंसी के खिलाफ इस तरह का प्रदर्शन पूरे तरीके से गैरकानूनी है और पुलिस को अविलंब कड़ी धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज करना चाहिए. प्रतुल ने कहा कि राज्य की संवैधानिक मशीनरी ध्वस्त हो गई है. अब सरकार के इशारे पर सत्ताधारी दल के कार्यकर्ता जांच में अवरोध पैदा कर रहे हैं.

मंजूर दिल्ली में इमरान प्रतापगढ़ी से मिले

झारखंड में भारत जोड़ो न्याय यात्रा को ऐतिहासिक बनाने का मिला निर्देश

संवाददाता। रांची

झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी अल्पसंख्यक विभाग के अध्यक्ष मंजूर अंसारी रविवार को नई दिल्ली कांग्रेस मुख्यालय में कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, कोषाध्यक्ष अजय माकन एवं कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष इमरान प्रतापगढ़ी से मुलाकात कर भारत जोड़ो न्याय यात्रा को झारखंड में ऐतिहासिक बनाने से संबंधित दिशा-निर्देश प्राप्त किया. इस दौरान प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक अध्यक्ष मंजूर अंसारी ने डोनेट फॉर देश के लिए पार्टी में अपना सहयोग राशि भी जमा किया.

15 सदस्यीय को-आर्डिनेशन कमेटी गठित : प्रदेश कांग्रेस कमेटी अल्पसंख्यक विभाग के प्रभारी उमैर खान के निर्देश के आलोक में झारखंड प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक विभाग द्वारा ''भारत जोड़ो न्याय यात्रा'' की सफलता को लेकर प्रदेश स्तरीय 15 सदस्यीय को-आर्डिनेशन कमेटी गठित की गई है. गठित कमिटी में अब्दुल करीम अंसारी, अख्तर अली, जॉन दिलीप तिग्गा, वाहिद खान, सोहराब अंसारी, कुमुदिनी प्रभावती, मंजूर आलम, गुलरेज अख्तर, मो इसराफिल, एसएस रिजवी, साकिर खान, गुलाम रब्बानी,तस्लीम अंसारी, रौनक इकबाल, तौकीर अख्तर शामिल है. को-ऑर्डिनेशन कमिटी राहुल गांधी की ''भारत न्याय यात्रा'' झारखंड की धरती पर फरवरी के प्रथम सप्ताह में पहुंचेगी. इसकी सफलता को लेकर गहन जनसंपर्क अभियान चलाकर लोगों को जोड़ा जा रहा है.

बजट सत्र में आधा दर्जन बिल लाने की तैयारी

रांची। फरवरी माह में होने वाले झारखंड विधानसभा के बजट सत्र में आधा दर्जन विधेयक लाने की तैयारी है. इनमें उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग, श्रम नियोजन एवं प्रशिक्षण विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग के विधेयक प्रमुख हैं. विधानसभा के पिछले सत्रों में कुछ विधेयक प्रवर समिति को भी भेजे गए थे. इन विधेयकों को संशोधन के साथ दोबारा लाने की तैयारी है. बजट सत्र में आने वाले उच्च एवं तकनीकी शिक्षा विभाग के दो विधेयक सबसे महत्वपूर्ण हैं. इनमें विश्वविद्यालय सेवा आयोग के गठन से संबंधित विधेयक तथा निजी विश्वविद्यालय विधेयक प्रमुख हैं. एक-दो निजी विश्वविद्यालयों की स्थापना से संबंधित विधेयक भी आ सकते हैं. स्वास्थ्य विभाग मेडिकल प्रोटेक्शन बिल को एक बार फिर लाने की तैयारी कर रहा है. हालांकि, इसमें कुछ अड़चनें भी हैं, जिन्हें दूर करने का प्रयास किया जा रहा है.

अपमानित करने वाली योजना अग्निपथः सूबेदार यादव

हमारी बहादुर सेना को इस तरह बांटने से देशहित नहीं होनेवाला

प्रमुख संवाददाता। रांची

सूबेदार एचएन यादव ने कहा कि मोदी सरकार की अग्निपथ योजना भारतीय सेना के वीरों और वीरता की परंपरा को अपमानित और कलंकित करने वाली योजना है. देश की सरहदों के रखवालो को दो फाड़ करने वाली योजना अग्निवीर को बंद करना चाहिए. अग्निपथ योजना को देश की सुरक्षा प्रणाली के लिए दीमक से भी ज्यादा खतरनाक है. सूबेदार यादव रविवार को कांग्रेस भवन में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में बोल रहे थे. प्रेस कांफ्रेंस का आयोजन झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी पूर्व सैनिक विभाग के तत्वावधान में किया गया था.

मोदी सरकार देश की सुरक्षा के साथ कर रही खिलवाड़ : यादव ने कहा कि मोदी सरकार देश की सुरक्षा प्रणाली के साथ खिलवाड़ कर रही है. अग्निपथ भारत के वीरों के

अपमान की योजना है. उन्होंने अग्निवीरों को नियमित सैनिकों की तरह ही सम्मान दिए जाने की मांग की. कहा कि अग्निवीरों के शहादत का समाचार अत्यंत दुखद है. देश के युवा अग्निवीर के रूप में अपनी शहादत दे रहे हैं अग्निवीरों को सेवा के समय न ग्रेच्युटी ना अन्य सैन्य सुविधाएं और शहादत में परिवार को पेंशन तक नहीं है. अग्निपथ योजना का पहला बैच पिछले साल जून में आया था उसके बाद अब तक चार अग्नि वीर शहीद हो चुके हैं.

देश के युवाओं के लिए हितकारी नहीं

अग्निपथ योजना युवाओं के लिए हितकारी नहीं है. इसके जरिए मोदी सरकार ने देश के सैनिकों को दो हिस्सों में बांटने का काम किया है जिसमें एक नियमित सैनिक है तो दूसरा अग्निवीर. आर्मी ने पॉलिसी लेटर को चेंज करते हुए बताया है कि अग्नि वीरों को संवेदनशील और बेहद कठिन परिस्थितियों वाले इलाको में तैनात नहीं किया जा सकता.

उपलब्धि दिल्ली में आयोजित भारत पर्व में दिखे झारखंड के स्वादों के विविध रंग

आईएचएम रांची ने झारखंड के विशिष्ट व्यंजनों की प्रदर्शनी लगाई

संवाददाता। रांची

पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा लोक उत्सव भारत पर्व का आयोजन 23 जनवरी की संध्या से 31 जनवरी तक लाल किला, दिल्ली के सामने लॉन एवं ज्ञान पथ पर किया जा रहा है. जिसके मुख्य अंग रिपब्लिक डे, प्रकृति के मनोहारी चित्र, हथकरघा व हस्तशिल्प क्षेत्र, रसोई, फूड कोर्ट, सांस्कृतिक प्रदर्शन एवं किचन स्टूडियो हैं.

बता दें कि झारखंड पर्यटन विभाग के नेतृत्व में इंस्टिट्यूट ऑफ होटल मैनेजमेंट (आईएचएम) रांची द्वारा झारखंड के पारंपरिक व्यंजनों जैसे कि चावल की चाय, धुसका,आलू-चने की सब्जी, मडुआ छिलका रोटी, टमाटर की चटनी, डूम्बु, अरसा पीठा आदि पारंपरिक व्यंजनों की भारत पर्व में प्रदर्शनी लगायी गयी है. इन व्यंजनों के स्वाद को पर्यटक खूब सराह रहे हैं. भारत पर्व मे आईएचएम रांची द्वारा मडुआ से बनाये गये बर्तन एवं कटलरी , जो खायी भी जा सकती है, की प्रदर्शनी लगाई गयी है. लोक उत्सव भारत पर्व में देश के कुछ राज्यों के पारम्परिक व्यंजनों का लाइव शो किया जायेगा. आईएचएम रांची द्वारा 29 एवं 31 जनवरी को अरक रासी तथा झारखंड के मिलेट मडुआ आधारित मडुआ लड्डू भी लाइव कुकिंग शो में प्रदर्शित होगा. भारत पर्व में झारखंड राज्य की ओर से आईएचएम रांची के प्राचार्य डॉ भूपेश कुमार के नेतृत्व में रवि कुमार, वरिष्ठ व्याख्याता रजनीश कुमार सिंह, सहायक व्याख्याता भारत पर्व का संचालन कर रहें हैं.

इस क्रम में झारखंड राज्य के कला-संस्कृति विभाग द्वारा राज्य की विभिन्न संस्कृति को दर्शाते हुए छऊ, पाइका एवं संथाल नृत्य की प्रस्तुति दी जा रही है. झारखंड टूरिज्म डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन(जेटीडीसी) द्वारा झारखंड पर्यटन का प्रचार-प्रसार किया जा रहा है, विभिन्न पर्यटक स्थल एवं झारखंड की धरोहरों की विवरणी पर्यटकों के बीच वितरित की जा रही है.

खास बातें

- मड़ुआ रोटी से लेकर धुसका तक मिल रहा मेले में
- दूसरे राज्यों के लोग उठा रहे झारखंडी भोजन का आनंद

दो साल गायब रहे आइएएस अफसर, निलंबित भी हुए

अब मिली सिर्फ चेतावनी, हुए बरी

प्रमुख संवाददाता। रांची

अब भविष्य में सचेत रहने की मिली है चेतावनी

झारखंड कैडर के आइएएस अफसर अरवा राजकमल को दो साल गायब रहने के मामले में चेतावनी दी है कि भविष्य में वे सचेत रहें. अरवा राजकमल 2008 बैच के अफसर हैं. वे सात अगस्त 2013 से 21 अप्रैल 2015 तक गायब रहे थे. 14 दिनों के अर्जित अवकाश पर रहने का आवेदन देकर बगैर सरकारी अनुमति के हार्वर्ड यूनिवर्सिटी पढ़ने चले गए थे. इस कारण सरकार ने उन्हें 27 मई 2014 को सस्पेंड कर दिया था. वापस लौटने पर 27 मई 2015 को निलंबन मुक्त कर दिया था. वे एक साल के लिए निलंबित भी रहे.

पूरे मामले की जांच के बाद राज्य सरकार ने उन्हें भविष्य में सचेत रहने की चेतावनी दी है. बताते चलें कि बिना सूचना के अनुपस्थित रहने के मामले को राज्य सरकार ने गंभीरता से लिया था. उनके खिलाफ डिपार्टमेंट प्रोसिडिंग भी चल रही थी. अरवा राजकमल ने सभी आरोपों को आंशिक रूप से स्वीकार भी किया. इसके बाद सरकार ने मामले को निष्पादित करते हुए आदेश जारी कर दिया है. जारी आदेश में कहा गया है कि 27 मई 2014 से 21 अप्रैल 2015 तक में कोई भी जीवन निर्वाह भत्ता नहीं दिया जाएगा. कुल अनुपस्थित अवधि 24 अगस्त 2013 से 21 अप्रैल 2015 को असाधारण अवकाश के रूप में स्वीकृत कर दिया गया है. यह अवधि सेवा में टूट भी नहीं मानी जाएगी.

- निलंबन की अवधि का नहीं मिलेगा जीवन निर्वाह भत्ता
- 2008 बैच के अफसर हैं अरवा राजकमल

ब्रीफ खबरें

अल वतानिया इंटरनेशनल की शिक्षा पद्धति सराहनीय

रांची। अल वतानिया इंटरनेशनल स्कूल कांके में आधुनिक तकनीकि से युक्त स्कूल की शुरुआत कारी यासिर की तिलावत ए कुरआन पाक से हुई. उदघाटन मुख्य अतिथि के रूप में शामिल मौलाना आजाद कॉलेज के प्राचार्या डॉ परवेज अख्तर ने किया. उन्होंने कहा कि अल वतानिया इंटर नेशनल स्कूल आने वाले समय में सबसे उत्कृष्ट स्कूल बनेगा, क्योंकि यहां नयी शिक्षा पद्धति के साथ सभी प्रकार के उपकरण उपलब्ध है. कांग्रेस प्रवक्ता खुर्शीद हसन रूमी ने कहा कि आज का युग कंप्यूटर का युग है. हम अपने बच्चों को बेहतर शिक्षा बेहतर माहौल देंगे, तो बच्चे आगे बढ़ेंगे.

लाला लाजपत राय की मनायी गयी जयंती

रांची। पुंदाग स्थित लाला लाजपत राय बाल मंदिर सीनियर सेकेंडरी स्कूल में स्वतंत्रता सेनानी लाला लाजपत राय की 159वीं जयंती मनायी गयी. इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य पी के ठाकुर ने लाला लाजपत राय की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित व दीप प्रज्वलन कर उन्हें श्रद्धांजलि दी. प्राचार्य ने कहा कि ऐसे स्वतंत्रता सेनानी और वीर बलिदानी पुरुष कई शतकों में एक बार पैदा होते हैं. इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य पी के ठाकुर सहित शिक्षक–शिक्षिका व अन्य कर्मी उपस्थित रहे.

ज्ञानोदय के बच्चों को मिले स्वेटर और मफलर

रांची। ज्ञानोदय विद्यालय, गांधीनगर कांके रोड के बच्चों को पैराडाइज और कनक सेवा कल्याण की ओर से स्वेटर और मफलर भेंट किया गया. दिन के 11 बजे अतिथियों के स्वागत से कार्यक्रम की शुरुआत हुई. इसके बाद 210 विद्यार्थियों को ऊनी वस्त्र प्रदान किया गया. मौके पर बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश कर सब का मन मोहा. कार्यक्रम का संचालन शिक्षिका मांडवी प्रीया ने और धन्यवाद ज्ञापन सीसीएल के पूर्व जनसंपर्क सेवा प्रमुख दीपक कुमार ने किया. संस्थान के एसएन राजगढ़िया, प्रवीण मुरारका, आलोक गुप्ता सहित विद्यालय प्रबंधन समिति से सचिव एनडी शर्मा, नीरज कुमार पांडे, दीपक, पंकज कुमार संग शिक्षक और कर्मचारी मौके पर उपस्थित थे.

मुनिश्री प्रमाण सागर जी पधारे, जैन समाज गदगद

संवाददाता। रांची

दिगंबर जैन समाज के प्रसिद्ध संत 108 विद्यासागर जी महाराज के परम् प्रभावक शिष्य 108 मुनिश्री प्रमाण सागर जी का रविवार को राजधानी में मंगल प्रवेश हुआ. इससे पूरे समाज में हर्ष की लहर दौड़ गयी. दिन के नौ बजे जैसे ही जैन मंदिर, जेजे रोड में मुनि महाराज पहुंचे जयकारे से वातावरण गूंज उठा. बड़ी संख्या में उपस्थित श्रद्धालुओं ने अपने सद्गुरु का भव्य स्वागत कर श्रद्धा अर्पित किया. मंदिर दर्शन के बाद धर्म सभा हुई. धर्मावलंबियों को अपना आशीर्वचन प्रदान करते हुए प्रमाण सागर जी ने सत्य, अहिंसा और ब्रह्मचार्य का उपदेश दिया. साथ ही समयक दर्शन, समयक ज्ञान और समयक चारित्र को आत्मसात कर जीवन जीने की सिख दी. इसके बाद दिन के एक बजे याज्ञ मंडल विधान हुआ. पंडित अरविंद कुमार सास्त्री जी के सान्निध्य में अध्यक्ष नरेंद्र गंगवाल, मंत्री पंकज पांडेया, प्रदीप बाकलीवाल, राकेश गंगवाल, जितेंद्र छाबड़ा, पूरणमल सेठी, सुभाष विनायका, सौरभ विनायका, संजय पाटनी, मनोज काला आदि ने इसमें मुख्य रूप से हिस्सा लिया. शाम पौने छह से साढे छह बजे तक मुनिश्री ने अनुयायियों की शंकाओं का भी समाधान किया. समाज के कई प्रबुद्ध लोगों ने व्यक्तिगत के साथ-साथ सामाजिक और आध्यात्मिक शंकाओं का समाधान अपने सद्गुरु से पाया. तत्पश्चात गुरु भक्ति में क्या बच्चे, बड़े और बुजुर्ग सभी पूरे मनोयोग से देर शाम तक लगे रहे. राकेश जैन ने बताया कि आने वाले दिनों में मंदिर जी में कुछ बदलाव किया जायेगा. चार तीर्थंकर की प्रतिमाएं विराजमान की जाएंगी. मुनिश्री के सानिध्य में इसके निमित्त आधारशिला भी रखी गई. मुनिश्री प्रमाण सागर जी सोमवार को अनुयायियों से विदा ले, जशपुर के लिए विहार कर जायेंगे. राकेश जैन ने बताया कि सुबह साढ़े सात बजे गुरु जी का विहार होगा. प्रमाण सागर जी पदयात्रा करते हुए हेहल डीएवी स्कूल स्थित पारस मार्बल में थोड़ी देर विश्राम करेंगे. यही उनकी आहारचर्या होगी.

खास बातें

- 108 मुनिश्री प्रमाण सागर जी का रांची आगमन हुआ
- जैन मंदिर और पूरा इलाका जयकारे से गूंज उठा

जेएसएससी सीजीएल परीक्षा : पहला चरण हुआ संपन्न

सवाल न आसान थे, न कठिन

परीक्षा का पहला चरण : 70 हजार अभ्यर्थी हुए शामिल

संवाददाता। रांची

जेएसएससी सीजीएल परीक्षा का पहले चरण की परीक्षा रविवार को संपन्न हुई. परीक्षा केंद्रों पर सुबह से ही अभ्यर्थियों का तांता लगा रहा. परीक्षा सेंटर में पूरे राज्य से छात्र आए थे. वहीं परीक्षा अवधि समाप्त होने के बाद कई परीक्षार्थियों ने अपने अनुभव साझा किए. विद्यार्थियों ने बताया कि प्रश्न पत्र न ज्यादा कठिन था और न ही आसान. प्रश्नों की गुणवत्ता मध्यम दर्जे की थी. चक्रधरपुर से आई परीक्षार्थी सुनीता कांडयांग और विमला पूर्ती ने बताया कि जिसने भी अच्छी तरह पढ़ाई की है, उनके लिए पेपर आसान था. वहीं चाईबासा से आए सुरेंद्र गगराई और अर्जुन पूर्ती ने बताया कि पहला और दूसरा पेपर काफी आसान था, तीसरा पेपर ही सफलता का निर्णय करेगा. जेएसएससी सीजीएल परीक्षा सभी सेंटरों पर सुबह से ही शुरू हो गयी थी. परीक्षा के लिए रिपोर्टिंग टाइम 7:30 से 8:15 था.

परीक्षा तीन पालियों में ली गयी. पहली पाली की परीक्षा 8:30 बजे से 10:30 तक, दूसरी पाली की परीक्षा 11:30 बजे से 1:30 बजे तक और तीसरी पाली की परीक्षा 3:00 बजे से 5:00 बजे तक ली गई. दूरदराज से आए परीक्षार्थी लाइन में खड़े होकर पूरी जांच प्रक्रिया से गुजरे. वहीं परीक्षा केंद्र के बाहर धारा 144 लगाई गई थी और सुरक्षा के भी पुख्ता इंतजाम किए गए थे. दूसरे चरण की परीक्षा 4 फरवरी को है. सीजीएल परीक्षा के लिए लगभग 6.5 लाख अभ्यर्थियों ने रजिस्ट्रेशन किया है. इस परीक्षा के लिए रांची जिले में 108 केंद्र बनाए गए हैं. वहीं रांची जिला के 108 परीक्षा केंद्रों में लगभग 70000 अभ्यर्थी परीक्षा देने आ सकते हैं.

राज्य में 9 वर्षों के बाद हो रही है सीजीएल परीक्षा

उल्लेखनीय है कि राज्य में सीजीएल परीक्षा 9 वर्षों के बाद हो रही है. झारखंड में सबसे पहले 2015 में फॉर्म भराया गया था, लेकिन स्थगित हो होकर यह परीक्षा 2024 में पहुंच गयी है. स्थानीय नीति व अन्य मामलों में यह परीक्षा फंसते आई है. बीते 16 और 17 दिसंबर को सीजीएल की परीक्षा होनी थी, लेकिन जेएसएससी ने इसे स्थगित कर 28 जनवरी और 4 फरवरी को लेने का निर्णय लिया था.

न्यू क्लासिक क्लब की टीम बनी चैंपियन

रांची। प्रतीज्ञा संस्था द्वारा आयोजित स्वर्गीय उर्मिला देवी स्मारक मातृशक्ति वॉलीबॉल टूर्नामेंट में न्यू क्लासिक क्लब जगन्नाथपुर की टीम विजेता बनी. रविवार को हुए फाइनल मैच में न्यू क्लासिक क्लब ने महिला विकास क्लब को 25-8 के बड़े अंतर से हराया. टूर्नामेंट के आयोजनकर्ता व स्पोर्ट्स-9 के संचालक सुनील अग्रवाल ने कहा वॉलीबॉल से महिलाओं में खेल को बढ़ावा तो मिलेगा ही साथ ही महिलाएं अपने बच्चों को स्पोर्ट्स में बेहतर करियर बनाने के लिए प्रोत्साहित करेंगी. बता दें कि इस टूर्नामेंट में कुल 16 टीमों ने हिस्सा लिया था. मौके पर बतौर मुख्य अतिथि इंटरनेशन वॉलीबॉल कोच राजेश कुमार सिंह और रेफरी कुंदन कुमार मौजूद रहे.

डॉ. लाल्स हॉस्पिटल व हीगर की कार्यशाला

रांची। होटल चाणक्या बीएनआर में रविवार को डॉ. लाल्स हॉस्पिटल और हीगर इंडिया के संयुक्त सहयोग से कार्यशाला आयोजित की गई. जिसमें डॉ लाल हॉस्पिटल की कंसल्टैंट डॉ. श्वेता लाल और डॉ. शब्दिका लाल ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. इस मौके पर डॉ श्वेता लाल ने बताया कि इस कार्यशाला का उद्देश्य एसयूआई/ ल्यूकोरिया/ वेजाइनल प्रोलैप्स जैसी समस्याओं में लेजर की संभावना के बारे में लोगो के बिच जागरूकता बढ़ाना है. बिना किसी सर्जरी, भर्ती या खून की कमी के इन समस्याओं से जूझ रही महिलाओं के लिए यह एक बड़ी मदद होगी. कार्यशाला में शिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया. इसमें शहर के लगभग 100 चिकित्सकों ने भाग लिया. कार्यशाला के माध्यम से उपस्थित सभी चिकित्सकों को एक दिवसीय हैंड्स ऑन ट्रेनिंग भी दी गई. इस मौक़े पर रांची के डॉ लाल्स हॉस्पिटल में 20 मरीज़ों का मुफ़्त लेज़र ट्रीटमेंट किया गया.

न्यूज अपडेट

सरला बिरला स्कूल में छऊ नृत्य का प्रदर्शन

रांची। सरला बिरला पब्लिक स्कूल में भारतीय शास्त्रीय संगीत और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए 'स्पिकमैके' सोसायटी द्वारा छऊ नृत्य का प्रदर्शन किया गया. प्रसिद्ध कलाकार तारापद रजक और उनकी मंडली द्वारा प्रस्तुत छऊ नृत्य का लोगों ने जमकर लुत्फ उठाया. वहीं इस अवसर पर स्कूल के छात्रों को लोक नृत्य शैली छऊ के कुछ उत्कृष्ट नृत्य स्टेप सिखाए गए. इस मौके पर प्राचार्या परमजीत कौर ने छात्रों को राज्य की सांस्कृतिक विरासत के बारे में बताते हुए लोक नृत्यों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया.

क्रांतिवीर उपाधि से नवाजे गये साधु शरण गोप

रांची। हरमू मैदान में रविवार को झारखंड प्रदेश गोप महासंघ की ओर से गोप महासम्मेलन का खास आयोजन किया गया. इसमें साधु शरण गोप को क्रांतिवीर की उपाधि से नवाजा गया. साथ ही उन्हें पांच साल तक के लिए संगठन का अध्यक्ष चुना गया.इससे पूर्व कार्यक्रम का उद्घाटन दीप प्रज्वलित कर ममता देवी, सविता देवी, सारिका देवी, भवानी देवी आदि ने किया। सम्मेलन में स्थानीय सहित राज्य के सभी जिला समेत पश्चिम बंगाल और ओडिशा से आये प्रतिनिधि शामिल हुए. गोप समाज के लोगों ने जातिगत आधार पर नहीं बल्कि आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को मिलने वाले आरक्षण का लाभ देने को लेकर आवाज बुलंद की. अध्यक्षता करते हुए प्रदेश अध्यक्ष साधु शरण गोप ने कहा कि श्रीकृष्ण के वंशज गोप समाज जातीय तौर पर पिछडा नहीं है. विकास की मुख्यधारा में अभी तक शामिल नहीं हो पाने के कारण समाज का हर स्तर पर उद्धार नहीं हो सका है. इनके बाद घनश्याम गोप, प्रह्लाद गोप, बिनोद गोप, रतन लाल गोप, बिनोद बिहारी गोप, विवेकानंद, ईशान, राम कुमार यादव, कमल गोप, दयालचंद्र, सूरज प्रकाश यादव, सुरेश ने भी विचार रखे. सभी ने गोप समाज के आरक्षण की मांग को चुनावी एजेंडा में शामिल करने वाले राजनीतिक दल को समर्थन देने की बात कही.

एसआर डीएवी में मनी लाला लाजपत राय की जयंती

रांची। एसआर डीएवी पब्लिक स्कूल पुंदाग में महान स्वतंत्रता सेनानी लाला लाजपत राय की जयंती समारोह मनाया गया. समारोह में सप्तमी कक्षा की श्रुति तथा सिमरन ने लाला लाजपत राय के त्याग और बलिदान भरे जीवन पर प्रकाश डाला. इसके बाद उनके जीवन पर आधारित प्रश्न मंच का आयोजन हुआ, जिसमें बच्चों ने उत्साह पूर्वक भाग लिया. इस अवसर पर प्राचार्य एस के मिश्र ने कहा कि देश की स्वतंत्रता के लिए लाला लाजपत राय ने अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया. यह वह समय था, जब एक तरफ देश को ब्रिटिश हुकूमत से आज़ादी दिलाने के लिए संघर्ष करना था, तो दूसरी तरफ लोगों को समाज में फैली कुरीतियों से भी आजादी दिलानी थी. लाला लाजपत राय ने दोनों मोर्चों पर संघर्ष किया. उन्होंने आर्य समाज का सक्रिय सदस्य बन कर डीएवी आंदोलन में भी भाग लिया तथा डीएवी विद्यालयों की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. उनके बताए मार्ग का अनुसरण करना ही उनके प्रति हमारी सच्ची श्रद्धांजलि होगी.

सारेगामारे का ऑडिशन : तालियों की गड़गड़ाहट में झूम उठा पूरा मंच

रफी-किशोर-अरिजीत के गानों पर बांधा समां

संवाददाता। रांची

झारखंड में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है बस जरूरत है तो उन प्रतिभाओं को मंच देने की. मंच देने का कार्य सा रे गा मा रे वॉयस ऑफ झारखंड ने किया है. रविवार को आयोजित कार्यक्रम में झारखंड व बाहर के बड़ी संख्या में प्रतिभागियों ने ऑडिशन में भाग लिया. आयोजन पुरुलिया रोड स्थित एसडीसी सभागार में किया गया. मुख्य अतिथि के रूप में प्रियंका जयसवाल, संजना शर्मा, जिम्मी गुप्ता शामिल थे.

आज के ऑडिशन में 50 गायकों का ग्रैंड फिनाले के लिए चयन किया गया. मंच पर झारखंड के फनकारों ने अपनी गायकी का प्रदर्शन कर सभी का दिल जीत लिया. किशोर कुमार, मोहम्मद रफी व अरिजित सिंह के गानों से पूरा मंच झूम उठा. प्रतिभागियों में 11 वर्ष के बच्चो से लेकर बड़े प्रतिभागी शामिल थे.

खास बातें

- ग्रैंड फिनाले के लिए 50 प्रतिभागी चयनित
- गायकी में 11 साल के बच्चे ने सुर छेड़ा, खूब बटोरी वाहवाही

प्रतिभागियों को जज करने का काम मशहूर सिंगर मृणालिनी अखौरी, अमित सरकार और अतुल वर्मा ने किया. ऑर्गेनाइजर मो साबिर हुसैन व अरशद उबैद ने कहा कि वे हमेशा यूवाओ को विभिन्न कार्यक्रम के माध्यम से मंच देते रहें है, यह सिलसिला आगे भी जारी रहेगा. उन्होंने कहा कि झारखंड में प्रतिभा की कोई कमी नही है. बस जरूरत है उन्हे सही मार्गदर्शन की. कलाकारों को यहां मंच के माध्यम से मॉडलिंग, एक्टिंग, सिंगिंग, पेंटिंग व अन्य प्रतिभा को सामने लाने में मदद करती है.

श्रीकृष्ण प्रणामी ने चलाया 133वां अन्नपूर्णा भंडारा

संवाददाता। रांची

श्रीकृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम आश्रम, पुंदाग में रविवार को 133वां अन्नपूर्णा भंडारा का खास आयोजन किया गया. इसमें 1100 से ज्यादा लोगों के बीच प्रसाद रूप में स्वादिष्ट व्यंजन परोसा गया. इससे पूर्व दिन के एक बजे मंदिर में विराजमान राधा-कृष्ण जी की प्रतिमा और गुरु महाराज की तस्वीर में चंदन-वंदन कर भजन-संकीर्तन किया गया. इसके बाद भंडारा शुरू हुआ, जो शाम पांच बजे तक चला. अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष निर्मल जालान, प्रमोद सारस्वत, विनीत कुमार, राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल, पूर्णमल सर्राफ, ओमप्रकाश सरावगी,पवन पौदार, सुरेश भगत, विशाल जालान, ज्ञान प्रकाश शर्मा, विष्ण सोनी, चन्द्रदिप साहु, धीरज कुमार गुप्ता,परमेश्वर साहु, महेश वर्मा, विधा देवी अग्रवाल, संतोष देवी अग्रवाल,चंदा देवी अग्रवाल, अमिता जालान, नेहा कुमारी आदि ने इसके सफल आयोजन में मुख्य योगदान दिया.

डीएवी हेहल में सीबीएसई के दो दिनी क्षमता संवर्धन कार्यशाला का समापन

शिक्षकों ने साझा किए अनुभव

संवाददाता। रांची

सीबीएसई, पटना द्वारा आयोजित दो-दिवसीय क्षमता संवर्धन कार्यशाला ''एक्सपीरियंशियल लर्निंग'' का समापन हुआ. प्रशिक्षिक के नागाराजू, प्राचार्य, मधुसूदन पब्लिक स्कूल चक्रधरपुर व रंजन शर्मा (पी जी टी, कम्प्यूटर साइंस) ग्रीनफील्ड एकेडमी, चंदवा ने एक्सपेरेंशियल लर्निंग पर अंतर्दृष्टि प्रदान करते हुए शिक्षकों के साथ अपने अनुभव साझा किए. एक्सपीरियंशियल लर्निंग के माध्यम से ज्ञान बढ़ाने, कौशल विकसित करने तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षकों को इस कार्यशाला में शिक्षण के गुर सिखाए गए. विद्यालय के प्राचार्य एसके मिश्रा ने दोनों प्रशिक्षकों को महर्षि दयानंद सरस्वती का अमर ग्रन्थ ''सत्यार्थ प्रकाश'' व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया. इस अवसर पर प्राचार्य ने कहा कि शिक्षक एवं विद्यार्थियों के बीच आपस में समन्वय बड़े लक्ष्य को पूरा करने में सहायक होता है. सीखने की कोई उम्र नहीं होती और न ही ज्ञान का कभी अंत होता है. इसलिए शिक्षक को हमेशा एक विद्यार्थी बनकर शिक्षण कार्य करते हुए खुद को बेहतर बनाना चाहिए. दो दिवसीय कार्यशाला के प्रबंधन की जिम्मेदारी सौंपने के लिए प्राचार्य ने सीबीएसई, पटना के क्षेत्रीय अधिकारी सह सीओई अरविंद कुमार मिश्रा का आभार व्यक्त किया.

समारोह

पुस्तक में लेखक ने झारखंड के लिए अपनी बेचैनी दर्शायी है : बाबूलाल

'झारखंड : एक बेचैन राज्य का सुख' का लोकार्पण

संवाददाता। रांची

झारखंड के प्रथम मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने कहा कि झारखंड के विकास के लिए सबमें बेचैनी होनी चाहिए, तभी झारखंड का भविष्य सुनहरा और अच्छा हो पाएगा. वे रविवार को रांची प्रेस क्लब के सभागार में आयोजित सद्यःप्रकाशित पुस्तक 'झारखंड : एक बेचैन राज्य का सुख' के लोकार्पण समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में विचार व्यक्त कर रहे थे. इस पुस्तक के रचयिता वरिष्ठ पत्रकार श्याम किशोर चौबे हैं. श्री मरांडी ने कहा कि इस पुस्तक में लेखक ने झारखंड के लिए अपनी बेचैनी दर्शायी है. झारखंड अलग होने के बाद राज्य की सत्ता में स्थानीय लोगों की भागीदारी हो रही है यह अच्छी बात है. अध्यक्षता करते हुए वरिष्ठ पत्रकार पदमश्री बलबीर दत्त ने कहा झारखंड अलग राज्य बनने के बाद राज्य ने बहुत राजनीतिक उतार-चढ़ाव देखे हैं. झारखंड के विकास के लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करना होगा तभी या राज विकास की ओर तेजी से अग्रसर होगा. इस अवसर पर राज्य खाद्य सुरक्षा आयोग के अध्यक्ष हिमांशु शेखर चौधरी, वरिष्ठ पत्रकार नीरज पाठक, रामेश्वरम और प्रभात प्रकाशन के प्रमुख पीयूष कुमार ने भी अपने विचार व्यक्त किए.

रामेश्वर उरांव ने किया उद्घाटन

लोकार्पण समारोह का उद्घाटन झारखंड के वित्त मंत्री डॉ. रामेश्वर उरांव ने किया. इस अवसर पर डॉ. उरांव ने कहा कि इस पुस्तक में लेखक ने राज्य के पिछड़ेपन और विकास के लिए बेचैनी दर्शायी है. यह पुस्तक हमें प्रेरणा देगी. समारोह का संचालन करते हुए विशिष्ट अतिथि के रूप में वरिष्ठ पत्रकार बैजनाथ मिश्र ने कहा कि लेखक ने पुस्तक में कल्पना को नहीं, बल्कि यथार्थ को समेटा है. प्रभात प्रकाशन के वरिष्ठ प्रबंधक राजेश शर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन किया.

नीतीश कुमार का पालाबदल

नीतीश कुमार ने एक बार फिर पलटी मार ली है. दरअसल भारत की राजनीति में पालाबदल का यह अनोखा कीर्तिमान है, जिसे नीतीश कुमार ने अंजाम दिया है. राजनीति देश की दिशा और दशा का निर्धारण करती है. राजनेता एक आदर्श की तरह अपने समर्थकों को प्रभावित करते हैं. इतिहास इस बात की गवाही देता है कि अनेक राजनेताओं ने दुनिया में आदर्श, त्याग और विचार के लिए जान की कुर्बानी तक दे कर उदाहरण प्रस्तुत किया है. नीतीश कुमार सत्ता में बने रहेंगे, लेकिन क्या इससे राजनीतिक मर्यादा को भी मान-सम्मान मिलेगा? कब किसको उलट दें, कहना कठिन है. देश में यह एक ऐसा उदाहरण है, जिसके बारे में आमलोग अच्छी राय नहीं रखते और इसके साथ ही विचारधारा की राजनीति करने वालों पर भी संदेह पैदा होने लगता है. पलटी केवल नीतीश ने ही नहीं, बल्कि भाजपा ने भी मारी है. भाजपा के बंद दरवाजे जिस तरह खुले हैं, उससे भी यह सवाल उठता है कि क्या भाजपा के लिए भी विचार और आदर्श बेमानी साबित हो गए हैं. यह बदली हुई भाजपा केवल सत्ता के सरोकार को ही समझती है, उसके लिए भी आदर्श के मायने पहले जैसे नहीं बचे हैं. सवाल तो यह भी है कि आखिर नीतीश कुमार ने पलटी क्यों मारी. उन्होंने इस्तीफा देने के बाद मीडिया से कुछ कहा, उसमें ऐसा क्या है जिसके लिए एक नेता अपने पुराने कहे को पूरी तरह पलट दे. मिट्टी में मिल जाने की बात हो या मर जाने की बात नीतीश की किस बात पर भरोसा किया जाए. इंडिया गठबंधन के नेताओं के एक बडे हिस्से को पहले से ही नीतीश कुमार के एक जगह टिके रहने का भरोसा नहीं था. हालांकि इंडिया गठबंधन की नींव डालने में वे अग्रणी थे. बावजूद विपक्ष के नेताओं ने उन पर ज्यादा भरोसा नहीं किया. ममता बनर्जी और अरविंद केजरीवाल ने उनके संयोजक बनने का विरोध किया था और कांग्रेस भी इन्हें संशय से ही देखती थी. इस धारणा को नीतीश कुमार ने ही पुष्ट कर दिया. नीतीश कुमार तेजस्वी यादव के साथ मिल कर जिस तरह सामाजिक न्याय का परचम बुलंद कर रहे थे, अब उसका क्या होगा. भाजपा पिछडों-दलितों को वोट के लिए साधना भी चाहती है और सत्ता में भागीदारी भी देती है, लेकिन सामाजिक न्याय की अवधारणा जिस वैचारिक भूमि का निर्माण करता है, उससे भाजपा का रिश्ता नहीं के बराबर है. नीतीश कुमार ने यह भी साबित कर दिया कि सियासत में विचारों से ज्यादा महत्व तात्कालिक फायदे की राजनीति है. भाजपा ने भी पलटी खायी है, लेकिन 2024 के लिए उसने बिहार में जीत का एक ठोस आधार बनाने की पहल भी कर ली है. देखना होगा कि क्या हर पलटी के साथ जिस तरह मतदाताओं ने नीतीश का साथ नहीं छोड़ा, क्या इस बार भी ऐसा होगा या उसमें कोई बदलाव भी दिखेगा. महागठबंधन के शेष बचे चेलों के पास खोने के लिए ज्यादा कुछ नहीं है, लेकिन पाने के लिए 2024 में बहुत कुछ है. तेजस्वी ने इस बार जिस संयम और धैर्य का परिचय दिया है, उससे उनकी साख और कद दोनों ही बढा है.

> इंडिया गठबंधन के नेताओं के एक बडे हिस्से को पहले से ही नीतीश कुमार के एक जगह टिके रहने का भरोसा नहीं था. हालांकि इंडिया गठबंधन की नींव डालने में वे अग्रणी थे. बावजूद विपक्ष के नेताओं ने उन पर ज्यादा भरोसा नहीं किया.

कांग्रेस को ले घटक दलों में भरोसे की कमी

लोकसभा चुनाव से पहले इंडिया गठबंधन एक रह पाएगा, इसमें संदेह बढ़ता जा रहा है. गठबंधन के सभी दल जिस तरह का रुख अख्तियार कर रहे हैं, उससे लगता है कि इनमें भाजपानीत केंद्र सरकार को हटाने से ज्यादा अपनी साख बनाए रखने पर ज्यादा केंद्रित है. वहीं, कांग्रेस में जारी पलायन और उसकी राजनीतिक प्राथमिकताओं को लेकर 'इंडिया'घटक दलों में असमंजस से भी ज्यादा संदेह, सबसे बड़े चुनावी रण में विपक्ष की संभावनाओं के लिए शुभ संकेत नहीं माना जा सकता.

• देश-काल

बृजेंद्र दूबे

कांग्रेस नेता राहुल गांधी की दूसरी यात्रा 14 जनवरी को मणिपुर से शुरू होकर असम पार कर चुकी है. अब बंगाल के बाद बिहार से राहुल गांधी हिंदी हार्टलैंड में प्रवेश कर जाएंगे. लोकसभा चुनाव से ठीक पहले हो रही यह यात्रा 67 दिन में 6713 किलोमीटर लंबा सफर तय करने के लिए देश के 15 राज्यों के 110 जिलों और 100 लोकसभा क्षेत्रों से गुजर रही है. यह राहुल गांधी की दूसरी यात्रा है. इससे पहले उन्होंने भारत जोड़ो यात्रा निकाली थी, जो 7 सितंबर, 2022 को कन्याकुमारी से शुरू हो कर 30 जनवरी, 2023 को कश्मीर में समाप्त हुई. 136 दिन की उस यात्रा में 12 राज्यों और दो केंद्रशासित प्रदेशों के 75 जिलों और 76 लोकसभा क्षेत्रों से गुजरते हुए चार हजार किलोमीटर से ज्यादा का सफर तय किया गया था. कांग्रेस ने उसे अराजनीतिक यात्रा बताया था, लेकिन अब बाकायदा कांग्रेस के घोषित कार्यक्रम के तौर पर राहुल द्वारा की जा रही इस यात्रा के नाम में भी भारत जोड़ो शब्द उस पुरानी यात्रा की याद दिलाने के लिए ही जोड़ा गया है. पहली यात्रा पदयात्रा ही थी, जबकि भारत जोड़ो न्याय यात्रा में हर दिन आठ से दस किलोमीटर पैदल चल कर शेष सफर विशेष वाहनों से तय किया जा रहा है. जाहिर है, दोनों ही यात्राओं का लक्ष्य कांग्रेस का बेहतर राजनीतिक भविष्य बनाना है. भारत जोड़ो न्याय यात्रा को 10 साल के अन्याय का जवाब बता कर कांग्रेस ने उसका राजनीतिक एजेंडा स्पष्ट भी कर दिया है. यह बात दूसरी है कि राहुल की दोनों ही यात्राओं की शुरुआत से पहले पार्टी को बड़े आंतरिक झटके भी झेलने पड़े.
पहली यात्रा से पहले कांग्रेस के दिग्गज नेता गुलाम नबी आजाद पार्टी को अलविदा कह गए थे, जिनके गृह राज्य कश्मीर में यात्रा का समापन होना था. वहीं इस यात्रा से पहले युवा नेता मिलिंद देवड़ा कांग्रेस छोड़ गए, जिनके गृह क्षेत्र मुंबई में यात्रा का समापन होना है. राहुल की इस नई यात्रा का चुनावी आकलन तो लोकसभा चुनाव के बाद ही हो पाएगा, लेकिन एक नजरिए से देखें तो पहली यात्रा का परिणाम मिला-जुला रहा था. कर्नाटक और तेलंगाना विधानसभा चुनावों में कांग्रेस जीत गई, तो राजस्थान, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ में उसे करारी हार झेलनी पड़ी. कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने राहुल गांधी की दूसरी यात्रा को भी 'चुनावी' के बजाय 'वैचारिक' करार दिया है, पर माना है कि यह एक 'राजनीतिक' यात्रा है, जिसमें हम जनता के बीच जाकर बताएंगे कि कांग्रेस के मन में क्या है. जाहिर है, कांग्रेस को विश्वास है कि यह यात्रा परिवर्तनकारी साबित होगी. राहुल गांधी की इन दो यात्राओं के बीच एक बड़ी घटना यह हुई है कि दो दर्जन से भी ज्यादा विपक्षी दल मिल कर 'इंडिया' नाम से नया गठबंधन बना चुके हैं, लेकिन नई यात्रा में उन्हें भागीदार नहीं बनाया गया है. मित्र दलों के नेताओं को बीच-बीच में, उनके प्रभाव क्षेत्र में, यात्रा में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जाएगा. लोकसभा चुनाव से ठीक पहले राहुल की इस यात्रा के समय और फिर इसे सिर्फ कांग्रेस का राजनीतिक कार्यक्रम बनाने को ले कर 'इंडिया' के घटक दल असमंजस में हैं, पर कांग्रेस को विश्वास है कि उसे मित्र दलों का साथ मिलेगा और जनता का भी. राहुल की यात्रा सबसे ज्यादा 11 दिन उत्तर प्रदेश में रहेगी, जहां से लोकसभा के 80 सदस्य चुने जाते हैं, लेकिन वहां सोनिया गांधी कांग्रेस की इकलौती सांसद हैं. सपा वहां सबसे बड़ा विपक्षी दल है. विधायक संख्या की दृष्टि से तो रालोद भी कांग्रेस से बड़ा है. यात्रा में सहयोग और भागीदारी के लिए सपा-रालोद अपने कार्यकर्ताओं, खासकर समर्थकों को कैसे समझाएंगे, यह देखना होगा. बिहार में भी कांग्रेस विपक्ष में ही तीसरे नंबर की पार्टी है. पश्चिम बंगाल में भी कांग्रेस की जमीनी हालत किसी से छिपी नहीं है. फिर ममता बनर्जी को विश्वास में लिए बिना वहां तृणमूल का साथ कैसे मिल पाएगा?
'इंडिया' के घटक दलों की एक बड़ी चिंता कांग्रेस की क्षमताओं को लेकर भी है. वह चिंता यह कि यात्रा की सफलता के लिए स्वाभाविक ही दिन-रात एक कर देने वाली कांग्रेस के पास इतनी संगठनात्मक क्षमता है भी या नहीं कि वह लोकसभा चुनाव के लिए समानांतर तैयारी कर सके. यह सवाल इसलिए भी, क्योंकि यात्रा 20 मार्च को समाप्त होगी, जबकि लोकसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा उससे पहले ही हो जाने की संभावना है. अगले लोकसभा चुनाव से बमुश्किल तीन महीने पहले कांग्रेस में जारी पलायन और उसकी राजनीतिक प्राथमिकताओं को लेकर 'इंडिया' घटक दलों में असमंजस से भी ज्यादा संदेह, संभवतः सबसे बड़े चुनावी रण में विपक्ष की संभावनाओं के लिए शुभ संकेत नहीं है. पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव परिणाम आने पर कहा गया था कि 'इंडिया' में सीटों का बंटवारा 31 दिसंबर तक निपटा लिया जाएगा, पर अब वह तारीख बढा.कर 31 जनवरी कर दी गयी है. संयोजक का मुद्दा न सिर्फ टल गया है, बल्कि चर्चाएं सवालों और संदेहों को भी हवा दे रही हैं. ये तमाम परिस्थितियां कांग्रेस समेत पूरे 'इंडिया' गठबंधन के लिए चिंताजनक ही हैं.

• बोधि-वृक्ष | सुज्ञ

परोपकार

एक बार एक लड़का अपने स्कूल फीस के बंदोवस्त के लिए घरों के द्वार द्वार जाकर कुछ सामान बेचा करता था. एक दिन उसका कोई सामान नहीं बिका और उसे बड़े जोर से भूख भी लग रही थी. उसने तय किया कि अब वह जिस भी दरवाजे पर जायेगा, उससे खाना मांग लेगा. पहला दरवाजा खटखटाते ही एक लड़की ने दरवाजा खोला, जिसे देखकर वह घबरा गया और बजाय खाना मांगने के, उसने पानी का एक गिलास मांगा. लड़की ने भांप लिया था कि वह क्षुधा संतप्त है, वह एक बड़ा गिलास दूध का ले आई. लड़के ने धीरे-धीरे दूध पी लिया. लड़के ने पूछा, 'कितने पैसे दूं?' 'पैसे किस बात के?'-लड़की ने प्रतिप्रश्न करते कहा, 'मां ने मुझे सिखाया है कि जब भी किसी पर उपकार करो तो उसके पैसे नहीं लेने चाहिए.' 'तो फिर मैं आपको दिल से धन्यवाद देता हूं.' जैसे ही उस लड़के ने वह घर छोड़ा, उसे न केवल शारीरिक तौर पर शक्ति मिल चुकी थी , बल्कि उसका ईश्वर और मनुष्य पर भरोसा और भी बढ़ गया था. वर्षों बाद वह लड़की गंभीर रूप से बीमार पड़ गयी. लोकल डॉक्टर ने उसे शहर के बड़े अस्पताल में इलाज के लिए भेज दिया. विशेषज्ञ डॉक्टर होवार्ड केल्ली को मरीज देखने के लिए बुलाया गया. जैसे ही उसने लड़की के कस्बे का नाम सुना, उसकी आंखों में चमक आ गयी. वह एकदम सीट से उठा और उस लड़की के कमरे में गया. उसने उस लड़की को देखा, एकदम पहचान लिया और तय कर लिया कि वह उसकी जान बचाने के लिए अपनी पूरी शक्ति लगा देगा. उसकी मेहनत और लगन रंग लायी और उस लड़की कि जान बच गयी. डॉक्टर ने अस्पताल के ऑफिस में जा कर उस लड़की के इलाज का बिल लिया और उस बिल के कोने में एक नोट लिखा और उसे उस लड़की के पास भिजवा दिया. लड़की बिल का लिफाफा देखकर परेशान हो उठी उसे मालूम था कि वह बीमारी से तो वह उभर गयी है, किन्तु बिल की भारी राशि उसकी जान ही ले लेगी. फिर भी उसने हिम्मत बटोर कर बिल देखा, उसकी नज़र बिल के कोने में हस्तलिखित टिप्पणी पर गयी. वहां लिखा था, 'एक गिलास भर दूध द्वारा इस बिल का भुगतान किया जा चुका है.' नीचे उस डॉक्टर, होवार्ड केल्ली के हस्ताक्षर थे. आश्चर्य मिश्रित प्रसन्नता के मारे उस लड़की की आंखों से आंसू टपक पड़े. उसने ऊपर की ओर दोनों हाथ उठा कर कहा, ' हे भगवान..! आपका बहुत-बहुत धन्यवाद!!' हमारे दिल की अनुकम्पा, करुणा और वात्सल्य भी एक नेटवर्क की तरह समाज में प्रसारित होता है. 'परोपकार किसी न किसी स्वरूप में आप तक अवश्य लौटता है.'

सुभाषित

**विद्यां ददाति विनयं विनयाद् याति पात्रताम्।
पात्रत्वात् धनमाप्नोति धनात् धर्मं ततः सुखम् ।।**

विद्या हमें विनम्रता प्रदान करती है, विनम्रता से योग्यता आती है व योग्यता से हमें धन प्राप्त होता है और इस धन से हम धर्म के कार्य करते है और सुखी रहते हैं. सफल और सुखी जीवन के लिए विद्या का होना अत्यावश्यक है. इसलिए विद्या प्राप्त करने का प्रयत्न निरंतर करना चाहिए.

किन हालात में पहुंच गया पृथ्वी ग्रह

• देशांतर

गुरवचन जगत

1945 वह साल, जब ब्रिटिश साम्राज्य का सूरज ढलने लगा और अमेरिकी-सोवियत साम्राज्य का उदय हुआ. एक 'फौलादी दीवार' ने यूरोप को दो हिस्सों में बांट डाला, पश्चिमी गठबंधन वाला पश्चिमी यूरोप और सोवियत संघ से जुड़ा पूर्वी यूरोप. साथ ही, दक्षिण अमेरिका मानो संयुक्त राष्ट्र अमेरिका का पिछला आंगन बन गया तो एशिया का मध्य हिस्सा सोवियत प्रभामंडल तले आ गया. मध्य एशिया और पश्चिम एशिया -अधिकांशतः सल्तनतें- जिन पर अपना प्रभाव बनाने को दोनों साम्राज्य यत्नरत रहे. जहां अमेरिका ने वामपंथ से भिड़ने और हराने का बीड़ा उठाया, वहीं सोवियत संघ ने वामपंथ को फैलाने में ज़ोर लगाया, जिसके परिणाम में बना मशहूर 'शीत युद्ध'. अपने-अपने ध्येयों की पूर्ति के लिए दोनों का टकराव कई राष्ट्रों की धाराओं पर हुआ, लेकिन इन्होंने लड़ाई कभी भी अपने आंगन में नहीं आने दी. अमेरिका ने वियतनाम, लाओस, कम्बोडिया, क्यूबा और कांगो के अलावा औपनिवेशिक शासकों से मुक्ति पाने में लगे अनेकानेक अफ्रीकी एवं एशियाई देशों में वामपंथियों की पकड़ कमज़ोर करने को अभियान चलाए. लग सकता है विचारधारा की भिन्नता युद्ध का बना-बनाया सांचा है, लेकिन वास्तविक आधार वही है, पुरातन काल से चला आ रहा ताकत और आर्थिक लाभ पाने का लोभ. विश्व व्यवस्था, जो कि साफ तौर पर दो खंडों में बंट चुकी थी, सोवियत साम्राज्य गिरने के बाद टुकड़ों में बिखर गई और उद्भव हुआ एकमात्र महाशक्ति, अमेरिका का.घड़ी को उलटा घुमाते हुए, 20वीं सदी के उत्तरार्ध में लड़े गए दो विश्व युद्धों में ले जाएं तो, प्रथम विश्व युद्ध तब भड़का जब तत्कालीन केंद्रीय ताकतें (जर्मनी, ऑस्ट्रिया-हंगरी, बुल्गारिया और ओटोमन साम्राज्य) ने मिलकर, दुनिया के अधिकांश देशों को अपनी बस्ती में तब्दील करने वाले दो बड़े खिलाड़ियों ब्रिटेन और फ्रांस को चुनौती देनी शुरू की. अन्य देशों को अपना उपनिवेश बनाने को दौड़ में देर से शामिल हुए जर्मनी की आकांक्षा अपने लिए बड़ा हिस्सा पाने की थी, यही चाहत इस गठबंधन के अन्य सदस्यों की थी. कहानी वही पुरानी है– मनुष्य प्रजाति लालच और डर से चालित है, अतएव हमारा इतिहास वस्तुतः युद्धों का इतिहास है. युद्ध, जिसका फौरी कारण चाहे धर्म, जाति, विचारधारा, बुरा करने की भावना या पक्षपात बताया जाए, लेकिन सतह के नीचे वही पुरातन खेल है यानी और अधिक संसाधन, भूभाग, व्यापार और ताकत अपने हाथ करना. द्वितीय विश्वयुद्ध लगभग पिछले का विस्तार था, जिसके पीछे त्वरित कारक भले ही जर्मनी का रोष और अपमान बोध बताया जाए, लेकिन यह 'लेबेंसरॉम' अर्थात नाज़ी राष्ट्र के लिए और बड़ा भूभाग पाने की गहरी चाहत थी. इससे पूर्व, 19वीं सदी के उत्तरार्ध में मध्य एवं दक्षिण एशियाई मुल्कों को अपने नियंत्रण में लाने के वास्ते ब्रिटिश और रूसी साम्राज्य के बीच 'बड़ा खेल' नामक मुकाबला चला था. यह इन क्षेत्रों पर प्रभुत्व बनाने की प्रतिद्वंद्विता थी और अपने प्रभाव क्षेत्र में विस्तार के लिए षड्यंत्र और क्षेत्रीय युद्ध रचे गए. इतिहास में और पीछे चलते जाएं तो पाते हैं कि युद्धों, प्रभुत्व बनाने और साजिशों का इतिहास खुद को दोहराए जा रहा है. ताकत के लिए खेल कभी नहीं थमता और लड़ाई के लिए बहाना यदि पहले से न हो तो गढ़ लिया जाता है. बहानों के लबादे में छिपी होती है व्यापार और वाणिज्य पर नियंत्रण की लालसा. आज तक इराक में सामूहिक जनसंहार करने वाले वे हथियार नहीं मिले, जिनको बहाना बनाकर, बमबारी कर उसे पाषाण युग में पहुंचा दिया और उसके प्राकृतिक संसाधनों को लूटा. अफगानिस्तान–साम्राज्यों के इस पुराने कब्रिस्तान ने- इन सबको आते-जाते देखा फिर भी कोई खास फर्क नहीं आया. परमाणु ताकत, कंप्यूटर और आईटी के इस युग में हम तकनीकी रूप से पहले से कहीं अधिक विकसित हैं, एआई और रोबोटिक्स का मिश्रण भी कर डाला है... फिर भी क्या हम उन घुमंतुओं से अलग हैं, जो गुजरे वक्त में कभी इस धरा पर विचरा करते थे? हमारा लालच, क्रोध, नफरत या दर्प आज भी उतना ही हावी है जितना कि मंगोलों के झुंड वाले समय में, जितना सिकंदर या रोमन साम्राज्य के वक्त... हां, हम आज उनसे कहीं अधिक विध्वंस मचा सकते हैं. खुद के विध्वंस की हमारी सामर्थ्य कई गुणा बढ़ चुकी है. वास्तव में, शीत युद्ध का सिद्धांत था 'म्युचुअल एशोर्ड डेस्ट्रक्शन' (मैड) यानी एक-दूसरे का निश्चित विध्वंस और इस हकीकत ने दोनों महाशक्तियों को परमाणु-बटन दबाने से रोके रखा. इजराइल और गाज़ा में हुए नरसंहार की बात करें तो यह इस क्षेत्र के लिए नया नहीं.

> अमेरिका ने वियतनाम, लाओस, कम्बोडिया, क्यूबा और कांगो के अलावा औपनिवेशिक शासकों से मुक्ति पाने में लगे अनेकानेक अफ्रीकी एवं एशियाई देशों में वामपंथियों की पकड़ कमज़ोर करने को अभियान चलाए. लग सकता है विचारधारा की भिन्नता युद्ध का बना-बनाया सांचा है, लेकिन वास्तविक आधार वही है, पुरातन काल से चला आ रहा ताकत और आर्थिक लाभ पाने का लोभ.

स्वस्थ जीवन के लिए जरूरी है फैमिली फार्मर

• सामयिकी

बाबा मायाराम

कुछ समय पहले महाराष्ट्र के नागपुर में देसी अनाजों के बीजोत्सव का आयोजन किया गया. इसमें कई किसान उनके जैविक उत्पाद को बिक्री के लिए आए हुए थे. जैविक खेती पर चर्चा व संगोष्ठियां हुईं. इसमें कई राज्यों के लोगों ने बड़ी संख्या में शिरकत की.मुझे इस कार्यक्रम के आयोजकों में से एक बसंत फुटाणे ने आमंत्रित किया था. इस मौके पर जैव विविधता प्रदर्शनी भी लगाई गई थी, जिसमें जैविक उत्पादों के अलावा, खादी और सूती कपास के कपड़े और देसी बीजों की कई प्रजातियां प्रदर्शित की गई थीं. गर्मी के कारण अम्बाड़ी के शरबत को काफी पसंद किया गया था. इसके साथ ही जैविक उत्पाद से बने स्वादिष्ट व्यंजन व भोजन आकर्षण के केन्द्र रहे. जिसमें महुआ के गुलगुले, खीर, सूरन के पकोड़े, गुड़ की जलेबी और देसी चावल व आम की कढ़ी और ज्वार की रोटी इत्यादि शामिल थे. बीजोत्सव के बारे में किसान अनंत भोयर बताते हैं कि इसकी शुरुआत वर्ष 2013 से हुई थी. उन्होंने बताया कि बीजोत्सव की शुरुआत किसानों की खुदकुशी की खबरों से चिंतित होकर की गई थी. यवतमाल जिले में कपास की खेती होती है, जहां से किसानों की खुदकुशी की खबरें लगातार आ रही थीं. वहां जैव तकनीक से तैयार बीटी कॉटन होता है. अधिकांश किसान बैंक से कर्ज लेकर खेती करते हैं और कर्ज के बोझ तले दबकर ही जान दे रहे थे. बीजोत्सव में सुरक्षित व पौष्टिक खान-पान पर ज़ोर दिया जाता है. इसके साथ ही, देसी बीजों की गोबर खाद व हल-बैल वाली जैविक खेती को बढ़ावा देते हैं. खेती को पशुपालन से जोड़ने की सोच रखते हैं, जिससे मिट्टी को गोबर खाद से उर्वर बनाया जाए और दूध-घी से भोजन में पौष्टिकता भी बढ़े. किसानों की समस्याएं समझने की कोशिश करते हैं, इस पर गोष्ठियां व संवाद करने के प्रयास करते हैं. नए छोटे किसानों को भी इस प्रक्रिया से जोड़ते हैं. संकर बीजों और जैव तकनीक से तैयार (जेनिटिकली मोडीफाइड) के नुकसान के बारे में बात करते हैं.दीपक बरड़े बतलाते हैं कि उनका गांव बहुत छोटा है. 85 घरों के गांव में करीब 300 आबादी है. पहले वहां संकर बीजों की खेती होती थी. जिससे कैंसर, बीपी और शुगर के मरीज ज्यादा होने लगे थे. इसके बाद वर्ष 1970 से उन्होंने उनके पिताजी के साथ परंपरागत खेती करना शुरू किया था. परंपरागत बीजों के साथ परंपरागत ज्ञान भी जुड़ा है. उन्होंने बताया वे पूरी तरह स्वावलंबी हैं. उनका परिवार बाहर से नमक के अलावा कुछ भी नहीं खरीदता. मूंगफली से तेल मिल जाता है. खेत की अलसी से भी तेल मिल जाता है. देसी कपास हम वर्धा के ग्राम सेवा मंडल को देते हैं और उसके बदले में वहां से कपड़े ले लेते हैं. वस्तु विनिमय की परंपरा बरसों पुरानी है. बेंगलुरू से आए सहज समृद्ध के कोमल कुमार मानते हैं कि बीज समुदायों के हैं, कंपनियों व किसी एक व्यक्ति के नहीं हैं. सहज समृद्ध किसानों की जैविक उत्पाद कंपनी है, जो धान, पौष्टिक अनाज, दालें, सब्जियां, फूल और गैर खेती भोजन (अनकल्टीवेटेट फूड) इत्यादि जैविक तरीके से उत्पादित करने को बढ़ावा देती है. उन्होंने बताया कि उनके पास रागी की 9 प्रजातियां और 5 पौष्टिक अनाज (मिलेट्स) की प्रजातियां हैं. इनके उत्पादन में वे रासायनिक खाद व कीटनाशक का इस्तेमाल बिलकुल नहीं करते हैं. परंपरागत खेती की वैकल्पिक तकनीक को बढ़ावा देने वाला भारतीय एग्रो इंडस्ट्रीज फाउंडेशन (बी.ए.आई.एफ.) परंपरागत कृषि पद्धतियों व देसी बीजों को बचाने में लगा है और जहरमुक्त खेती को बढ़ावा दे रहा है. इस संस्था से जुड़े संजय पाटिल ने बताया कि उनकी संस्था के पास 400 देसी धान की प्रजातियां, 40 गेहूं की, 13 आलू, 12 मिर्ची, 6 दाल, 4 सरसों की प्रजातियां हैं. और इन देसी बीजों को किसानों को उनके खेत में ही उगाने के लिए दिया गया है, जिससे वहां की मिट्टी-पानी व हवा में उनका संरक्षण व संवर्धन हो सके. कुल मिलाकर, बीजोत्सव ने कई महत्वपूर्ण पहलुओं पर लोगों का ध्यान खींचा है. इससे एक तरफ बिना रासायनिक खेती से परंपरागत बीजों, मिट्टी-पानी का संरक्षण-संवर्धन हो रहा है व - जैव विविधता व पर्यावरण का संरक्षण हो रहा है, तो दूसरी तरफ किसान और उपभोक्ताओं के बीच सीधा संबंध बन रहा है, जिससे खेती में बिचौलियों की भूमिका कम हो रही है और किसानों को उनकी फसलों का वाजिब दाम मिल रहा है. उपभोक्ताओं की भी पहुंच पौष्टिक अनाज तक हो रही है. बढ़ती बीमारियों व ज़हरीली खेती को रोकने के लिए जैविक खेती की विविधतायुक्त खेती को विकल्प के रूप में पेश किया जाना जरूरी हो जाता है.

> इसके साथ ही जैविक उत्पाद से बने स्वादिष्ट व्यंजन व भोजन आकर्षण के केन्द्र रहे. जिसमें महुआ के गुलगुले, खीर, सूरन के पकोड़े, गुड़ की जलेबी और देसी चावल व आम की कढ़ी और ज्वार की रोटी इत्यादि शामिल थे. बीजोत्सव के बारे में किसान अनंत भोयर बताते हैं कि इसकी शुरुआत वर्ष 2013 से हुई थी.

मीडिया में अन्यत्र

दूरसंचार की दरों को तर्कसंगता के मायने

रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) के तिमाही नतीजों के बाद की टिप्पणियों ने फिर से इस बात की ओर ध्यान आकृष्ट किया है कि देश में दूरसंचार की दरों को तर्कसंगत बनाए जाने की आवश्यकता है. इसकी तात्कालिक वजह रिलायंस जियो की बढ़ती ग्राहक संख्या के साथ ही प्रति उपयोगकर्ता मासिक औसत राजस्व (एआरपीयू) का सपाट होना भी है.कंपनी ने तीसरी तिमाही में 181.70 रुपये एआरपीयू हासिल किया जो पिछली तिमाही के बराबर और एक वर्ष पहले की समान अवधि के 178.20 रुपये से थोड़ा अधिक था. दूरसंचार उद्योग में एआरपीयू दूरसंचार कंपनी की सेहत बताता है. कई विश्लेषकों की रिपोर्ट में यह सही संकेत है कि दूरसंचार कंपनियों को अपनी अखिल भारतीय 5जी सेवाओं का शुल्क बढ़ाना चाहिए ताकि उनका कारोबारी प्रदर्शन मजबूत हो सके.उन्होंने इस उद्योग में शुल्क वृद्धि में देरी को इस क्षेत्र के लिए जोखिम के रूप में भी रेखांकित किया. उन्होंने 2024-25 में 10 से 20 फीसदी शुल्क वृद्धि का अनुमान पेश किया है यानी जियो का मासिक एआरपीयू 200 रुपये से अधिक हो जाएगा. यह पूरे क्षेत्र के लिए स्वागतयोग्य है. अगर जियो जिसके पास सबसे अधिक मोबाइल उपभोक्ता हैं, वह शुल्क बढ़ाती है तो अन्य भी उसका अनुसरण करेंगे.कॉल कटना और खराब सिग्नल ने मोबाइल पर बातचीत की गुणवत्ता पर असर डाला है और फोन उपयोगकर्ताओं ने बड़ी तादाद में व्हाट्सऐप कॉलिंग को अपनाया है. शुल्क में बढ़ोतरी के बाद कंपनियां अधोसंरचना और आंतरिक दिक्कतों पर अधिक धनराशि खर्च कर सकेंगी जिससे उपयोगकर्ताओं को संतोषप्रद सेवा मिल सकेगी और उन्हें फोन करने के लिए वैकल्पिक मंचों का इस्तेमाल नहीं करना होगा. इससे इस उद्योग को 5जी सेवाएं प्रदान करने में भी मदद मिलेगी जो सही मायनों में मजबूत और किफायती है. इसके अलावा दूरसंचार उद्योग जिसे अहम वित्तीय दबाव का सामना करना पड़ा है और जहां दो कंपनियों का दबदबा है उसे दोबारा बेहतर स्थिति में लाने की आवश्यकता है. ऐसा होने पर ही भारत डिजिटल महाशक्ति बन पाएगा जिसका उसने लक्ष्य तय किया है.सरकार की प्रमुख योजनाओं मसलन डिजिटल इंडिया आदि को सफल बनाने के लिए दूरसंचार कंपनियों को सही संपर्क और गति प्रदान करनी होगी. इसके लिए पूंजी पर प्रतिफल में सुधार करना होगा और घाटे को सीमित रखना होगा. (बिजनेस स्टैंडर्ड)

शब्द चर्चा

डॉ. विनय कुमार पाण्डेय

भांड़/भाड़/भार

एक कहावत है-भांड़ में जाये दुनिया, हम बजायें हरमुनिया. मतलब हारमोनियम. यह कहावत अक्सर खुदगर्ज लोग कहा करते हैं, जिन्हें अपने सिवा किसी और की कोई चिंता नहीं रहती है. दूसरा वाक्य है-वह वृद्धावस्था में भी मेहनत कर पूरे परिवार का भार वहन करता है. हिंदी शब्द सागर में कहावत वाले भांड़ शब्द का शुद्ध रूप भाड़ बताया गया है. शब्दकोश में भांड शब्द भी है, जिसके दो अर्थ बताये गये हैं. भांड़ संस्कृत तत्सम भण्ड का तद्भव संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका अर्थ है विदूषक, मसखरा, बहुत अधिक हंसी-मजाक करनेवाला, एक प्रकार का पेशेवर जो प्रायः अपना समाज बना कर रहते हैं और महफिलों में जाकर नाचते-गाते, हास्यपूर्ण स्वांग भरते और नकलें उतारते हैं, हंसी, दिल्लगी, भांडपन, नंगा, बेहया, सत्यानाश, बरबादी. कहावत में जिस भांड़ का प्रयोग किया गया है, वह संस्कृत तत्सम के भाण्ड शब्द का तद्भव संज्ञा पुल्लिंग रूप है. इसका मतलब है बरतन, भांड़ा, भंडाफोड़, रहस्योद्घाटन. मुझे लगता है कि तत्सम भाण्ड के चलते ही तद्भव रूप भांड़ हो गया. इसका प्रचलित अर्थ है भड़भुजों की भट्ठी, जिसमें वे अनाज भुनने के लिए बालू गरम करते हैं. इसका क्रिया रूप है भांड़ना, मतलब काम बिगाड़ना, किसी की चारों ओर निंदा करते फिरना, किसी को बहुत बदनाम करते फिरना, नष्ट-भ्रष्ट करना, खराब करना. भाड़ झोंकना मुहावरा है, जिसका अर्थ है भाड़ में इंधन झोंकना, तुच्छ काम करना, नीच वृत्ति धारण करना, अयोग्य काम करना, बेकार में समय गंवाना. इसी प्रकार और भी कई मुहावरे हैं. जैसे भाड़ में झोंकना या डालना यानी आग में डालना, भाड़ में जाये यानी आग लगे नष्ट हो. दूसरा शब्द है भार. यह संस्कृत तत्सम संज्ञा पुल्लिंग शब्द है. इसका अर्थ है एक परिणाम, जो बीस पसेरी का होता है, विष्णु, बोझ, वह बोझ जिसे बहंगी के दोनों पल्लों पर रखकर कंधे पर उठाकर ले जाते हैं, किसी कर्तव्य के पालन का उत्तरदायित्व, जिम्मेदारी, ढोल या नगाड़ा बजाने की एक पद्धति, कठिन काम, आश्रय, सहारा.

ये हैं पलटू प्रजाति वाले राजनेता

• तीर-तुक्का

रवि प्रकाश

समूचा राजनीतिक परिदृश्य पलटू प्रजाति वाले राजनेताओं से भरा पड़ा है. जिस पार्टी में चले जाओ ,एक ढूंढोगे चार मिल जाएंगे. वह चारों अपनी एक चौकड़ी बना कर बैठ जाते हैं और पांचवें को अपने गुट में शामिल करने के लिए प्रयत्नशील रहते हैं. स्थिति यह है कि पार्टियों के मंच पर पच्चीस प्रतिशत स्थान पलटू यानी दल बदलुओं के लिए सुरक्षित हो गया है. दल बदलू को विशेष प्रतिष्ठा प्राप्त होती है. जिस पार्टी में दल बदलू शामिल होता है, उस पार्टी में उसका फूलों का हार पहना कर स्वागत किया जाता है. जैसे कोई बहुत बड़ा तीर मार कर यह आए हों या इन्होंने कोई महान कार्य किया हो. जिस पार्टी से दलबदलू जाता है, उस पार्टी के भीतर एक सन्नाटा छा जाता है. पार्टी से कुछ कहते नहीं बनता कि यह व्यक्ति जो कल तक अच्छा था, आज बुरा कैसे हो गया? दलबदल एक प्रकार की रासायनिक प्रक्रिया है जो दल बदलू नामक राजनीतिक प्रजाति के भीतर चुनाव आते ही उमड़ने-घुमड़ने लगती है. जैसे बरसात में मेंढक टर्र- टर्र करते हैं, वैसे ही चुनाव के मौसम में दल बदलू टर्र-टर्र करना शुरू कर देते हैं. जिसे देखो इस टोकरी से उस टोकरी में कूदकर जा रहा है. पांच साल से ज्यादा किसी एक पार्टी में टिके रहने पर दल बदलू को परेशानी होने लगती है. उसकी आत्मा उसे कचोटती है, धिक्कारती है, आवाज देती है -चल उठ, दल बदल. कब तक एक ही पार्टी में पड़ा रहेगा? छोटी सी जिंदगी है. जब तक चार-छह बार दलबदल न कर लो, चैन से मत बैठना. जीवन का यही तो लक्ष्य है. संभावनाओं को टटोलो और एक दल से दूसरे दल में कूद जाओ. सभी पार्टियों में दलबदलू आपस में एक दूसरे से संबंध रखते हैं. मिलना-जुलना जारी रहता है. भले ही आज उनमें से कोई भी किसी भी दल में हो ,लेकिन मूलभूत रूप से वह दल-बदलू ही तो हैं! उनका मूल स्वरूप "दलबदल" में निवास करता है. उनकी आत्मा दलबदल नामक शाश्वत-भाव में विलीन हो चुकी है. उनके लिए दलबदल एक स्वाभाविक प्रक्रिया है. क्या फर्क पड़ता है-इस पार्टी में रहो या उस पार्टी में चले जाओ? वह दार्शनिक मनोभाव को प्राप्त होने वाले जीव हैं. सब पार्टियों को एक दृष्टि से देखते हैं, जिसमें मौका मिले, घुस जाओ. पद पकड़ो, टिकट माँगो. जहां मौका लगे, कुर्सी पकड़ कर बैठ जाओ. यही जीवन है. यह थोड़े ही कि एक पार्टी में पड़े-पड़े विचारधारा के नाम पर पूरी जिंदगी बर्बाद कर दी.

2024 लोकसभा चुनाव

क्या नीतीश के नेतृत्व में नया समीकरण साधेगा बिहार

बिहार में भाजपा के अच्छे दिन...

बिहार में जारी राजनीतिक उठापटक और कयासों के बीच भाजपा के सहयोग से नीतीश कुमार नौवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री बन गए. नीतीश के साथ कई और मंत्रियों ने भी शपथ ली. पूरे मंत्रिमंडल को देखकर यही कहा जा सकता है कि जातीय समीकरण का पूरा ख्याल रखा गया है. शुरू से ही बिहार के चुनाव में जातीय समीकरण का बहुत महत्व रहा है. भाजपा 2024 के लोकसभा चुनाव की तैयारी में लगी है. इस दिशा में वह बिहार पर अपनी पकड़ मजबूत करने की पहली सीढ़ी पार कर ली है. बिहार का यह नया मंत्रिमडल भाजपा की चुनावी मंशा को अमली जामा पहनाने में कारगर साबित हो सकता है. कह सकते हैं कि बिहार में भाजपा के अच्छे दिन आ गए हैं. बिहार की इस नई सरकार में सीएम भले ही नीतीश कुमार हैं. मगर सरकार की कमान भाजपा के पास ही होगी. बीते हफ़्ते से ही अटकलें लग रही थीं कि नीतीश कुमार राजद से गठबंधन तोड़कर फिर से भाजपा के साथ गठबंधन में जा सकते हैं. नीतीश कुछ दिनों से चुप थे. पर इस्तीफा देने के बाद उन्होंने चुप्पी तोड़ी और कहा कि "मैंने इस्तीफा दे दिया है और अब सरकार खत्म हो गई. हमने लोगों और पार्टी की राय सुनी, उसके बाद यह फैसला लिया. संदेह नहीं कि इस पूरे घटना क्रम में नीतीश की भूमिका से सब हैरत में हैं. आइए जानते हैं कि राजनीतिक दल के नेता , पत्रकार नीतीश की इस भूमिका को किस तरह देखते हैं.

स्वाभिमानहीन आदमी को क्या आदमी कहा जा सकता है : शिवानंद तिवारी

राष्ट्रीय जनता दल की ओर से नवीनतम राजनीतिक घटनाक्रम पर पार्टी के उपाध्यक्ष शिवानंद तिवारी ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है. उन्होंने कहा कि नीतीश जी द्वारा अचानक महागठबंधन छोड़कर पुनः भाजपा के साथ सरकार बनाने की घोषणा से देश हतप्रभ है. लोग जानना चाहते हैं कि 2022 में आपने अचानक भाजपा वाले गठबंधन को क्यों छोड़ दिया था और महा गठबंधन में कैसे शामिल हो गए थे. महागठबंधन की ओर से किसी ने एक अणे मार्ग में जाकर इस गठबंधन में शामिल होने के लिए इनको न्योता देने गया था क्या?

पैसा कहां से लाओगे: शिवानंद तिवारी के मुताबिक सबको स्मरण होगा कि 2020 के विधानसभा चुनाव के अभियान की शुरुआत करते हुए तेजस्वी यादव ने घोषणा की थी कि हमारी सरकार बनेगी तो हम दस लाख युवाओं को नौकरी देंगे. यह राजद के चुनाव घोषणा पत्र में शामिल है. उसके जवाब में नीतीश कुमार ने क्या कहा था? 'दस लाख नौकरियों के लिए पैसा कहां से लाओगे? बाबूजी जिस कमाई के लिए अंदर हैं, वहां से लाओगे. इसको कोई समझ नहीं है!' वही नीतीश कुमार 8 अगस्त 2022 को अपने सभी विधायकों के साथ पैदल चल कर राबड़ी आवास पहुंचे थे. वहां उन्होंने 2017 में गठबंधन तोड़ कर भाजपा में चले जाने के लिए हाथ जोड़कर राबड़ी जी से माफी मांगी थी. महागठबंधन के तमाम नेताओं के बीच अपने भाषण में उन्होंने वही सबकुछ कहा था जो आज कह रहे हैं. उस समय रोना रो रहे थे कि भाजपा के लोग काम नहीं करने दे रहे थे. हमेशा टकराव की बात कर रहे थे.वहीं नीतीश कुमार जिन्होंने तेजस्वी के दस लाख युवाओं को नौकरी देने की घोषणा पर कहा था कि इनको तनख्वाह देने के लिए पैसा कहां से लाओगे! 9 अगस्त को तेजस्वी ने उप मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ली और 15 अगस्त को उन्हीं नीतीश कुमार ने गांधी मैदान के मंच से घोषणा की कि दस लाख युवाओं को महा गठबंधन की हमारी सरकार नौकरी तो देगी ही, हम दस लाख रोजगार का सृजन भी करेंगे. नीतीश जी किसके एजेंडे की घोषणा कर रहे थे!

नीतीश ने स्वयं मुहर लगाई थी: राजद नेता तिवारी ने कहा कि राजनीति की पुरानी पीढ़ी के नीतीश कुमार ने युवा तेजस्वी के एजेंडे को न सिर्फ कुबूल किया बल्कि उसको आगे बढ़ाया. तेजस्वी भविष्य हैं, नीतीश अतीत हैं. पंद्रह अगस्त के अपने भाषण के जरिए नीतीश जी ने स्वयं इस पर मुहर लगाई. महा गठबंधन के संपूर्ण कार्यकाल में तेजस्वी यादव ने जिस प्रकार का आचरण किया है इसको सम्पूर्ण देश ने देखा है. जरूरत से ज़्यादा दब कर तेजस्वी रहे. ताकि नीतीश कुमार को शिकायत का तनिक भी मौका नहीं मिले. यहां तक कि अखबारों के पहले पन्ने पर मुख्यमंत्री के आदम कद तस्वीर के साथ स्वास्थ्य विभाग का विज्ञापन छपता था. उसमें, तेजस्वी जो स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी मंत्री भी हैं, उनकी छोटी तस्वीर भी नहीं रहती थी. लेकिन तेजस्वी ने इस सबको अनदेखा किया. आज नीतीश जी कह रहे हैं कि राजद के साथ काम करने में परेशानी हो रही थी. हम काम कर रहे थे. लेकिन वे लोग काम नहीं कर रहे थे. इसको निर्गुण प्रलाप के अलावा क्या कहा जाएगा! वाकई अगर ऐसी कोई शिकायत थी तो इस सिलसिले में नीतीश जी ने कभी लालू जी से शिकायत की!

नीतीश झूठ बोल रहे हैं: शिवानंद तिवारी ने कहा कि महा गठबंधन से निकलने और भाजपा के साथ पुनः जाने का जो कारण नीतीश जी बता रहे हैं वह सरासर झूठ है. भाजपा से अलग होने के बाद बिहार विधानसभा सभा में इन्होंने क्या घोषणा की थी! मिट्टी में मिल जाऊंगा! ऐसे संकल्पों का कई नमूना गूगल में खोजने पर मिल जाएगा. भाजपा का अदना से अदना कार्यकर्ता तक कह चुका है कि नीतीश कुमार के लिए भाजपा का दरवाज़ा बंद हो चुका है. इन सबके बावजूद नीतीश कुमार जैसा स्वाभिमानहीन व्यक्ति ही पुनः वहां जाने की बात सोच सकता है. स्वाभिमानहीन आदमी को क्या आदमी कहा जा सकता है!

किसने क्या कहा

मेरे लिये भावुक क्षण : सम्राट चौधरी

पटना बिहार भाजपा के अध्यक्ष सम्राट चौधरी का कहना है कि यह मेरे लिए भावुक क्षण है कि आज सरकार में काम करने के लिए विधानमंडल के नेता के तौर पर मेरा चयन किया गया. मैं पार्टी नेतृत्व और सभी विधायकों का धन्यवाद देता हूं.

जंगलराज नहीं आने देंगे : गिरिराज सिंह

पटना। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि नीतीश कुमार को मैं धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने इस्तीफा दे दिया. सीएम नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद आज अपनी पहली प्रतिक्रिया में उन्होंने कहा कि उनकी जो भी मजबूरी रही लेकिन बिहार पसोपेश में था, डेढ़ साल में बिहार में जंगलराज 2 की स्थिति आ गई थी. अगर तेजस्वी यादव की ताजपोशी हो जाती तो बड़ी कठिनाई होती, भाजपा जंगलराज नहीं आने देगी.

जब भाव न जागा भावों में : तेजप्रताप

पटना। अपने विवादास्पद बयानों के लिये हमेशा चर्चा में रहने वाले पूर्व मंत्री और लालू प्रसाद के ज्येष्ठ पुत्र तेज प्रताप यादव की प्रतिक्रिया थी कि जब भाव न जागा भावों में, उस भावों का कोई भाव नहीं, ऐसी भावों का कोई स्थान नहीं, जिनका भाव नहीं अपनों की भावों में, कहां रखा है भाव तेरा, जिनका ख्याल तेरा भावों में, बस सत्ता का ख़्याल है तेरे भावों में, अपनों के भावों का क्या हुआ. तेरा अंत होगा और अंत होगा तेरी भावों का, कोई स्थान नहीं होगा तेरा, जब बात होगी तेरे भावों का. समझने वाले समझते रहें.

कूड़ा गया कूड़ेदानी में: रोहिणी आचार्य

पटना। राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद की पुत्री और अपने विवादास्पद बयानों के लिये चर्चित रहने वाली रोहिणी आचार्य की प्रतिक्रिया यह थी कि कूड़ा गया फिर से कूड़ेदानी में . कूड़ा - मंडली को बदबूदार कूड़ा मुबारक. थूककर चाटने वाले नेता खुद को न समझे सूरज जैसा.

सीट शेयरिंग नहीं की तो हमने दिखा दिया : जदयू

पटना। जदयू के फायर ब्रांड प्रवक्ता नीरज कुमार ने राजद की कार्यपद्धति पर हमला करते हुए कहा कि 'नौकरी के बदले जमीन लेने की राजद की फितरत रही है.राजद यह खेल इस बार भी करना चाहता था, लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने होने नहीं दिया. सीट शेयरिंग नहीं की तो हमने सत्ता शेयर करके दिखा दिया. राजद ने राजस्व विभाग में भी खेल करने की कोशिश की, जिसे नीतीश ने विफल कर दिया.

नीतीश आया राम, गया राम वाले नेता : कांग्रेस

पटना। मुख्यमंत्री पद से नीतीश कुमार के इस्तीफे के बाद कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने अपनी पहली प्रतिक्रिया में कहा कि हमें पहले से मालूम था कि नीतीश कुमार पाला बदलेंगे. लालू-तेजस्वी ने पहले ही दी पाला बदलने की खबर. नीतीश आया राम, गया राम वाले नेता.

पलटने की पटकथा दो माह पहले लिखी जा चुकी थी

प्रियरंजन भारती (वरिष्ठ पत्रकार)

पटना में आज जो हुआ वह दो माह पहले ही तय हो चुका था कि नीतीश कुमार फिर से पलटी मारेंगे.खास बात यह कि मुझे इसकी भनक तभी लग गई थी.इसे मैं अपने यूट्यूब चैनल "आपके साथ मेरी बात" में लगातार दर्शकों से साझा करता रहा. चुनावी रणनीतिकार और अब जनसुराज अभियान के नेता प्रशांत किशोर भी नीतीश कुमार की लाचारी और उनके वास्तविक ठिकाने बीजेपी में ही अंतिम रूप से शरण लेने की भविष्यवाणी करते रहे हैं. दरअसल नीतीश कुमार के पलटने की पटकथा तो तभी लिख दी गई थी. जब पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजे सामने आये और भाजपा ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में अनुमानों को झुठलाते हुए शानदार जीत हासिल की थी.याद होगा तब महागठबंधन के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार तीन दिनों तक बीमारी के चलते मुख्यमंत्री आवास से बाहर नहीं निकल पाए थे. वास्तव में वह सदमें में थे. गिरिराज सिंह ने तब तंज भी कसे कि मुख्यमंत्री के स्वास्थ्य का मेडिकल बुलेटिन जारी होना चाहिए जिससे राज्य की जनता की चिंता का समाधान हो सके.बात बस इतनी सी ही है कि नीतीश कुमार बस दबाव की राजनीति करने के माहिर हैं और इसी दबावमूलक राजनीति के तहत वह जनाधार लुप्त हो जाने पर भी बिहार की सत्ता सियासत के सूरमा बने हुए हैं और दबाव बनाकर अपना मतलब साधने के लिए बार-बार दोनों खेमों की जरूरत बने रहते हुए पलटते रहते हैं.यह बहुत कम लोगों को ही पता है कि जब बीजेपी नेतृत्व को अहसास हुआ कि इस लोकसभा चुनाव में ''अबकी बार चार सौ पार ''लक्ष्य पाने कू लिए बिहार का अनुकूल होना जरूरी है और अनुकूलता के लिए नीतीश का साथ रहना भी जरूरी है तभी दिल्ली से इन्हें अपने निकट लाने की कार्ययोजना पर अमल शुरु कर दिया गया था.दो महीने पहले ही एक बड़े राजनेता और एक ब्यूरोक्रेट इस मिशन को साधने पटना पहुंचकर नीतीश से उनके राजकीय आवास जाकर मिले और वस्तुपरक सच्चाई उनके साथ साझा कर वापस लौट गये थे. नीतीश कुमार ने तभी तय कर लिया था जिसके संकेत बाद में अनेक मौकों पर प्रकट होते रहे हैं.यह रहस्य नीतीश कुमार समेत सिर्फ तीन लोगों को ही पता था कि उनको फिर से पलटी मारनी है. इसका मुहूर्त अब निकलकर आया.चार सौ पार करने का लक्ष्य साधने के साथ बीजेपी नेतृत्व यह भी कर डालना ज़रूरी समझ रहा था कि कांग्रेस और उसके नेतृत्व वाला विपक्षी गठबंधन पूरी तरह ध्वस्त होता दिखे. क्योंकि जीत का जश्न तब चौगुना हो जाता है जब विरोधी पस्त-ध्वस्त हो जाए. बीजेपी नेतृत्व इंडिया गठबंधन के सूत्रधार नीतीश कुमार को फिर गले लगाकर यही संदेश देना चाह रहा था जो अब पूरा हो चुका है. नीतीश कुमार ने एनडीए इस बात का दबाव बनाने के इरादे से छोड़ा था कि भाजपा उन पर दबाव बना रही थी. जबकि दबाव बनाना वह अपना एकाधिकार मानते हैं.अब जब वह फिर चौथी बार पलटे और एनडीए के मुख्यमंत्री बने हैं तब भी उनका वही एजेंडा दिख रहा है. नीतीश कुमार यह जानते समझते हुए भी कि न तो वह प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार बनाए जाएंगे,न ही कोई इसकी वैकेंसी है और ही विरोधी खेमे की पार्टियां खासकर आरजेडी के वोट उनके दल के उम्मीदवारों को मिल सकेंगे.इस कठोर सच्चाई ने भी उन्हें पलटने को विवश कर दिया.फिर नीतीश कुमार जो मुख्यमंत्री बने रहने के लिए कोई भी समझौता कर सकते हैं, किसी भी सूरत में सत्ता सौंपना नहीं चाहते थे और आरजेडी इस बात का निरंतर दबाव डाल रहा था जिससे बचकर निकल लेना ही एकमात्र विकल्प बचा था.अब वह जिन शर्तों पर भाजपा के साथ आए हैं उससे इतना इत्मिनान तो है कि जीत का संकट अब नहीं होगा.यह और बात है कि भाजपा इस बार ठोक बजाकर भरोसा करना चाहती है.कहे तो उसे अब भरोसा नहीं सिर्फ दरकार है.और इस बात की संभावना प्रबल है कि शायद फिर पलटने का अवसर तलाशने का मौका भाजपा इन्हें नहीं देगी.बल्कि इसकी आशंका अधिक हैं कि नीतीश कुमार को भाजपा अपनी ही बांहों में समेटकर अंतिम रूप से निबटा देगी.

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

नए मंत्रिमंडल को लेकर उपेंद्र कुशवाहा असहज महसूस रहे हैं

राष्ट्रीय लोक जनता दल के अध्यक्ष उपेंद्र कुशवाहा नये मंत्रिमंडल को लेकर असहज दिखे. भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उन्हें फोन कर शपथ ग्रहण में शामिल होने के लिए मनाया, इसके बाद वे माने और वापस लौटे. उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी के एक नेता ने बताया कि वे मौजूदा सियासी समीकरण में अपने को असहज महसूस कर रहे हैं. उपेंद्र कुशवाहा को पता था कि आज नये मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण होना है. लेकिन वे आज सुबह काराकाट संसदीय क्षेत्र के लिए रवाना हो गये थे. वे अरवल के पास पहुंचे थे कि बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नड्डा का फोन उन्हें आया. जेपी नड्डा ने उनसे शपथ ग्रहण में शामिल होने का न्योता दिया.

सूत्रों के मुताबिक पहले उपेंद्र कुशवाहा ने नड्डा से कहा कि उनका पहले से काराकाट संसदीय क्षेत्र में कार्यक्रम तय है और पार्टी के वर्कर इंतजार कर रहे हैं. लेकिन जेपी नड्डा ने उनसे शपथ ग्रहण में शामिल होने का आग्रह किया. नड्डा ने उनसे कहा कि बीजेपी फिर से आश्वस्त कर रही है कि उपेंद्र कुशवाहा से जो बात पहले हुई थी, उससे पीछे नहीं हटेगी. इसके बाद उपेंद्र कुशवाहा वापस लौटने और शपथ ग्रहण में शामिल होने पर राजी हुए. उपेंद्र के एक करीबी नेता ने बताया कि वे भले ही शपथ ग्रहण में शामिल होने को तैयार हो गये, लेकिन वे अभी भी सहज नहीं हैं.

लालू के तेवर और विज्ञापन बने तेजस्वी यादव के हथियार

बिहार की राजनीति 28 जनवरी की तारीख एकबार फिर नीतीश कुमार के पल्टी मारने की कड़ी के रुप में दर्ज हो गयी है. बिहार में नये सिरे एनडीए सरकार की सरकार बन गयी है. लेकिन यहीं से राष्ट्रीय जनता दल की राजनीति की नई शुरुआत हो चुकी है. राजनीति के मंझे खिलाड़ी राजद सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव के आक्रामक तेवर अब नीतीश की एनडीए सरकार को सदन से सड़क तक चुनौती देते नजर आएंगे. सड़क की लड़ाई की शुरुआत तो हो भी गई है. जदयू और भाजपा सरकार बनाने के सूत्र में उधर उलझे थे, उधर राजद जनता के बीच अपनी पैठ बनाने की एक्सरसाइज कर रही है. 28 तारीख को ही बिहार के अखबारों में पूरे पन्ने का विज्ञापन राजद की इस नई राजनीति की शुरुआत की कहानी कह रहा है.

राजद की तरफ से अखबारों में महागठबंधन सरकार के डेढ़ साल के अंदर किए गए तमाम विकास का श्रेय लेने वाला विज्ञापन छपवाया गया. इन अखबारों में तेजस्वी यादव अपने पूरे डेढ़ वर्ष के कार्यकाल में हुए कार्यों पर अपना दावा ठोकते नजर आ रहे हैं. राजद की ओर से जारी विज्ञापन में कहा गया है कि महागठबंधन सरकार के कार्यों के असली हकदार तेजस्वी यादव हैं. जाति आधारित गणना, आरक्षण का कोटा बढ़ाने से लेकर 4 लाख से अधिक शिक्षकों की बहाली को राजद ने तेजस्वी यादव की उपलब्धि बताई है.

नौकरी के श्रेय पर राजद ने ठोंका दावा: अब तो राजद इस प्रचार प्रसार में भी लग गया है कि नीतीश कुमार ने अपने 16 वर्षों की सरकार में जितनी स्थाई सरकारी नौकरी नहीं दी, उससे ज्यादा 18 महीने में तेजस्वी यादव के प्रभाव वाली महागठबंधन सरकार ने दी. राजद यहीं नहीं रुका, जातीय सर्वे, 75 प्रतिशत आरक्षण, शिक्षकों को राज्यकर्मी का दर्जा, जीविका दीदी, पंचायत प्रतिनिधि, टोला सेवक, मरकज आदि का मानदेय बढ़ाना, पुल पुलिया,सड़क निर्माण का भी श्रेय लिया है. हालांकि तेजस्वी यादव इसके पहले भी श्रेय लेने की होड़ में शामिल हो चुके थे. कई बार पोस्टरबाजी भी हुई थी.

दरअसल तेजस्वी यादव की नजर विधानसभा चुनाव 2025 पर टिकी है, ताकि जनता के बीच अपनी पहुंच बना सकें और अपने समर्थकों का विस्तार कर सकें.

सदन में भी नीतीश पर हमला बोलने की तैयारी में राजद: राजद की राजनीति यहीं खत्म नहीं हुई है. राजद के सूत्रों के अनुसार सदन के भीतर नीतीश सरकार को परास्त करने की तैयारी भी की जा रही है. सदन के सत्र में अविश्वास प्रस्ताव लाकर सरकार गिराने के आंकड़े जुटाए जा रहे हैं. कहा यह जा रहा है कि राजद के संपर्क में जो जदयू विधायक हैं उन्हें अविश्वास प्रस्ताव के दौरान अनुपस्थित कर सरकार गिराने के मैजिक आंकड़ा प्राप्त करने की रणनीति पर काम किया जा रहा है. हम के चार विधायकों को भी महागठबंधन से जोड़ने के लिए जीतनराम मांझी को सीएम पद तक का प्रलोभन दिया जा रहा है.

कद से कहीं बड़ा पद पा गए सम्राट

गणेश झा वरिष्ठ पत्रकार

बिहार में भाजपा के समर्थन से बनी नीतीश कुमार की नई सरकार में सम्राट चौधरी को उप मुख्यमंत्री बनाया जाना सबको आश्चर्य में डाल गया है. हर बिहारवासी को यही कहते सुना जा रहा है कि कद से कहीं ज्यादा बड़ा पद पा गए सम्राट चौधरी. सम्राट चौधरी के गृहनगर मुंगेर जिले के तारापुर में उनके उप मुख्यमंत्री बनने की खबर से जश्न का माहौल जरूर है पर इतना बड़ा पद मिलने से वहां के लोगों को भी घोर आश्चर्य ही हुआ है. तारापुर के जानेमाने सामाजिक कार्यकर्ता विजय नारायण कापरी की राय में बनाने को तो आप एक पत्थर को भी उप मुख्यमंत्री बना दीजिए, पर सम्राट चौधरी को उप मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा को कुछ भी हासिल नहीं होनेवाला. सम्राट चौधरी को उप मुख्यमंत्री बनाए जाने के पीछे भाजपा का जो भी गुणा-भाग रहा हो, पर राजनैतिक विष्लेषक सम्राट चौधरी को इस जिम्मेदारी के पद के लायक अनुभवी और काबिल बिल्कुल नहीं मानते. उनका मानना है कि सम्राट को उप मुख्यमंत्री बनाने के पीछे का मकसद बिहार की कुशवाहा जाति को साधने का है. जदयू भी इस फार्मूले पर चलती रही है. 55 साल के सम्राट चौधरी भारतीय जनता पार्टी के बिहार प्रदेश अध्यक्ष हैं. सम्राट चौधरी बिहार सरकार में 1999 में कृषि मंत्री और 2014 में शहरी विकास और आवास विभाग के मंत्री रह चुके हैं. सम्राट चौधरी 1990 से सक्रिय राजनीति में हैं. उन्होंने 19 मई 1999 को बिहार सरकार में कृषि मंत्री के पद की शपथ ली थी. उन्होंने वर्ष 2000 और 2010 में परबत्ता विधानसभा से चुनाव लड़ा था और विधायक निर्वाचित हुए थे. 2010 में उन्हें बिहार विधानसभा में विपक्षी दल के मुख्य सचेतक बनाया गया था. फिर 2 जून 2014 को उन्होंने बिहार सरकार में शहरी विकास और आवास विभाग के मंत्री पद की शपथ ली थी और कार्यभार संभाला था. वर्ष 2018 में भारतीय जनता पार्टी में उन्हें बिहार प्रदेश का उपाध्यक्ष बनाया गया था. वर्तमान में सम्राट चौधरी भारतीय जनता पार्टी के विधान परिषद सदस्य हैं. उनके राजनैतिक विरोधियों का कहना है कि सम्राट चौधरी एक दबंग राजनैतिक परिवार से आते हैं. उनके पिता शकुनी चौधरी की छवि अपने समय के एक बाहुबली राजनेता की कही है. वे मुंगेर जिले के तारापुर विधानसभा से कई बार विधायक और खगड़िया लोकसभा से एक बार सांसद भी रहे हैं. सम्राट चौधरी की माताजी पार्वती देवी भी तारापुर विधानसभा सीट से विधायक रही हैं. दबंगई और विवादों से भी इस परिवार का बहुत पुराना नाता रहा है, खासकर लोगों की जमीन कब्जाने के मामलों को लेकर. अगर सम्राट चौधरी के गृहनगर तारापुर की स्थानीय राजनीति की बात करें तो वहां बहुत खुशी की लहर है, खासकर इसलिए भी कि इस क्षेत्र से कोई राजनेता पहली दफा उप मुख्यमंत्री बना है. पर दूसरी तरफ तारापुर का एक विरोधी कुशवाहा खेमा इससे खासा मायूस भी है क्योंकि पिछले कुछ सालों से तारापुर पर उसी विरोधी खेमे का कब्जा है और जदयू के राजीव सिंह तारापुर से विधायक हैं. सम्राट चौधरी के ताकतवर बनने से राजीव सिंह का राजनैतिक कैरियर ध्वस्त होने का बड़ा खतरा है.

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

राशिफल

आचार्य प्रणव मिश्रा

मेष पंचम चंद्र है. विद्यार्थी वर्ग शोध कार्य व शैक्षणिक गतिविधियों में सफलता प्राप्त कर सकते हैं. स्वादिष्ट व्यंजनों का आनंद प्राप्त होगा. व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा. नौकरी मे कोई नया विचार क्रियान्वित हो सकता है.

वृषभ माता के स्वास्थ्य पर ध्यान दें. गलतफहमी से विवाद हो सकता है. भावनाओं पर अंकुश आवश्यक है. हितशत्रुओं से सावधान रहें. कारोबार ठीक चलेगा. आय होगी. चिंता बनी रहेगी.

मिथुन सुख में वृद्धि होगी. सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी. आय में वृद्धि होगी. कोई बड़ा कार्य प्रारंभ करने का मन बनेगा. व्यापार-व्यवसाय मनोनुकूल लाभ नहीं देगा. निवेश शुभ फल देगा. समय की अनुकूलता का लाभ लें.

कर्क यात्रा का योग है. आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी. जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे. आय में वृद्धि होगी. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. किसी मांगलिक कार्य में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा.

सिंह लग्न में चंद्र है. रोजगार में वृद्धि होगी. छोटी व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. भाग्य का सहारा रहेगा. परिवार में खुशी का माहौल रहेगा. चोट व रोग से बचें. किसी बड़ी समस्या से निजात मिल सकती है.

कन्या विदेशी मुद्रा के लाभ का योग है. खर्च अधिक होने से कर्ज लेना पड़ सकता है. किसी व्यक्ति के उकसावे में नहीं आएं. क्रोध व उत्तेजना पर नियंत्रण रखें. कीमती वस्तुएं संभालकर रखें. स्वास्थ्य का कमजोर रहेगा.

तुला आय के लिए किया गया प्रयास सफल होगा. लापरवाही न करें. व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. पुरानी लेनदारी वसूली के प्रयास सफल रहेंगे. कारोबार में वृद्धि होगी. जल्दबाजी न करें.

वृश्चिक पिता से लाभ होगा. सरकारी कार्य में गति आएगी. लेन-देन में जल्दबाजी न करें. शत्रुओं का पराभव होगा. आर्थिक नीति में बदलाव हो सकता है. कार्यप्रणाली में सुधार होगा. तत्काल लाभ नहीं मिलेगा. सामाजिक प्रतिष्ठा बढ़ेगी.

धनु धर्म से लाभ होगा. सामाजिक जीवन अच्छा होगा. अनहोनी की आशंका रह सकती है. कोर्ट-कचहरी तथा सरकारी मामलों की बाधा दूर होकर स्थिति अनुकूल रहेगी. लाभ के अवसर हाथ आएंगे. पूजा-पाठ आदि पर व्यय होगा.

मकर किसी से कहासुनी हो सकती है. पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है. वाहन व मशीनरी आदि के प्रयोग में लापरवाही न करें. कारोबार ठीक चलेगा. आय में निश्चितता रहेगी. आय को हरा घास दें.

कुंभ व्यापार के लिए किया गया प्रयास सफल होगा. दांपत्य जीवन में आनंद का वातावरण रहेगा. कानूनी अड़चन दूर होकर स्थिति लाभदायक बनेगी. आय में वृद्धि होगी. नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा. किये गए कार्य का लाभ होगा.

मीन कोई पुराना रोग फिर से उभर सकता है. व्यापार-व्यवसाय में कुछ लाभ होगा. स्थायी संपत्ति में वृद्धि के योग हैं. बेरोजगारी दूर करने के प्रयास सफल रहेंगे. जल्दबाजी में कोई व्यवहार न करें. विष्णु गायत्री का जाप करें.

पेज एक का शेष

बिहार में सियासी श्रृंगार की...

इन्हें किसी की परवाह नहीं है. कार्यकर्ता तो जर खरीद गुलाम होते ही हैं, पार्टी के नेताओं का जमीर भी खमीर बन जाता है. जिसके पास आत्मसम्मान, नैतिकता होगी वह सियासत में खपेगा ही नहीं. सियासत का तवायफी अंदाज जब अपने शबाब पर पहुंचता है, तब नीतियों, सिद्धांतों के सारे तार टूट जाते हैं, सभी कसाव ढीले पड़ जाते हैं. हवाओं का चरित्र बादल कहां समझ पाते हैं. इन फाहिशा हवाओं का चरित्र चित्रण करते समय तूलिका का रंग भी बिखर जाता है. जो शर्म, हया को खूंटी पर टांग कर जंग-ए-सियासत में उतरते हैं, उनसे बेशर्मी के सिवाय और क्या उम्मीद की जा सकती है. गलत थोड़े ही कहा गया है कि इश्क और जंग में सब जायज है. फिर सियासी इश्क में दिल कभी किसी पर आ जाता है और कभी किसी से भर जाता है. दोनों हालात में कुछ टूट फूट तो होती ही है. दिल को या तो मारना पड़ता है या पालना पड़ता है. मारने से कठिन है पालना. नेताओं के इस महारास की आलोचना करनेवाले अनुरागी चित्त की गति समझते ही नहीं है. यह जितना ही काले रंग (कामों) में डूबता है, उतना ही लक-धक सफेद हो जाता है. इतिहास बनाने के लिए बहुत से मूल्यों का इतिहास बनाना पड़ता है, बदनामी झेलनी पड़ती है, आलोचनाएं झेलनी पड़ती हैं. इसलिए ऐसे नेता शेमप्रूफ होते हैं. न हों तो पूछेगा कौन ? अभी हम आप सब बिहार की राजनीति में जुगुप्सा के जो दृश्य देख रहे हैं, वह अंतिम नहीं है. हमारे शास्त्रों में नेति-नेति कहा गया है. यानी यदि यह राम की माया का परिणाम है तो इतना ही नहीं होगा. कुछ और होगा, क्योंकि माया महाठगिनि हम जानी. लोकतंत्र की मिट्टी अभी पूरी तरह पलीद कहां हुई है. हमारे वैशाली के भग्नावशेषों में लिच्छिवी गणराज्य के प्रमाण जरूर हैं, लेकिन जो गणराज्य हमने बनाया है, उसे खंडहर बनाना बिहारी नेताओं का पुनीत कर्तव्य है. वे इसमें प्राण प्रण से लगे हैं और विश्वास है कि सफलता उनके कदम जरूर चूमेगी. थोड़ा लिखना, अधिक समझना, ज्यादा शुभ !

अभी खेल शुरू हुआ है...

जो मुख्यमंत्री कहता था कि सरकारी नौकरी देना असंभव है, उनसे हमने संभव बोलवाने का काम किया. जिस हिसाब से हमने विकास के काम किए, नई-नई नीतियां लेकर आए. टूरिज्म विभाग, आईटी विभाग हमारे पास था दोनों में हम पॉलिसी लेकर आए. स्पोर्ट्स पॉलिसी हम लोगों ने लाने का काम किया. जो खेलेगा और जो पढ़ेगा उसे भी सरकारी नौकरी मिलेगी. शिक्षा विभाग किसके पास था, वह भी आरजेडी के पास था. ये जो 17 महीने में काम हुआ है, वह ऐतिहासिक है, ऐसा देश में कभी भी नहीं हुआ है.

तेजस्वी यादव ने कहा कि बीजेपी और जेडीयू की सरकार के 17 साल बनाम हमारे 17 महीने की तुलना होनी चाहिए. एक विभाग ने वर्ल्ड रेकॉर्ड बनाने का काम किया. एक विभाग से 70 दिनों के भीतर 2 लाख से ज्यादा नियुक्ति पत्र बांटने का काम किया. 26 जनवरी को राज्यपाल ने अपने भाषण में भी साढ़े तीन लाख सरकारी नौकरी देने की बात कही. यह किसके राज में हुआ, यह किसका विजन था. तेजस्वी ने कहा कि जो थके हुए मुख्यमंत्री थे, उनसे इतना काम करवाया. उन्होंने कहा कि वह (नीतीश कुमार) क्या कह रहे हैं, मैं उसपर व्यक्तिगत कॉमेंट नहीं करना चाहता हूं. ना हममें गुस्सा है, ना नाराजगी है, हमने बेहद संयम से गठबंधन धर्म का पालन किया है. उसी हिसाब से आगे भी जनता के बीच अपनी बात रखेंगे. लेकिन एक बात कहूंगा कि अभी खेल शुरू हुआ है, अभी खेल बाकी है. मैं जो कहता हूं, वह करता हूं. आप लिखकर ले लीजिए जदयू 2024 में ही खत्म हो जाएगी. यह निश्चित रूप से लिखकर रख लीजिए. मेरा स्पष्ट रूप से मानना है कि जनता हमारे साथ है. मैं बीजेपी को धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने जेडीयू को अपने साथ ले लिया.

बड़ा आरोप : एक दर्जन से अधिक गोवंश थे वाहन में लोड

गो रक्षा दल ने जिस वाहन को पकड़ा,थानेदार ने छोड़ दिया

संवाददाता। धनबाद

धनबाद के जीटी रोड में गो तस्करी खुलेआम हो रही है. वाहनों में ठूंस-ठूंस कर गोवंश इस रास्ते से बंगाल जा रहे हैं. गो रक्षा दल द्वारा वाहनों को पकड़ने के बाद भी पुलिस द्वारा बिना किसी कार्रवाई के वाहनों को छोड़ दिया जा रहा है. कुल मिलाकर गोवंश की तस्करी में पुलिस वाले रुपये वसूल रहे हैं. ये आरोप गो रक्षा दल के अध्यक्ष सुमंत शर्मा ने लगाया है. उन्होंने बताया कि शनिवार की रात करीब एक बजे एक पिकअप वैन में गो तस्कर लगभग एक दर्जन से अधिक गोवंश उसमें लोड होंगे. इस वाहन को पकड़ा गया और कागजात आदि के बारे में पूछ कर थानेदार को फोन किया गया. मैथन ओपी प्रभारी को फोन करने के बाद पूरे मामले की जानकारी दी गई. इस पर थानेदार ने कहा कि पहले डीएसपी अमर पांडेय से बात कर लीजिए. इस पर सुमंत शर्मा ने उनकी बात को रिकार्ड कर लिया. दोनों के बीच करीब तीन मिनट 44 सेकेंड बातचीत हुई. इस पूरी बातचीत में सुमंत शर्मा कई बार कह रहे हैं कि तस्करों के खिलाफ कार्रवाई की जाए. जबकि थाना प्रभारी बार-बार डीएसपी से बात करने को कह रहे हैं. बाद में उक्त वाहन को छोड़ दिया गया. हैरान करने वाली बात ये भी है कि इस वाहन को पुलिस गश्ती टीम ने स्कॉट करते हुए लेकर गई. इस का वीडियो भी बनाया गया. जो शुभम संदेश कार्यालय लाकर सौंपा गया है.

शुभम संदेश के पास है थानेदार से बातचीत का ऑडियो-वीडियो

थानेदार ने कहा- डीएसपी से बात कीजिए तभी कार्रवाई

डीएसपी की आड़ में बचते हैं थानेदार

सुमंत शर्मा ने कहा कि इस इलाके में जब भी गो तस्करी के मामले का भंडाफोड़ किया जाता है तो थानेदार सीधे कहते हैं, मामले की खबर डीएसपी को दीजिए. डीएसपी जैसा कहेंगे वैसा ही किया जाएगा. ऐसे में हम तो यही समझ रहे हैं कि धनबाद में गो तस्करी का काम डीएसपी के संरक्षण में हो रहा है.

पूर्व प्रभारी हो चुके हैं निलंबित : मैथन के पूर्व थाना प्रभारी को एसएसपी एचपी जर्नादन ने गो तस्करी के मामले में संदिग्ध पाते हुए निलंबित कर दिया था. वरीय अधिकारियों की कड़ी कार्रवाई के बावजूद भी पुलिस का रवैया समझ से परे है. सुमंत बताते हैं कि वे जल्द ही एसएसपी से मिलकर मामले की शिकायत करेंगे.

जंगली हाथियों ने रात भर जम कर मचाया उत्पात

संवाददाता। सोनाहातू

प्रखंड क्षेत्र के बारेंदा पंचायत अंतर्गत मारांगकिरी-चरकुडीह गांव में शनिवार रात को जंगली हाथियों का झुंड ने गांव को चारों तरफ से घेर कर उत्पात मचाया. ग्रामीण वन विभाग के रवैये से काफी आक्रोशित है. चरकुडीह के दिगंबर महतो के एक एकड़ खेत में लगे गन्ने को हाथियों ने मन भर खाया और नष्ट कर दिया. मंगल महतो के खलियान में रखे धान को भी तहस-नहस कर दिया.

जहरलाल महतो, कुइलू महतो व कमलकिशोर महतो के खेत में लगे आलू की फसल खाया और नष्ट कर दिया. हाथियों का झुंड गांव में तीन भागों में अलग अलग बंट गया है, जिसके कारण ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा. ग्रामीणों ने रात भर जाग कर पटाखे और मशाल के मदद से गांव में हाथियों को प्रवेश करने से रोके रखा. ग्रामीणों के अनुसार हाथियों की संख्या 40 से 45 है. हाथियों का झुंड गांव के पास ही जंगल में रुका है. हाथियों को भगाने को लेकर वन विभाग द्वारा दिन भर कोई पहल नहीं की गई.

खास बातें

- शाम होते ही बारेंदा पंचायत के गांवों में व्याप्त हो रहा है दहशत का माहौल
- अब तक वन विभाग की ओर से कोई पहल नहीं, ग्रामीणों में छाया आक्रोश

राज्य सम्मेलन : घासी समाज के नायक बने संदीप टाइगर

संवाददाता। लापुंग

घासी समाज को सशक्तीकरण के लिए अपनी परंपराओं, रीति-रिवाज एवं गौरवशाली संस्कृति को बचाए रखने की जरूरत है. उक्त बातें प्रखंड के ककरिया हाई स्कूल मैदान में रविवार को झारखंड प्रदेश घासी (नायक) समाज के एक दिवसीय राज्य स्तरीय सम्मेलन के दौरान बतौर मुख्य अतिथि पद्मश्री और प्रसिद्ध लोक कलाकार मुकुंद नायक ने कही. उन्होंने कहा कि हम अपनी संस्कृति एवं सभ्यता को आने वाली पीढ़ी को सौंपें, ताकि हमारा समाज और मजबूत हो सके.

कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे महावीर नायक ने समाज को शिक्षित करने पर बल दिया. वहीं घासी समाज महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष कमला पाठक नायक ने कहा कि किसी भी समाज के विकास के लिए महिलाओं का सशक्तीकरण होना बहुत जरूरी है. उन्होंने समाज के लोगों से महिलाओं के हक के लिए भी आवाज बुलंद करने की मांग रखी. विशिष्ट अतिथि भानु नंदू बाबा ने कहा कि हमारा समाज का इतिहास काफी समृद्ध रहा है. इससे पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ मुकुंद नायक, घासी समाज के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सह लोक कलाकार महावीर नायक, राष्ट्रीय गौरव अवार्ड से सम्मानित एवं सीनेट सदस्य सह पूर्व विधायक रामचंद्र नायक तथा डॉ. रिझु नायक सहित अन्य अतिथियों ने संयुक्त रूप से भारत माता एवं बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण और दीप प्रज्ज्वलित कर किया.

अखबर विक्रेताओं ने मनायी पिकनिक

बुंडू। झारखंड समाचार पत्र विक्रेता संघ द्वारा दशम फॉल में पिकनिक का आयोजन किया गया. इसमें रांची शहरी क्षेत्र के सभी सेंटरों से समाचार पत्र विक्रेता सपरिवार शामिल हुए. इस अवसर पर स्थानीय सभी समाचार पत्र के प्रतिनिधि भी अपनी शामिल थे. इस पिकनिक में समाचार पत्र वितरकों में गंगा प्रसाद राय, अहमद अंसारी, गोरखनाथ, अनिल साहू, कृष्णा यादव, ऋषभ अग्रवाल, उपेंद्र वर्मा, बैजनाथ राय, फेकन राय, उदय झा, नागेंद्र पांडेय, आनंद देशमुख, बुधेश्वर, बबलू, निलेश आदि वितरक सपरिवार शामिल थे.

नदी के पास युवक का शव बरामद

तमाड़। पुलिस ने मल्हान भुइयाडीह पंचायत के पालना स्थित करकरी नदी के समीप एक युवक का शव बरामद किया है. मृतक की पहचान इंचागढ़ थाना क्षेत्र के सालुकडीह निवासी नारायण महतो के रूप में की गई है. पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए रिम्स रांची भेज दिया. स्थानीय लोगों का कहना है कि शनिवार देर रात युवक की कहीं और हत्या कर साक्ष्य छुपाने के लिए यहां लाकर फेंक दिया गया. सुबह ग्रामीणों ने नदी की ओर शव देखा.

युवा महोत्सव सह टुसू मेला पर उमड़ी भीड़

लोककला दर्शाता है टुसू : चंद्रप्रकाश

संवाददाता। अनगड़ा

सिरका पंचायत के पिपरा टांड़ में रविवार को युवा महोत्सव सह टुसू मेला का भव्य आयोजन हुआ. मेले का शुभारंभ सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी, मेला समिति के अध्यक्ष रोशन मुंडा, प्रमुख दीपा उरांव, पूर्व विधायक रामकुमार पाहन, डॉ. अमर कुमार चौधरी, भाजपा ग्रामीण जिला उपाध्यक्ष मनोज चौधरी, भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष नरेश साहू, पंसस सावित्री देवी, धनेश्वर महतो, किशुन राम मुंडा व मनोज मुंडा ने संयुक्त रूप से किया.

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए गिरिडीह सांसद चंद्र प्रकाश चौधरी ने कहा कि रंग-बिरंगे टुसू झारखंड की लोक कला को दर्शाते हैं. इसमें हजारों की संख्या में लड़कियां टोली बना कर यहां की धरोहर और पारंपरिक गीत को प्रस्तुत करते हुए मेला स्थल पहुंचते है और इसकी शोभा बढ़ाते हैं. उन्होंने कहा कि मेला दो दिलों को जोड़ता है. कई अनजान लोगों में रिश्ता बनता है. इस तरह के मेले में लोग सुख- दुख बांटते हैं. मेला समिति के सचिव साहेबराम महतो ने बताया कि मेला का उद्देश्य युवाओं को अवसर उपलब्ध करा कर एक नये अध्याय की शुरुआत करना है.

कार्यक्रम का संचालन धर्मेंद्र सिंह ने किया. मेले में नागपुरी जगत के कलाकारों ने गीत व नृत्य प्रस्तुत किया. मेले में बालिका फुटबॉल, मुर्गा लड़ाई, टुसू प्रदर्शनी, समाजिक कार्यक्रम सहित समाज में बेहतर कार्य करने वाले लोगों सम्मानित किया गया. आयोजन को सफल बनाने में अजीत महतो, पारस महतो, विपिन मुंडा, संजय महतो, प्रणव महतो आदि की महती भूमिका रही.

कांग्रेस की न्याय यात्रा को सफल बनाने को लेकर तमाड़ में बूथ प्रतिनिधि सम्मेलन

गंदी राजनीति से गठबंधन टूटने वाली नहीं : राजेश

संवाददाता। तमाड़

रायडीह में कांग्रेस की न्याय यात्रा को सफल बनाने को लेकर एक दिवसीय तमाड़ विधानसभा स्तरीय बूथ प्रतिनिधि सम्मेलन का आयोजन किया गया. इसमें कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर, खूंटी लोकसभा प्रभारी बंधु तिर्की, ग्रामीण कांग्रेस जिला अध्यक्ष डॉ. राकेश किरण महतो, तमाड़ प्रभारी अन्युल हक, लोकसभा प्रत्याशी कालीचरण मुंडा, प्रखंड अध्यक्ष संजय सेठ, बुंडू प्रखंड अध्यक्ष मनोहर महतो, अड़की प्रखंड अध्यक्ष बसंत सेठ, वरीय उपाध्यक्ष अजय साहू आदि शामिल रहे.

कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कालीचरण मुंडा ने कहा कि आज पूरे देश की राजनीति में विकास के नाम पर लोगों को ठगने का काम किया जा रहा है. महंगाई अपने चरम पर पहुंच गई है. आम जनता की थाली से दाल और सब्जी गायब है. सरकारी संपत्तियों को मोदी सरकार प्राइवेट हाथों में देकर पूजीपतियों को कमाई का जरिया दे रही है. इसलिए राहुल गांधी पूरे देश में घूम-घूम कर न्याय यात्रा निकाल रहे हैं. उन्होंने यही भी कहा कि खूंटी लोकसभा क्षेत्र में पिछले पांच सालों में एक भी बड़ी योजना लागू नहीं की गई. गरीब वर्ग से लेकर मध्यम वर्ग तक महंगाई से परेशान है.

वहीं, प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने अपील की कि मोदी सरकार के मनमाने रवैये से परेशान लोगों को एकजुट करते हुए राहुल गांधी के हाथों को मजबूत करें. साथ ही ज्यादा से ज्यादा संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ताओं को न्याय यात्रा में शामिल हों. उन्होंने कहा कि बिहार में जिस तरह की गंदी राजनीति हुई, उससे मन दुखी है. लेकिन, इंडी गठबंधन इससे टूटने वाली नहीं है, बल्कि और मजबूत होकर चुनावी मैदान पर उतरेगी. ईडी पर उन्होंने कहा कि यह एजेंसी केंद्र सरकार के हाथों की कठपुतली बनकर रह गई है.

रणनीतिक मंथन

- आम जनता की थाली से दाल और सब्जी गायब : मुंडा
- केंद्र सरारकार पर विकास के नाम पर ठगने का आरोप

न्यूज अपडेट

पेंशनर समाज ने चलाया सड़क सुरक्षा अभियान

इटकी। प्रखंड क्षेत्र में आये दिन हो रहे सड़क दुर्घटना को लेकर झारखंड राज्य पेंशनर समाज इटकी शाखा के तत्वावधान में हेलमेट लगाओ-जीवन बचाओ यात्रा का आयोजन किया गया. अभियान की शुरूआत बाजार टांड़ स्थित जेपी चौक पर नुक्कड़ नाटक के आयोजन से हुई. इस दौरान दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट पहननने की अपील की गई. जत्थे को थाना प्रभारी अमित प्रशांत, पूर्व जिप सदस्य लाल रामेश्वर नाथ शाहदेव, विनोद कुमार सिन्हा ने सयुंक्त रूप से तिरंगा झंडा दिखा कर रवाना किया. यह यात्रा गुलजार रोड, त्रिबिंधा चौक, साहेब मोड़, प्रखंड मुख्यालय, पावर हाउस, स्टेशन रोड, देवी मंडप चौक होते हुए पुनः जेपी चौक पहुंच कर संपन्न हुई. मौके पर पेंशनर समाज के अध्यक्ष हाजी मुश्ताक अहमद, विनोद सिन्हा, देवेंद्र महतो, अजीत केशरी, बलराम गोप, हाजी मुजाहिद, शिबू महतो, सरिता, सरोज, सतीश होरो, जगदीश गोप, किशोर गोप, मो. सज्जाद सहित अन्य मौजूद थे.

अखरा टोली में धूमकुड़िया भवन की छत ढलाई

इटकी। अखरा टोली में रविवार को धमकुड़िया भवन के छत का ढलाई की गई. सरना युवा संघ के अध्यक्ष बीरा उरांव के नेतृत्व में इटकी अखरा टोली, कठहल टोली, बिड़पी टोली, झाखरा टोली, खोरखा टोली, महुआ टिकरा और चाकबाड़ी के आदीवासी समुदाय के लोग छत ढलाई कार्य में शामिल होकर श्रमदान किया. छत ढलाई कार्य से पूर्व पहान अमन उरांव और पनभरा बीजो उरांव ने विधिवत पूजा-अर्चना की.

विधायक ने किया आवास निर्माण का शिलान्यास

बुंडू। बीडीओ, सीओ, पर्यवेक्षक, तृतीय व चतुर्थवर्गीय कर्मचारियों के आवास के साथ परिसर के विकास कार्य का शिलान्यास स्थानीय विधायक विकास कुमार सिंह मुंडा ने किया. इस अवसर पर विधायक ने कहा कि बुंडू प्रखंड भवन बनने के बाद उसका उद्घाटन भी हो गया है. अब प्रखंड के अधिकारियों और कर्मियों के रहने और उसमें मूलभूत सुविधाएं बहाल करने हेतु इस परिसर में निर्माण कार्य कराया जा रहा है. यह कार्य 5.5 करोड़ की लागत से होगा. मौके पर कलेश्वर मुंडा, अरविंद कुमार व अन्य मौजूद थे.

नल-जल के अधुरे कार्य को पूरा करने की मांग

बुंडू। प्रखंड के एदलहातु गांव में सरकार की घर-घर नल जल योजना चल रही है. लेकिन यहां के ठीकेदार योजना अधुरा रहते ही इसे फाइनल करने की तैयारी में है. गांव के दर्जनों ग्रामीण इसका विरोध कर रहे हैं. ग्रामीणों का आरोप है कि जलापूर्ति के लिए लगा पाइप लाइन में जगह जगह लीकेज है. इसलिए पहले इसे ठीक किया जाए, फिर योजना फाइनल हो. इस प्रकार के काम से लोगों के घरों में पानी नहीं पहुंच रहा है.

सुकून

आज फिर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 'परीक्षा पे चर्चा' करेंगे. परीक्षा पे चर्चा 2024 के लिए करोड़ों छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों ने रजिस्ट्रेशन कराया. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्कूली छात्रों, शिक्षकों और अभिभावकों के साथ बातचीत का कार्यक्रम 'परीक्षा पे चर्चा' का यह सातवां संस्करण है.

'परीक्षा पे चर्चा'

तनाव को सफलता में बदलना है उद्देश्य

डीपी पटेल
(उपायुक्त, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, क्षेत्रीय कार्यालय रांची)

'परीक्षा पे चर्चा' कार्यक्रम की शुरुआत साल 2018 में की गई थी. उसके बाद से हर साल, कभी ऑनलाइन मोड में तो कभी ऑफलाइन मोड में यह आयोजित की जाती रही है. भारत जैसे विशाल और सामाजिक - आर्थिक विविधताओं से परिपूर्ण राष्ट्र में प्रधानमंत्री के द्वारा 'परीक्षा पे चर्चा' जैसे आयोजन की शुरुआत अपने आप में अनूठा और अत्यंत दूरदर्शी कदम है. नामांकन के बाद स्कूल में ख़ासकर परीक्षा के समय छात्रों, शिक्षकों, अभिभावकों को किन परिस्थितियों से गुजरना पड़ता था यह किसी सरकार की चिंता का विषय नहीं होता था. लेकिन पथप्रदर्शक की भूमिका में प्रधानमंत्री ने नई पीढ़ी को बदलते समय में उभरते हुए सवालों के जवाब के साथ एक नई दिशा देने की चेष्टा की है.

एक अनूठी पहल

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो (एनसीआरबी) द्वारा भारत में आकस्मिक मृत्यु और आत्महत्या 2022 पर जारी ताजा रिपोर्ट के अनुसार, 2022 में भारत में 13,000 से अधिक छात्रों ने आत्महत्या की है. 2022 में आत्महत्या से होने वाली सभी मौतों में 7.6% छात्र थे जिनमें से अधिकांश नौवीं और दसवीं के छात्र थे. इनके पीछे कारणों की तलाश करने पर परीक्षा का भय, तनाव, माता-पिता और अभिभावकों की एक सीमा से अधिक उम्मीदें, आत्मविश्वास की कमी के साथ लगातार बढ़ते शहरीकरण और एकल परिवारों में बढ़ोतरी के चलते समाज में स्थिति और भी भयावह साबित हो रही है. ऐसे में हमारी भावी पीढ़ी को 'परीक्षा पे चर्चा' के माध्यम से स्वयं प्रधानमंत्री मोदी का अनुभवी मार्गदर्शन प्राप्त हो रहा है. 'परीक्षा पे चर्चा' आयोजन अपने आप में लोकतांत्रिकता और समावेशिता का बहुत बड़ा उदाहरण है. इसमें प्रतिभागी किसी ख़ास वर्ग, क्षेत्र, उम्र या जातियों और धर्मों के न होकर भारत के सभी राज्यों बल्कि विदेशों से भी होते हैं. प्रधानमंत्री की सर्वाधिक बिकने वाली पुस्तक "एग्जाम वॉरियर्स" भी इस पहल को प्रोत्साहित कर रही है.

जिंदगी परीक्षा से आगे भी

परीक्षा पर चर्चा के पिछले संस्करण में वे कहते हैं कि परीक्षाओं के महत्व से इंकार तो नहीं किया जा सकता है पर हमें यह तय करना और समझना होगा कि क्या यह स्कूली परीक्षाएं हमारे जीवन की एकमात्र कसौटी हैं? 10वीं एवं 12वीं कक्षा का स्कोरकार्ड ही किसी के जीवन का नियंता हो सकता है अथवा विद्यार्थी स्वयं भी अपना जीवन बिना स्कोरकार्ड के भी निर्मित कर सकता है. वह जोर देते हुए कहते हैं कि परीक्षा के गलियारों से निकली हुई ज़िंदगी ही ज़िंदगी नहीं होती है; उसके बाहर भी बहुत बड़ी दुनिया होती है. अनेक सफल लोगों के उदाहरण देकर वे समझाते हैं कि जीवन में सफलता प्राप्त करने, कुछ नया और अलग करने और एक आदर्श स्थापित करने के लिए स्कोरकार्ड का महारथी होना ही आवश्यक नहीं है. परीक्षाएं हमारे जीवन का एक सहज हिस्सा होती हैं. हमें यह मानते हुए चलना चाहिए कि परीक्षा हमारी विकास यात्रा में एक और मील का पत्थर है. इसलिए तनाव न लेते हुए परीक्षाओं को उत्सव की तरह देखना और मनाना चाहिए. प्रारंभिक तौर पर तो यह बच्चों का मनोबल बढ़ाने का प्रयास दिखाई देता है पर वास्तव में यह स्वाभिमान और आत्मसम्मान से युक्त जीवन की आधारशिला तैयार करने में सहायक होगी.

बहरहाल यह कार्यक्रम शिक्षकों और समाज को एक साथ लाने के प्रयासों से प्रेरित है ताकि एक ऐसे वातावरण को बढ़ावा दिया जा सके जहां प्रत्येक बच्चे के अद्वितीय व्यक्तित्व का उत्सव मनाया जा सके, प्रोत्साहित किया जा सके, और आत्माभिव्यक्ति की अनुमति दी जा सके.

दरकार थोड़ी अधिक संवेदनशीलता की

डॉ सिद्धार्थ सिन्हा
वरीय मनोरोग विशेषज्ञ
रिनपास, रांची

डीपीएस, रांची के दसवीं के छात्र ने पिछले दिनों इसलिए आत्महत्या कर ली, क्योंकि मां पढ़ाई के लिए डांटी थी. बेशक ऐसी खबरें हमें दुखी करती हैं, पर अब चौंकाती नहीं. परीक्षा के मौसम में ऐसी खबरें अब बेहद आम है. इधर परीक्षा की तारीखें सामने आईं और उधर बच्चों की आत्महत्या की खबरों में तेजी आने लगीं. राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो की रिपोर्ट के मुताबिक 2022 में भारत में 13000 से अधिक छात्रों की आत्महत्या से मृत्यु हुई.

स्कूल स्तर पर लापरवाही

ऐसी घटनाओं के जिम्मेदार कई हैं. स्कूलों की बात करें तो बड़े से बड़े स्कूल इस मामले में अनदेखी करते हैं. मानसिक स्वास्थ्य पर बच्चों को जागरूक करना कहीं से उनकी प्राथमिकता नहीं. हर तरह के कार्यक्रम करते हैं लेकिन मानसिक स्वास्थ्य पर उनके कार्यक्रम शून्य होते हैं. झारखंड की ही बात करें तो कहने के लिए ज्यादातर स्कूलों में काउंसलर हैं. लेकिन जांच कीजिए तो पता चलेगा की कोई लाइसेंस होल्डर काउंसलर नहीं है. किसी शिक्षक में इतनी सजगता नहीं रहती कि वे छात्र के व्यवहार बदलाव का समय पर आंकलन करे और उसे मनोचिकित्सक के पास भेजने के लिए अभिभावक को आगाह करे. टीबी, एचआईवी जैसे रोगों के बारे में अवेयरनेस आने से उनमें कमी आई है. अवसाद जैसे मानसिक रोगों के लिए भी ऐसे ही अवेयरनेस की दरकार है.

अभिभावक सजग रहें

डीपीएस, रांची के छात्र का उदाहरण ही लें तो उसका यह कदम एक दिन का परिणाम नहीं होगा. उसके व्यवहार में निश्चित बदलाव आया होगा. स्वभाव में चिड़चिड़ापन होना, स्कूल से लगातार शिकायतों का आना, पसंद की चीजों/कामों में अचानक अरूचि...अगर ऐसा व्यवहार बच्चे में दिख रहा तो तत्काल मनोचिकित्सक से संपर्क करें. अगर आप आर्थिक तौर पर कमजोर वर्ग से हैं तब भी रांची में रिनपास में संपर्क करें. यहां मुफ्त में सहायता की जाएगी.

रिनपास के मुफ्त हेल्पलाइन 9471136697 पर 24 x 7 दिन-रात में कभी भी कॉल कर मुफ्त सहायता ली जा सकती है.

पढ़ाई-पढ़ाई और पढ़ाई...परीक्षा के मौसम में हर घर में यही शब्द बार-बार गूंज रहे. पढ़ाई और परीक्षा का खौफ बच्चों ही नहीं, उनके पैरेंट्स की भी नींद उड़ा रहा. ऐसे में अंतिम समय में कैसे करें तैयारी, इस विषय पर शिक्षाविद् और साहित्यकार कविता विकास ने डीएवी कोयलानगर, धनबाद के कुछ वरीय शिक्षकों से बात की, जो अनेक सालों से सीनियर कक्षाओं में अपनी सेवाएं दे रहे हैं. उनके दिशा निर्देश अवश्य ही विद्यार्थियों के काम आएंगे.

बोर्ड परीक्षा – लास्ट मिनट के टिप्स

अंकों की दौड़ में उलझे बिना बस पढ़ाई पर करें फोकस

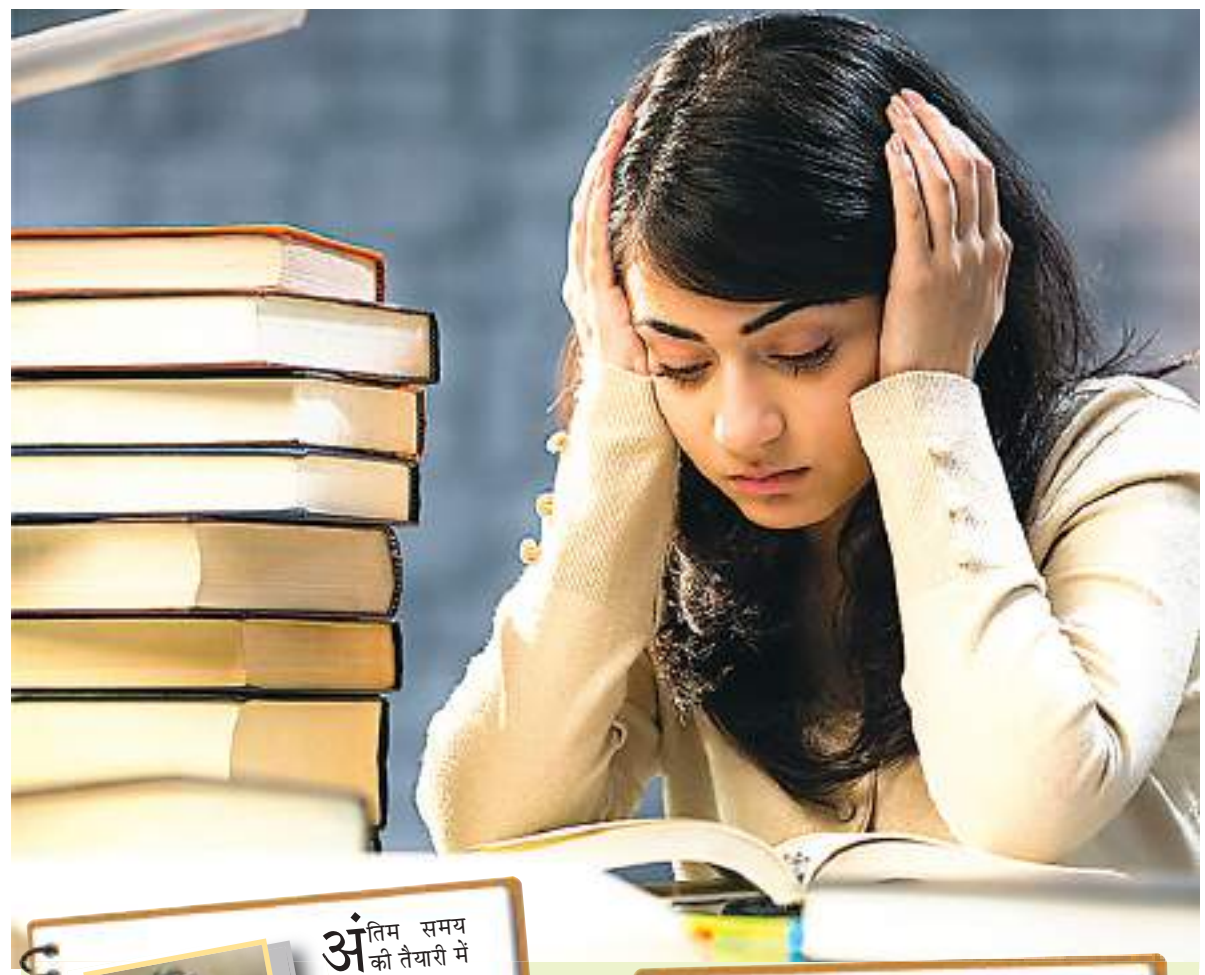

कविता विकास

अंकों की दौड़ में अव्वल आने की क़वायद से दूर रहने की हिदायत भले ही दी जाए, लेकिन दिल के किसी कोने में बच्चे और अभिभावक की यह चाहत रहती ही है कि वह भी नब्बे प्लस वाला हो. आकांक्षा न हो तो जीने का मज़ा भी नहीं है. आकांक्षाएं ही मेहनत को प्रेरित करती हैं, वरना ज़िंदगी तो बिन रडार वाली वायुयान की तरह हो जायगी जिसे हवा के झोंके कहीं भी उड़ा दें. लेकिन, आकांक्षाएं जब महत्त्वाकांक्षाओं में तब्दील हो जाती हैं तो रातों की नींद उड़ जाती है और लक्ष्य हासिल न हो तो परिणाम बुरा भी हो सकता है. अब बोर्ड की परीक्षाएं नज़दीक हैं. साल भर की पढ़ाई, टेस्ट्स और गाइड के बाद भी लास्ट मिनट की तैयारी बहुत मायने रखती है. पाठ्यक्रम में जो भी बदलाव हुए हैं, वो विद्यार्थियों के हित में ही हैं, मसलन आंतरिक आकलन, परियोजना कार्य और विविध प्रकार के टेस्ट्स जिनमें थोड़ी पर निरंतर तैयारी से ही अच्छे अंक आ सकते हैं.

एमपी मांझी
केमेस्ट्री शिक्षक

बच्चों को सेंटर पर जाने के कम से कम डेढ़ घंटे पहले पुनरावृत्ति छोड़ कर पूरी तरह दबावमुक्त रहना चाहिए. प्रश्न समझ न आने पर हिंदी अनुवाद भी देखें. जिन प्रश्नों के उत्तर अच्छी तरह जानते हों, उन्हें पहले लिखें. केमेस्ट्री में भाषा से ज़्यादा महत्त्वपूर्ण है फ़ॉर्मुला और रिएक्शन. अतः इनका अभ्यास लिख - लिख कर करें. एनसीईआरटी किताबों में दिए गए क्रिया कलापों पर भी फ़ोकस करें. अंतिम 20 मिनट में पुनः उत्तर पुस्तिका को पूरी तरह जांच लें. समय रहते कुछ पाठ जिन्हें महत्त्वपूर्ण बताया गया है, उन्हें ज़रूर देख लें.

आशीष चौबे
अंग्रेज़ी शिक्षक

छात्रों को राईटिंग स्किल और लघु लेखों पर ध्यान देना चाहिए. फ़ोर्मेट बेस्ड प्रश्नों की पूरी जानकारी हो. बड़े निबंध के लिए सम - सामयिक विषयों पर फ़ोकस हो जिनपर अपने विचार का समावेश करें. जिस सेक्शन के प्रश्न अच्छी तरह पता हों, उन्हें पहले करें. पढ़ने के लिए दिया जाने वाला समय को अनुच्छेद पढ़ने में लगाएं और उत्तर सोच लें. मांगी हुई शब्द संख्या से ज़्यादा न लिखें. आत्मविश्वास तभी आएगा जब सारे पाठों को अच्छी तरह पढ़ा जाएगा, लेखक और पाठ के नाम के साथ. उत्तर में भूमिका नहीं, जो मांगा गया हो, वही लिखें. आत्मविश्वास के साथ लिखें. लेकिन समय प्रबंधन भी ध्यान में रहे.

रीना कुमारी
हिन्दी शिक्षिका

एक समय सारणी सुनिश्चित करें. उन पाठों से अपनी पढ़ाई की शुरुआत करें जो पाठ आपको सबसे आसान लगते हैं. नियमित रूप से पढ़ाई करें. इस तरह से धीरे-धीरे आपका आत्मविश्वास बढ़ता जाएगा और पाठ्यक्रम भी कवर होता जाएगा. इसके उपरांत सीबीएसई द्वारा जारी किए गए प्रतिदर्श प्रश्न पत्र एवं पिछले साल के प्रश्न पत्रों का हल करें. छात्र निर्धारित समय के भीतर ही लिखित अभ्यास करें. लिखित अभ्यास करने से आपका समय प्रबंधन बेहतर होगा और आत्मविश्वास भी बढ़ेगा. सोशल मीडिया से दूर रहें. संतुलित आहार और अच्छी नींद ले. स्वयं पर विश्वास रखें और तनाव मुक्त रहें.

आरके श्रीवास्तव
बायोलॉजी शिक्षक

अंतिम समय की तैयारी में चैप्टर का सारतत्त्व पढ़ लें, पुनरावृत्ति के समय हर चैप्टर के मूल तत्त्व को लिख कर रख लें. कम से कम पांच साल के सैम्पल पेपर्स को अवश्य हल करें जिससे प्रश्नों के पैटर्न समझ में आ जाएं. पाठ के कॉन्सेप्ट को अवश्य समझ लें. चित्रों का लेबल के साथ अभ्यास हो. ग्राफ से जुड़े प्रश्न का अभ्यास कर लें. फ्लो चार्ट, लाइफ सायकल और टेबल को एनसीईआरटी किताबों से पढ़ें. उत्तर के मुख्य बिंदु को रेखांकित कर दें. उत्तर को पॉईंट में लिखें और शीर्षक अच्छी तरह अलग-अलग लिखें.

- मोबाइल -सोशल मीडिया से दूरी बनाएं.
- सैंपल पेपर को हल करें.
- फ़ॉर्मुला और रिएक्शन का लिख-लिख कर अभ्यास करें..
- फ्लो चार्ट, लाइफ सायकल और टेबल को एनसीईआरटी किताबों से पढ़ें.

मुकेश तिवारी
गणित शिक्षक

गणित में एनसीईआरटी की किताब के साथ पिछले वर्षों के प्रश्न पत्रों को हल करें. बाजार में उपलब्ध सैंपल पेपर हल करें एवं सीमित समय में प्रश्नों के उत्तर देने की अपनी गति और सटीकता में सुधार करें. मोबाइल एवं सोशल मीडिया से दूरी बनाएं. थकान से बचने एवं फोकस बनाए रखने के लिए बहुत देर तक पढ़ाई के दौरान बीच-बीच में छोटे-छोटे ब्रेक लें. शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य पर ध्यान दें पर्याप्त नींद ले और खानपान अच्छा रखें. अपनी कॉपी, किताब और नोट्स को व्यवस्थित रखें ताकि उनको खोजने में आपका कीमती समय व्यर्थ न जाए.

अनुभवी शिक्षकों की सलाह को देखें तो आप जान जाएंगे कि सभी विषयों में सकारात्मक दृष्टिकोण बनाए रखने और सफल होने की अपनी क्षमता पर विश्वास रखने की सलाह सभी ने दी है. विज्ञान, कला या वाणिज्य किसी भी विषय को ले लें, अंतिम समय की तैयारी में कोई कमी न हो. साल भर की मेहनत को अंजाम देने का वक़्त आ गया है. सैंपल पेपर को हल करने में पीछे न रहें और छोटे-छोटे मुख्य बिंदुओं से मुख्य उत्तर तक पहुंचने की कोशिश कीजिए. पहले से ही न सोच लें कि अमुक विषय में इतना प्रतिशत लाना ही है. अंकों की दौड़ में उलझे बिन बस पढ़ाई पर फोकस करें.

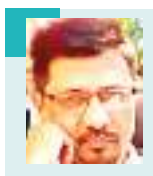

डॉ कुमार संजय
शिक्षाविद

10वीं और 12वीं का फाइनल एग्जाम ब्रीदिंग डिस्टेंस पर है. हमारे यहां बोर्ड की परीक्षा का मतलब है रणक्षेत्र में जाने की तैयारी. फाइनल एग्जाम है, इसलिए इसे गंभीरता से तो लेना ही चाहिए लेकिन इतना भी नहीं कि आदमी की नींद उड़ जाए. इन पांच पॉइंट्स पर गौर फरमाइए, सब कुछ ठीक हो जाएगा और अंक भी काफी अच्छे आएंगे.

मोटिवेशन

परीक्षा में अच्छा करना है न?

1. पेरेंट्स से अनुरोध : घर का माहौल शांत और टेंशन फ्री रखें. बहस न करें, न हीं चीखे-चिल्लाएं. पढ़ो-पढ़ो, ऐसा मत करो-वैसा मत करो का रिकॉर्ड न बजाएं. इससे कुछ हासिल नहीं होता. बल्कि यह ध्यान दें कि बच्चा पढ़ क्या रहा है. 1 घंटे के बाद उसने जो पढ़ाई की है, उससे कुछ प्रश्न पूछें. भले ही आपको जवाब न आता हो. या ऐसे प्रश्न पूछें जिसके साथ जवाब दिया हुआ हो. अगर बच्चे को यह एहसास हो जाए कि पापा या मम्मी मुझसे प्रश्न पूछेंगे, तो वह ज्यादा ध्यान से पढ़ेगा. याद रखें, बच्चा कितना घंटा पढ़ता है, यह महत्वपूर्ण नहीं है. बच्चा 1 घंटे में कितना याद रखता है, यह ज्यादा महत्वपूर्ण है.

2. सिस्टमैटिक पढ़ाई : एक घंटा रटने पर दें, एक घंटा लिखने पर और एक घंटा पढ़ कर लिखने पर. सुबह का समय याद करने के लिए बेस्ट होता है. सुबह का एक घंटा याद करने पर दें. रटने का काम जोर-जोर से बोल कर करें. दोपहर में पढ़कर लिखने का काम करें अर्थात आप 10 मिनट पढ़ें और उसे दो-चार लाइन में लिखें. इस तरह से पढ़कर लिखने से पढ़ा हुआ काफी समय तक याद रहता है. रात का एक घंटा प्रीवियस इयर्स का प्रश्न सॉल्व करने में लगायें या आने वाले सम्भावित प्रश्नों का उत्तर लिखें. यह बात हर विषय के साथ लागू करें, वह भी नियमित.

3. मोबाइल और दोस्तों से दूरी : जब तक परीक्षा समाप्त नहीं हो जाती, मोबाइल से दूरी बनाकर रखें. अगर डाउट क्लियर करने के लिए देखना जरूरी हो, तो शाम का आधा घंटा इसके लिए फिक्स रखें. यही बात दोस्ती यारी के साथ भी लागू होती है. अगर पढ़ाई संबंधी बात करनी हो, तो उसके लिए भी समय सुनिश्चित कर लें. शाम में आधा या एक घंटा. हर दिन तय कर ले कि अगले दिन किस विषय और किस चैप्टर पर बात करेंगे.

4. डाउट क्लीयरेंस : पढ़ाई के दौरान हमेशा एक पेंसिल और एक रफ कॉपी साथ रखें. जो भी समझ में न आए, उसे नोट कर लें. बाद में अपने शिक्षक या किसी सीनियर से मिलकर उन डाउट्स को क्लियर कर लें. अलग-अलग पुस्तकों से न पढ़ें. जिस पुस्तक से आपको ज्यादा समझ में आता है, उसी को फॉलो करें. जितने अधिक बुक से पढ़ेंगे, उतना ही कंफ्यूजन पैदा होगा.

5. पूरी नींद, रिलैक्स्ड माइंड : निश्चित समय पर सोएं. 6 से 8 घंटा नियमित रूप से सोएं. सोने के पहले ऑटो सजेशन का हेल्प लें. सोने के पहले अपने अचेतन मन से बोलें कि आपको सब कुछ समझ में आ रहा है. आपको सबकुछ याद हो रहा है. एक घंटा पढ़ाई करने के बाद थोड़ी देर रिलैक्स करें. थोड़ा चलें, पानी पिएं, मम्मी-पापा, भाई - बहन से थोड़ी देर बात करें. अगर आप ऊब गए हों, तो सब्जेक्ट चेंज कर पढ़ाई करें. टारगेट रख कर पढ़ाई करें अर्थात एक लक्ष्य रखकर कि आज यहां से यहां तक आपको पढ़ना है, और समझ कर पढ़ना है.

मूल मंत्र : परीक्षा नजदीक है. किसी तरह का तनाव न लें. नियमित रूप से, लक्ष्य रखकर पढ़ाई करें. पढ़ने और लिखने का काम प्रतिदिन करें. सोच सकारात्मक रखें कि आप परीक्षा में अच्छा करेंगे, और काफी अच्छा करेंगे. सकारात्मक सोच, सही पढ़ाई, नियमित अभ्यास. उत्तम परिणाम की पूरी गारंटी.

संयोजन : चेतना झा, डिजाइनिंग - खुशबू कुमारी

22 साल ने सिनर ने जीता पहला ग्रैंडस्लैम

- ऑस्ट्रेलियाई ओपन जीतने वाले इटली के पहले खिलाड़ी बने सिनर
- पहले दो सेट में पिछड़ने के बाद सिनर ने की शानदार वापसी
- सिनर ने मेदवेदेव को 3-6, 3-6, 6-4, 6-4, 6-3 से हराया

ELBOUR

ऑस्ट्रेलियाई ओपन

मेदवेदेव को हराकर यानिक सिनर बने चैंपियन

भाषा । मेलबर्न

यानिक सिनर ने दो सेट से पिछड़ने के बाद शानदार वापसी करते हुए रविवार को ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में दानिल मेदवेदेव को 3-6, 3-6, 6-4, 6-4, 6-3 से हराकर अपना पहला ग्रैंडस्लैम खिताब जीता. सेमीफाइनल में उलटफेर कर नोवाक जोकोविच के टूर्नामेंट में लंबे समय से चले आ रहे दबदबे को खत्म करने वाले 22 साल के सिनर पहली बार किसी बड़े टूर फाइनल में खेल रहे थे. वह ऑस्ट्रेलियन ओपन खिताब जीतने वाले इटली के पहले खिलाड़ी है. अमेरिकी ओपन 2021 के चैंपियन मेदवेदेव की ग्रैंडस्लैम में छह फाइनल में यह पांचवीं हार है. तीसरी वरीयता प्राप्त रूस के खिलाड़ी ने टूर्नामेंट के अपने चौथे पांच-सेट तक चले मैच के साथ ग्रैंडस्लैम के ओपन युग में कोर्ट पर सबसे अधिक समय बिताने का नया रिकॉर्ड बनाया. उन्होंने इस मामले में 2022 अमेरिकी ओपन में कार्लोस अल्कराज के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा. अल्काराज ने तब 23 घंटे 40 मिनट कोर्ट पर बिताये थे. ऑस्ट्रेलियाई ओपन में तीन बार फाइनल में जगह बनाने के बावजूद मेदवेदेव खिताब नहीं जीत सके. वह 2021 में जोकोविच और 2022 में राफेल नडाल से हारे थे. नडाल के खिलाफ भी वह अपनी पहले दो सेट की बढ़त को बरकरार नहीं रख सके थे. मेदवेदेव इस बार खिताबी मुकाबले तक पहुंचने के लिए पांच-पांच सेट के तीन मैच जीते. इसमें से दो मैचों में उन्होंने शुरुआती दो सेट में पिछड़ने के बाद दमदार वापसी की. सिनर ने इस दौरान फाइनल से पहले छह मैचों में में केवल एक सेट गंवाया जो जोकोविच के खिलाफ तीसरे सेट के टाईब्रेकर में था.

- 6-1, 7-5 से जीती सू वेई व मर्टेंस की जोड़ी

सू वेई और एलिसे मर्टेंस ने महिला युगल खिताब जीता

ताईवान की सेह सू वेई ग्रैंडस्लैम युगल खिताब जीतने वाली दूसरी सबसे उम्रदराज महिला बन गई जिन्होंने बेल्जियम की एलिसे मर्टेंस के साथ ऑस्ट्रेलियाई ओपन महिला युगल खिताब अपने नाम किया. दूसरी वरीयता प्राप्त इस जोड़ी ने 11वीं वरीयता प्राप्त लाटविया की येलेना ओस्टापेंको और यूक्रेन की लिउडमाइला किचेनोक को 6-1, 7-5 से हराया. यह सू वेई का सातवां महिला युगल ग्रैंडस्लैम खिताब था जबकि मर्टेंस ने चौथी बार जीता है. इससे पहले पुरुष वर्ग में भारत के 43 वर्ष के रोहन बोपन्ना सबसे उम्रदराज युगल चैंपियन बने जिन्होंने ऑस्ट्रेलिया के मैथ्यू एबडेन के साथ खिताब जीता. ऑस्ट्रेलिया की लीजा रेमंड सू वेई से आठ दिन बड़ी थी जब उन्होंने 2011 अमेरिकी ओपन महिला युगल खिताब जीता था. मार्तिना नवरातिलोवा ने 49 वर्ष की उम्र में बॉब ब्रायन के साथ 2006 अमेरिकी ओपन जीता था.

ब्रीफ खबरें

शतरंज : विदित संयुक्त रूप से शीर्ष पर

विज्क आन जी (नीदरलैंड)। ग्रैंडमास्टर विदित गुजराती ने एक बार फिर विषम परिस्थितियों को पार करते हुए यहां टाटा स्टील मास्टर्स के 12वें दौर में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव को हराकर तालिका में संयुक्त बढ़त हासिल कर ली है. 'ग्रैंड स्विस' विजेता विदित की इस जीत से साल का पहला सुपर टूर्नामेंट काफी रोमांचक हो गया है जहां शीर्ष पर 7.5 अंक के साथ पांच खिलाड़ी है और एक दौर का मुकाबला बचा है. विदित के साथ हमवतन डी गुकेश, चीन के वेई यी, हॉलैंड के अनीश गिरी और अब्दुसत्तारोव तालिका में शीर्ष पायदान पर है.

तवांग में अंतरराष्ट्रीय कयाकिंग पांच से

तवांग । अरूणाचल प्रदेश में चीन की सीमा के पास तवांगचू नदी पर छह दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कयाकिंग टूर्नामेंट अगले महीने आयोजित किया जायेगा. इस नदी में तिब्बत की दो नदियां मिलती है जो बाद में तिब्बत से होकर ब्रहमपुत्र में मिल जाती है. पांच फरवरी से होने वाले 'तवांगचू टाइड्स' टूर्नामेंट में प्रतिभागियों को रोमांच की पूरी सौगात मिलेगी. जानकारी के अनुसार दुनिया भर के 130 कयाकर्स इसमें भाग लेंगे. इसका आयोजन अरूणाचल के मुख्यमंत्री व केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू के मार्गदर्शन में हो रहा है.

आईसीसी ने श्रीलंका क्रिकेट से निलंबन हटाया

कोलंबो । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) बोर्ड ने रविवार को तत्काल प्रभाव से श्रीलंका क्रिकेट पर लगा निलंबन हटा दिया. श्रीलंका क्रिकेट को आईसीसी सदस्य के रूप में दायित्वों के गंभीर उल्लघंन के लिए निलंबित कर दिया गया था. इन दायित्वों में विशेष रूप से अपने मामले स्वायत्तता से संभालने और संचालन में कोई सरकारी हस्तक्षेप नहीं होने की जरूरत शामिल थी. बोर्ड निलंबन के बाद से श्रीलंका क्रिकेट के हालात की निगरानी कर रहा है और अब इस बात से संतुष्ट है कि वह अब सदस्यता दायित्वों का उल्लंघन नहीं कर रहा है.

पहला टेस्ट : इंग्लैंड ने भारतीय टीम को 28 रनों से हराया

हार्टले ने भारत को किया हर्ट

भाषा । हैदराबाद

ओली पोप (196 रन) के जोशीले शतक के बाद पदार्पण कर रहे बायें हाथ के स्पिनर टॉम हार्टले (62 रन देकर सात विकेट) के जादुई स्पैल से इंग्लैंड ने रविवार को यहां पहले टेस्ट के चौथे दिन भारत पर 28 रन की यादगार जीत से पांच मैचों की श्रृंखला में 1-0 से बढ़त हासिल की. इंग्लैंड ने भारत को जीत के लिए 231 रन का लक्ष्य दिया. लेकिन हार्टले की फिरकी के जाल में फंसकर मेजबान टीम चौथे दिन दूसरी पारी में 69.2 ओवर में 202 रन पर सिमट गयी. घरेलू टेस्ट में 2013 के बाद यह भारत की चौथी हार है. लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत का रवैया पोप के रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा की गेंदबाजी से निपटने के तरीके से बिल्कुल विपरीत था. भारत के दोनों अनुभवी स्पिनर पिच पर कभी भी खतरनाक नहीं दिखे और इंग्लैंड ने दूसरी पारी में काफी रन बटोर लिये. इससे पहले इंग्लैंड ने कल के स्कोर छह विकेट पर 316 रन से आगे खेलना शुरू किया और पोप की बदौलत दूसरी पारी में 420 रन बनाये जिससे उन्हें काफी अच्छी बढ़त मिली. यह हार भारत को गहरा घाव देगी क्योंकि टीम 25 साल के लंकाशर के ऐसे गेंदबाज के सामने ढह गयी जिसे मिलाकर केवल तीन अंतरराष्ट्रीय मैच का अनुभव है. पिच पर काफी टर्न और वैरिएबल उछाल मौजूद था लेकिन भारतीय बल्लेबाज इससे निपट नहीं सके.

शुभमन गिल (0), यशस्वी जयसवाल (15) और श्रेयस अय्यर (13) अपनी ही असमक्षता से आउट हुए. जायसवाल सिली प्वाइंट पर पोप को कैच देकर लौटे. दो गेंद बाद ही गिल भी लौट गए जो खाता भी नहीं खोल पाये. इस बार भी कैच सिली प्वाइंट पर पोप ने लपका. हार्टले ने रोहित शर्मा (39 रन) को पगबाधा आउट करके तीसरा विकेट लिया. इसके बाद केएल राहुल और अक्षर पटेल ने संभलकर खेला और चाय तक कोई विकेट नहीं गंवाया. हार्टली का सामना करने के लिये श्रेयस अय्यर के ऊपर अक्षर को भेजा गया.

इंग्लैंड की दूसरी पारी में जूझते नजर आये अश्विन और जडेजा

रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा की फिरकी जोड़ी की भारतीय पिचों पर तूती बोलती है लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट की दूसरी पारी में दोनों जूझते नजर आये. हैदराबाद टेस्ट से पहले दोनों ने मिलकर 500 विकेट ले लिये थे और हरभजन सिंह तथा अनिल कुंबले की जोड़ी से वे एक विकेट पीछे थे. अब दोनों मिलकर 511 विकेट ले चुके हैं और भारतीय गेंदबाजी जोड़ी में शीर्ष पर हैं. इंग्लैंड के स्टुअर्ट ब्रॉड और जेम्स एंडरसन की जोड़ी मिलकर 1039 विकेट ले चुकी है जबकि ऑस्ट्रेलिया के शेन वॉर्न और ग्लेन मैकग्रा की जोड़ी के नाम 1001 विकेट हैं. श्रीलंका के चमिंडा वास और मुथैया मुरलीधरन की जोड़ी ने 895 और वेस्टइंडीज के कर्टली एम्बरोज और कर्टनी वॉल्श ने 762 विकेट चटकाये थे. इसके बावजूद इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में दूसरी पारी में वे जूझते दिखे जब इंग्लैंड के बल्लेबाजों ने चार से अधिक की औसत से 420 रन बना लिये. पहली पारी में दोनों ने छह विकेट लिये थे जिसके दम पर भारत ने इंग्लैंड को 246 रन पर आउट कर दिया. दूसरी पारी में इंग्लैंड के बल्लेबाज ओली पोप ने शानदार स्वीप और रिवर्स स्वीप खेलकर दोनों को काफी परेशान किया. जडेजा ने हालांकि जॉनी बेयरस्टो को और अश्विन ने बेन स्टोक्स को शानदार गेंद पर पवेलियन भेजा लेकिन पोप को 196 रन की पारी खेलने से रोक नहीं सके. विकेट राजकोट की विकेट की तरह टूटती नहीं दिखी जिससे स्पिनर उतने असरदार नहीं रहे. भारत के पास कोई 'प्लान बी' भी नहीं दिखा.

दोनों पारियों में फ्लॉप रहे शुभमन गिल

शुभमन गिल ने इस मैच में अपने प्रदर्शन से निराश किया. शुभमन दोनों पारियों को मिलाकर सिर्फ 23 रन ही बना सके. दूसरी पारी में तो वह अपना खाता भी नहीं खोल सके थे. पिछले कुछ समय से वनडे टी-20 में बेहतरीन खेल दिखाने वाले शुभमन टेस्ट क्रिकेट में लगातार फेल हो रहे हैं.

- 07 विकेट चटकाए टॉम हार्टले ने दूसरी पारी में
- 05 मैचों के श्रृंखला में इंग्लैंड 1-0 से आगे

अय्यर ने किया कप्तान रोहित को निराश

मध्यक्रम के बल्लेबाजी में टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी श्रेयस अय्यर से बहुत उम्मीदें थी, लेकिन इंग्लैंड के खिलाफ हैदराबाद टेस्ट में उन्होंने कप्तान रोहित शर्मा को बुरी तरह से निराश कर दिया. अय्यर मैच की दोनों पारियों को मिलाकर सिर्फ 48 रन ही बना पाए. अय्यर से टीम उम्मीद करती है कि जब टॉप ऑर्डर की बल्लेबाजी नहीं चल पा रही है तो मध्यक्रम में वह टीम के लिए रन बनाए और उसे मुश्किल से उबारे, लेकिन वह दोनों ही पारियों में गैर जिम्मेदार दिखे.

लक्ष्य हासिल किया जा सकता था : रोहित

रोहित शर्मा ने शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों की विफलता पर निराशा व्यक्त करते हुए कहा कि उनमें निचले क्रम के बल्लेबाजों द्वारा दिये गये जुझारूपन और जज्बे की कमी थी. रोहित ने मैच के बाद पुरस्कार वितरण समारोह में कहा कि यह बताना मुश्किल है कि गलती कहां हुई. रोहित ने कहा कि लक्ष्य निश्चित रूप से हासिल किया जा सकता था. 190 रन की बढ़त से हमने दबदबा बनाया था लेकिन ओली पोप (196 रन) ने क्या शानदार बल्लेबाजी की जो शायद किसी विदेशी खिलाड़ी की भारतीय हालात में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजी में से एक थी.

बंगाल ने असम को पारी और 162 रन से हराया

रणजी ट्रॉफी

भाषा । गुवाहाटी

सूरज सिंधू जायसवाल ने पहली पारी में तीन और दूसरी पारी में पांच विकेट चटकाये जिससे बंगाल ने रणजी ट्रॉफी एलीट ग्रुप बी मैच में रविवार को यहां तीसरे दिन के खेल के दौरान असम को पारी और 162 रन के बड़े अंतर से हराया. पारी के अंतर से जीतने पर बंगाल ने इस मैच से सात अंक हासिल किये.असम ने दिन की शुरुआत पहली पारी में आठ विकेट पर 99 रन से की थी लेकिन टीम 103 रन पर आउट हो गयी. बंगाल के लिए मोहम्मद कैफ ने पारी में 36 रन देकर चार, जायसवाल ने 25 रन देकर दो और अंकित मिश्रा ने 22 रन देकर दो विकेट लिये.

पहली पारी में 405 रन बनाने वाले बंगाल ने इसके बाद असम को फालोऑन कराया लेकिन उसके बल्लेबाज एक बार फिर विफल रहे और पूरी टीम 140 रन पर पवेलियन लौट गयी असम के कप्तान रियान पराग दोनों पारियों में बल्लेबाजी नहीं कर सके. दूसरी पारी में राहुल हजारिका (20), डेनिश दास (21), साहिल जैन (26) और

राजस्थान ने मणिपुर को हराया

अहमदाबाद । तेज गेंदबाज अनीकेत चौधरी (68 रन देकर तीन विकेट) और अराफात खान (36 रन देकर चार विकेट) के मिलकर लिये गये सात विकेट से राजस्थान रविवार को यहां मणिपुर को पारी और 42 रन से हराकर रणजी ट्राफी के ग्रुप ए तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया. राजस्थान ने कुणाल सिंह राठौड़ (156 रन) और महिपाल लोमरोर (117 रन) के शतकों से अपनी पहली पारी छह विकेट पर 399 रन पर घोषित की थी. मणिपुर ने पहली पारी में 159 रन बनाये थे जिससे टीम 240 रन से पिछड़ रही थी. पर खान और चौधरी की बदौलत राजस्थान ने मणिपुर को दूसरी पारी में 198 रन पर समेटकर जीत हासिल की.

धरानी राभा (24) ने टीम की हार को टालने की कोशिश की लेकिन जायसवाल ने 17 ओवर में 43 रन पर पांच विकेट लेकर बंगाल की जीत पक्की कर दी. मैच में आठ विकेट लेने वाले जायसवाल मैन ऑफ द मैच चुने गये.

नीदरलैंड से हारकर भारत का दक्षिण अफ्रीका दौरा खत्म

भाषा । केपटाउन

भारतीय पुरुष हॉकी टीम ने दक्षिण अफ्रीका का दौरा रविवार को यहां नीदरलैंड के हाथों मिली 5-1 की निराशाजनक हार से समाप्त किया. भारतीय टीम के लिए एकमात्र गोल अभिषेक ने 39वें मिनट में किया. नीदरलैंड के लिए जिप जानसेन (10वें और 28वें) ने दो गोल दागे जबकि विश्व की शीर्ष रैंकिंग टीम के लिए डुको टेलजेनकैम्प (16वें), जेप होडरमेकर्स (21वें) और कोएन बिजेन (35वें) ने एक एक गोल किये. नीदरलैंड ने जानसेन के गोल से शुरू में ही बढ़त बना ली. भारतीय टीम लगातार हमलों के बावजूद पहले क्वार्टर के अंत तक गोल नहीं कर सकी. दूसरे क्वार्टर में नीदरलैंड ने 16वें और 21वें मिनट में दो गोल कर भारत पर दबाव बना दिया. फिर जानसेन ने 28वें मिनट में अपना दूसरा गोल दाग दिया और नीदरलैंड की टीम पहले हाफ में 4-0 से आगे हो गयी.

दूसरे हाफ में भारत ने गोल करने की तमाम कोशिशें कीं लेकिन बिजेन ने एक और गोल कर नीदरलैंड को 5-0 से बढ़त दिला ली. फिर अभिषेक ने तीसरे क्वार्टर में गोल कर स्कोर 5-1 किया.

खास बातें

- नीदरलैंड में भारतीय टीम को 5-1 से पराजित किया
- भारत की ओर से अभिषेक ने एकमात्र गोल दागा

हॉकी

एफआईएट फाइव्स महिला विश्व कप में नीदलैंड की टीम बनी चैंपिन

नीदरलैंड से हारकर उपविजेता रही भारतीय महिला टीम

- फाइनल में नीदरलैंड ने 7-2 से भारत को हराया
- भारत की हर खिलाड़ी को मिलेंगे तीन लाख रुपये

भाषा । मस्कट

भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच हॉकी 5 महिला विश्व कप के फाइनल में नीदरलैंड से 7-2 से हारकर उपविजेता रही. भारत के लिये ज्योति छत्री ने 20वें और रूतुजा दादासो पिसाल ने 23वें मिनट में गोल दागे. नीदरलैंड के लिये यानेके वान डे वेन्ने (दूसरा और 14वां मिनट), बेंते वान डेर वेल्ट (चौथा और आठवां), लाना काल्से (11वां और 27वां) और सोशा बेनिंगा (13वां मिनट) ने गोल किये. एफआईएच हॉकी 5 विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के लिये हॉकी इंडिया ने हर खिलाड़ी को तीन लाख और सहयोगी स्टाफ को डेढ़ लाख रुपये पुरस्कार देने का ऐलान किया है. मैच की शुरूआत से दोनों टीमों ने काफी आक्रामक खेल दिखाया लेकिन शुरूआती सफलता नीदरलैंड को मिली जब यानेके ने लंबी दूरी से लगाये गए शॉट पर गोलकीपर रजनी इतिमार्पू को छकाकर गोल किया. इसके दो मिनट बाद वान डेर वेल्ट ने दूसरा गोल दाग दिया. उसने आठवें मिनट में एक और गोल करके डच टीम का शिकंजा कस दिया. पहले हाफ से चार मिनट पहले लाना काल्से ने डच टीम के लिये चौथा गोल दागा और सोशा ने दो मिनट बाद बढ़त 5-0 की कर दी.

पहले हाफ के आखिरी मिनट में यानेके ने एक और गोल किया. दूसरे हाफ के पांचवें मिनट में भारत के लिये ज्योति ने गोल किया और तीन मिनट बाद रूतुजा ने एक गोल दागकर डच टीम की बढ़त कम की. इस बीच नीदरलैंड के लिये लाना ने जवाबी हमले पर गोल करके बढ़त फिर पांच गोल की कर दी. नीदरलैंड को आखिरी मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक मिला जिस पर रजनी ने गोल तो बचा लिया लेकिन हार को नहीं टाल सकी.

डे नाइट टेस्ट : शामार जोसेफ ने चटकाए सात विकेट

वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया को हराया

भाषा । ब्रिसबेन

शामार जोसेफ के सात विकेट की मदद से वेस्टइंडीज ने गाबा डे नाइट टेस्ट जीता, जो ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट क्रिकेट में 27 साल बाद मिली जीत है. जोसेफ को वेस्टइंडीज की दूसरी पारी में मिचेल स्टार्क का यॉर्कर लगा था और उन्हें मैदान से जाना पड़ा था. उन्होंने गेंदबाजी में कमाल दिखाते हुए 68 रन देकर सात विकेट लिये और ऑस्ट्रेलिया को 207 रन पर आउट कर दिया. सलामी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ 146 गेंद में 91 रन बनाकर नाबाद रहे. एडीलेड में टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण करने वाले 24 वर्ष के जोसेफ 11वें नंबर के बल्लेबाज जोश हेजलवुड का विकेट लेते ही

- 08 रनों से वेस्टइंडीज ने ऑस्ट्रेलिया को हराया
- 27 साल बाद ऑस्ट्रेलिया में जीता वेस्टइंडीज

खुशी के मारे उछल पड़े. वेस्टइंडीज ने एडीलेड टेस्ट तीन दिन के भीतर दस विकेट से गंवाने के बाद वापसी करके श्रृंखला में 1-1 से बराबरी की. वाका पर 1997 में दस विकेट से जीत दर्ज करने के बाद से वेस्टइंडीज ने आस्ट्रेलिया में टेस्ट मैच नहीं जीता है. कैमरन ग्रीन और स्मिथ ने 216 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए पहले घंटे में आस्ट्रेलिया को दो विकेट पर 60 रन तक पहुंचाया. जोसेफ ने लगातार दस ओवर डालते हुए पहले स्पैल में 60 रन देकर छह विकेट लिये. उस समय ऑस्ट्रेलिया को जीत के लिये 29 रन की जरूरत थी और उसके दो विकेट बाकी थे.

नीतीश कुमार ने भाजपा पर उनकी पार्टी को खत्म करने का लगाया था आरोप

2022 में 'तलाक', 2024 में फिर गठबंधन

बिहार में फिर से तीर और कमल का मेल हो गया है. लोस चुनाव से पहले बिहार में नीतीश कुमार और बीजेपी का साथ आना बिहार के साथ ही केंद्र की राजनीति में काफी अहम माना जा रहा है. सवाल है आखिर नीतीश ने साल 2022 में बीजेपी का साथ क्यों छोड़ा और अब फिर क्यों हाथ मिला रहे हैं.

एनडीए से अलग होकर राजद के साथ मिल कर बनाई थी बिहार में सरकार

अब लोकसभा चुनाव से पहले इंडिया गठबंधन छोड़ एनडीए से मिल गए

शुभम संदेश नेटवर्क । पटना

बिहार में राजनीतिक उठापटक के बीच नीतीश कुमार ने सुबह महागठबंधन के सीएम पद से इस्तीफा दिया और शाम को एनडीए नेता के तौर पर फिर से मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली है. नीतीश अब बीजेपी के समर्थन से फिर से राज्य में एनडीए की सरकार का नेतृत्व करेंगे. ऐसे में साल 2022 में बीजेपी से राहें जुदा करने वाले नीतीश आखिर क्यों फिर 2024 में एनडीएम में शामिल हुए हैं. यह एक अहम सवाल है.

खास बात है कि जब अगस्त 2022 में नीतीश कुमार ने बीजेपी का साथ छोड़ा था तो बीजेपी पर बड़े आरोप लगाए थे. उन्होंने बीजेपी पर उनकी पार्टी जेडीयू को 'तोड़ने' और 'खत्म' करने की कोशिश करने का आरोप लगाया था. इसके बाद उन्होंने पाला बदल कर राष्ट्रीय जनता दल और कांग्रेस के साथ सरकार बनाई थी. इतना ही नहीं, 3 महीने बाद ही नीतीश ने कहा था कि राजद के डिप्टी सीएम तेजस्वी यादव 2025 में महागठबंधन के विस चुनाव अभियान का नेतृत्व करेंगे. समय के साथ बिहार में एनडीए का वरिष्ठ साथी, जदयू धीरे-धीरे खुद को सिकुड़ता हुआ देख रहा था. जूनियर पार्टनर बीजेपी से लगातार पिछड़ रहा था. नीतीश बीजेपी से नाराज थे. इसकी वजह थी कि विस में उनकी पार्टी की सीटें 2015 में 71 सीट से घट कर 2020 के चुनावों में 43 सीटों पर आ गईं. दूसरी तरफ बीजेपी के सीटों की संख्या 53 से बढ़कर 74 हो गई. अपनी पार्टी के सहयोगियों के साथ निजी बातचीत में, नीतीश ने लोक जनशक्ति पार्टी (एलजेपी) के नेता चिराग पासवान को लगभग सभी निर्वाचन क्षेत्रों में जदयू के सामने उम्मीदवार खड़ा करने के लिए बीजेपी को दोषी ठहराना शुरू कर दिया.

जदयू का मानना था कि चिराग ने उनकी पार्टी के वोट काटने और उसके उम्मीदवारों को हराने के लिए भाजपा के प्रॉक्सी के रूप में काम किया था. भले ही एलजेपी ने सिर्फ एक निर्वाचन क्षेत्र जीता, लेकिन इसने नीतीश के वोट आधार में गंभीर सेंध लगाई. ऐसा कहा जाता है कि नीतीश कुमार डिप्टी सीएम रेनू देवी और तारकिशोर प्रसाद को लेकर सहज महसूस नहीं करते थे. इसकी वजह थी कि वह 13 साल तक डिप्टी सीएम रहे सुशील कुमार मोदी के साथ रहे थे. जदयू के तत्कालीन नेता आरसीपी सिंह, जो उस समय केंद्रीय मंत्री थे, का उपयोग करके इसे विभाजित करने के भाजपा के कथित प्रयासों से भी सावधान थे.

क्यों एनडीए में वापस आए नीतीश

जदयू के अंदरूनी सूत्र कांग्रेस, राजद और इंडिया गुट के प्रति नीतीश के बढ़ते मोहभंग के कई कारण बताते हैं. इसका मुख्य कारण वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था में उनका असहज महसूस होना बताया जा रहा है. कहा जा रहा है कि लोकसभा चुनाव से पहले जदयू के कम से कम सात सांसद बीजेपी के संपर्क में थे. ये सांसद 2019 में एनडीए के सामाजिक संयोजन के कारण जीते थे. राजद, कांग्रेस और वाम दलों के साथ गठबंधन में नीतीश ऐसे परिणाम की उम्मीद नहीं कर रहे थे. साथ ही, पूर्व पार्टी प्रमुख ललन सिंह को छोड़ कर जदयू के अधिकांश शीर्ष वरिष्ठ नेता भाजपा के साथ गठबंधन के पक्ष में थे. नीतीश को संभवतः यह अहसास हो गया था कि यदि उन्होंने कदम नहीं उठाया तो पार्टी में टूट हो सकती है. पिछले महीने, उन्होंने जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में ललन सिंह को हटाया था. माना जा रहा था कि ललन सिंह लालू और तेजस्वी के साथ निकटता बढ़ा रहे थे.

जदयू ने 2019 के लोकसभा चुनावों में एनडीए के हिस्से के रूप में लड़ी गई 17 सीटों में से 16 पर जीत हासिल की. आंतरिक सर्वेक्षणों में उत्साहजनक परिणाम नहीं आने के कारण, नीतीश ने संभवतः यह अनुमान लगाया कि उनकी पार्टी नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में अपनी जीत की संभावनाओं में सुधार करेगी. जदयू को संभवतः यह महसूस हुआ कि अयोध्या राम मंदिर का उद्घाटन, मोदी की लोकप्रियता और उनकी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के साथ मिल कर, एक जीत के फॉर्मूले का हिस्सा था.

इंडिया में हसरत नहीं हो रही थी पूरी

नीतीश ऐसे नेता हैं, जिन्होंने पिछले साल इंडिया ब्लॉक बनाने के लिए सभी पार्टियों को एक साथ लाने के लिए काम किया था. उन्हें इंडिया गठबंधन में प्रमुख पद की उम्मीद की थी. लेकिन टीएमसी और आप जैसी पार्टियों की बेचैनी के बीच ऐसा नहीं हो सका. 2017 के विपरीत, जब उसने महागठबंधन से अलग होने के लिए राजद को दोषी ठहराया था, इस बार जदयू कांग्रेस पर उंगली उठा रहा है. वह कांग्रेस पर अन्य गठबंधन के सहयोगियों को बहुत अधिक जगह देने का आरोप लगा रहा है. राहुल गांधी की तरफ से गठबंधन के बारे में बात करने के बजाय कांग्रेस की भारत जोड़ो न्याय यात्रा शुरू करने के बाद जदयू को भी गठबंधन में बने रहने का कोई कारण नजर नहीं आया.

कॉकस...अछूत... साजिश

कांग्रेस ने नीतीश कुमार का अपमान किया : त्यागी

नीतीश कुमार के इंडिया ब्लॉक छोड़ कर एनडीए में शामिल होने के लिए जदयू नेता केसी त्यागी ने कांग्रेस को जिम्मेदार ठहराया है, उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने नीतीश कुमार का अपमान किया और इंडिया ब्लॉक को हड़पने की कोशिश की. वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बयानों पर कहा, नीतीश के पाला बदलने के लिए कांग्रेस जिम्मेदार है, उन्होंने उनका अपमान किया और गठबंधन को हड़पने की कोशिश की. उन्होंने कहा कि खरगे ने नीतीश पर राजनीतिक अवसरवादिता का आरोप लगाया है. दरअसल कांग्रेस का कॉकस (एक धड़ा) इंडिया गठबंधन के नेतृत्व को हड़पना चाहता था. 19 दिसंबर को अशोका होटल में जो बैठक हुई थी उसमें एक साजिश के तहत इंडिया गठबंधन का नेतृत्व करने के लिए खरगे का नाम सुझाया गया था. इससे पहले मुंबई की बैठक में सर्वसम्मति से तय हुआ था कि किसी का चेहरा आगे किए बगैर ये इंडिया गठबंधन काम करेगा. केजरीवाल के आवास पर जब ममता बनर्जी गई थीं तो उन्होंने बाहर आकर प्रेस से कहा था कि किसी का नाम प्रस्तावित नहीं होगा लेकिन कांग्रेस के उसी कॉकस (धड़ा) के द्वारा एक साजिश के तहत ममता बनर्जी के जरिए उनका नाम सुझाया गया. वहीं, नीतीश कहते रहे कि सीटों का बंटवारा जल्दी होना चाहिए, वो भाजपा की ताकत को या तो कम करके आंक रहे हैं या फिर जानकारी नहीं है. त्यागी ने कहा, कांग्रेस कैसे नेतृत्व को हड़पना चाहती थी उसका सबसे बड़ा उदाहरण है कांग्रेस के राज्य हैं हरियाणा, हिमाचल, उत्तराखंड, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, तेलंगाना, कर्नाटक और असम में किसी भी पार्टी के साथ सीटों की कोई तालमेल नहीं होगी. यहां पर कांग्रेस पार्टी अकेले लड़ेगी और जो क्षेत्रीय दलों द्वारा अर्जित की गई राजनीतिक भूमि है उस पर डाका डालने के लिए असंगत तरीके से हिस्सेदारी मांग रही है.

सहयोगी बदलते रहे, कुर्सी पर नहीं आने दिया खतरा...

23 साल में 9वीं बार सीएम बने नीतीश

शुभम संदेश नेटवर्क । पटना

देश में कड़ाके की ठंड के बावजूद बिहार में राजनीतिक पारा चढ़ा हुआ है. नीतीश कुमार ने एक बार फिर राजनीतिक पाला बदल लिया है. वह 2005 से बिहार की सत्ता के केंद्र में बने हुए है. बीच में 20 मई 2014 से लेकर 20 फरवरी 2015 तक कुछ महीनों के लिए उनकी ही मर्जी से जीतन राम मांझी बिहार के मुख्यमंत्री बने थे. इससे पहले नीतीश कुमार केंद्र सरकार में रेल सहित कई महत्वपूर्ण मंत्रालयों की जिम्मेदारी भी संभाल चुके हैं. वर्ष 2000 में वह पहली बार सात दिनों के लिए बिहार के सीएम बने. उसके बाद 23 साल गुजर चुके हैं. अब तक वे 8 बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले चुके हैं. 28 जनवरी को वह नौवीं बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली. नीतीश के राजनीतिक करियर में अटल बिहारी बाजपेयी की सरकार में मंत्री रहने तक से लेकर कई राजनीतिक उतार-चढ़ाव आए. इन वर्षों में उन्होंने 8 बार मुख्यमंत्री पद की शपथ ली. सहयोगी बदलते रहे, लेकिन कुर्सी पर नीतीश बने रहे. आज हम आपको नीतीश कुमार के राजनीतिक सफर के बारे में बताते हैं, जिसमें बिहार में चाहे जिसके साथ मिलकर उन्होंने सरकार बनाई हो, लेकिन सिक्का उन्हीं का चला है.

नीतीश का राजनीतिक सफर : बिजली बोर्ड की नौकरी छोड़ राजनीति में इंट्री

नीतीश कुमार ने बिहार इंजीनियरिंग कालेज से डिग्री हासिल की और छात्र जीवन में ही राजनीति में आ गए थे. हालांकि सक्रिय राजनीति में एंट्री से पहले उन्हें बिहार राज्य विद्युत बोर्ड में नौकरी मिल गई थी. कुछ ही दिनों की नौकरी के बाद उन्होंने राजनीति का रास्ता पकड़ लिया. यह लगभग वही दौर था, जब लालू यादव राजनीति में कदम रख रहे थे. दोनों का राजनीतिक करियर जनता दल से जुड़ने के बाद परवान चढ़ा.

दो बार चुनाव हारे : बिजली बोर्ड की नौकरी छोड़ने के बाद उन्होंने सियासी सफर की शुरुआत में जनता पार्टी के टिकट पर हरनौत सीट से 1977 में विधानसभा का चुनाव लड़ा. ये चुनाव वे हार गए. तब निर्दलीय भोला प्रसाद सिंह इस सीट से जीते थे. 1980 में वे इसी सीट से जनता पार्टी (सेकुलर) के टिकट पर चुनाव लड़े और निर्दलीय अरुण कुमार सिंह से हारे. इसी सीट पर तीसरे प्रयास में उन्होंने लोक दल से 1985 का चुनाव लड़ा और कांग्रेस के बृज नंदन प्रसाद सिंह को हराकर विधायक बने थे. इसके बाद उन्होंने जनता दल का दामन थाम लिया था.

अटल के समय बढ़ा राजनीतिक कद : इसके बाद जनता दल से ही 1989 में बाढ़ संसदीय सीट से चुनाव जीतकर लोकसभा पहुंचे. इस सीट पर नीतीश कुमार ने कांग्रेस के राम लखन सिंह यादव को चुनाव हराया था. 1991, 1996, 1998, 1999, 2004 में लोकसभा चुनाव जीत कर वे लगातार सांसद बने हैं. नीतीश कुमार का राजनीतिक कद अटल बिहारी वाजपेयी की सरकार के दौरान खूब बढ़ा. इसी दौरान उन्हें केंद्र में रेलवे जैसे महत्वपूर्ण मंत्रालय की जिम्मेदारी मिली. 2004 में नीतीश कुमार बाढ़ और नालंदा दो सीटों से चुनाव लड़े. वे नालंदा से जीते, लेकिन बाढ़ से हार गए थे.

बीजेपी के कहने पर बने बिहार के सीएम : नीतीश कुमार को बिहार का सीएम बनाने में बीजेपी की बड़ी भूमिका बताई जाती है. बिहार में एनडीए को पहली बार 2000 में सरकार बनाने का मौका मिला. तब नीतीश कुमार समता पार्टी के नेता थे. यह चुनाव बीजेपी, जनता दल और समता पार्टी ने साथ मिल कर लड़ा था. चुनाव में बीजेपी को 67, समता पार्टी को 34 और जनता दल को 21 सीटें मिली थीं. राजद 124 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी थी, लेकिन उनको स्पष्ट बहुमत नहीं था. तब झारखंड नहीं बना था और बिहार विस में 324 सीटें थीं. कहा जाता है कि तब बीजेपी नेताओं ने सीएम बनने के लिए नीतीश को आगे किया, जबकि उनकी खुद की पार्टी समता पार्टी उन्हें सीएम बनाने के पक्ष में नहीं थी.

पहली बार 7 दिनों के लिए सीएम बने थे नीतीश : बीजेपी नेता सुशील मोदी ने नीतीश कुमार को ही मुख्यमंत्री पद के लिए आगे बढ़ाने का प्रस्ताव अपने नेताओं को दिया था. लाल कृष्ण आडवाणी और अरुण जेटली जैसे नेताओं के प्रयास से पहली बार नीतीश कुमार को बिहार में एनडीए विधायक दल के नेता के तौर पर चुना गया. तब सात दिन के लिए नीतीश कुमार बिहार के मुख्यमंत्री बने. विधानसभा में बहुमत साबित नहीं होने के कारण तब पद छोड़ना पड़ा था. हालांकि, उसके बाद 2005 के चुनाव में जीत के बाद उन्होंने 24 नवंबर को मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली और उसके बाद 17 मई 2014 तक लगातार मुख्यमंत्री बने रहे.

मुख्यमंत्री बनने की कहानी : नीतीश कुमार पहली बार 3 मार्च 2000 को सीएम बने थे. हालांकि, बहुमत न जुटा पाने की वजह से उन्हें 10 मार्च 2000 को अपने पद से इस्तीफा देना पड़ा था. इसके बाद बिहार में 2005 में हुए चुनाव में नीतीश बीजेपी के समर्थन से दूसरी बार मुख्यमंत्री पद पर काबिज हुए. 2010 में हुए विधानसभा चुनाव में वह तीसरी बार सूबे के मुख्यमंत्री बने रहे.

2014 में छोड़ा था मुख्यमंत्री पद : 2014 के लोकसभा चुनाव में बीजेपी के खिलाफ पार्टी के खराब प्रदर्शन की वजह से उन्होंने सीएम पद से इस्तीफा दे दिया था. इस दौरान उन्होंने जीतनराम मांझी को मुख्यमंत्री पद सौंपा. हालांकि, 2015 में जब पार्टी में अंदरूनी कलह शुरू हुई तो नीतीश ने मांझी को हटा कर एक बार फिर सीएम पद पर कब्जा किया.

महागठबंधन ने जीता चुनाव : 2015 के विधानसभा चुनाव में महागठबंधन (जदयू, राजद, कांग्रेस और लेफ्ट गठबंधन) की एनडीए के खिलाफ जीत के बाद नीतीश एक बार फिर पांचवी बार सीएम बने.

तेजस्वी पर भ्रष्टाचार के आरोप के बाद बदला पाला : वर्ष 2017 में रेलवे घोटाले में सीएम तेजस्वी यादव के खिलाफ लगे भ्रष्टाचार के आरोपों के बाद नीतीश कुमार ने महागठबंधन से नाता तोड़ लिया. उन्होंने जुलाई 2017 में ही पद से इस्तीफा दिया और एक बार फिर एनडीए का दामन थाम कर सीएम पद की शपथ ली.

2020 में सातवीं बार बने मुख्यमंत्री : 2020 के विधानसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन ने जीत हासिल की. हालांकि, जदयू की सीटें बीजेपी के मुकाबले काफी घट गईं. इसके बावजूद नीतीश कुमार ने सातवीं बार सीएम पद की शपथ ली.

2022 में फिर आए थे महागठबंधन के साथ : अगस्त 2022 में एक बार फिर उन्होंने एनडीए का दामन छोड़ दिया और महागठबंधन के साथ आकर आठवीं बार बिहार के मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ ली थी. अब एक बार फिर वह महागठबंधन से नाता तोड़ चुके हैं और एनडीए के साथ मिल कर नौवीं बार शपथ लेंगे.

नालंदा में है पैतृक गांव : नीतीश का जन्म 1 मार्च 1951 को हुआ था. उनके पिता का नाम कविराज राम लखन सिंह है. माता का नाम परमेश्वरी देवी है. उनकी पत्नी मंजू सिन्हा का स्वर्गवास हो चुका है और बेटे का नाम निशांत है. उनका पैतृक गांव नालंदा जिले का कल्याण बिगहा रहा है, लेकिन नीतीश के पिता पटना के बख्तियारपुर में रहते थे, जहां उनका जन्म हुआ.

चिराग बोले-नीतीश ने नीतियां नहीं बदलीं, तो जारी रहेगा विरोध

पटना। नीतीश के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनने से पहले से ही बीजेपी की सहयोगी पार्टी ने खुली चेतावनी दे दी है. एनडीए में शामिल पार्टी लोजपा (रामविलास) के अध्यक्ष चिराग पासवान ने कहा कि अगर नीतीश की नीतियां नहीं बदलीं तो हमारा उनसे विरोध जारी रहेगा. दिल्ली में पत्रकारों से बात करते हुए चिराग ने कहा कि मेरी नीतीश से कोई दुश्मनी नहीं थी. हमारा विरोध उनकी नीतियों से था.

15 माह के राहुकाल से मिली मुक्ति : सुशील मोदी

पटना। पूर्व उपमुख्यमंत्री सुशील मोदी ने भ्रष्टाचार और परिवारवाद में डूबे लोगों का साथ छोड़ने के लिए नीतीश को धन्यवाद दिया और उनके नेतृत्व में गठित राज्य की 5वीं एनडीए सरकार को शुभकामनाएं दीं. मोदी ने कहा कि नई सरकार बनने के साथ बिहार को 15 महीनों के राहु-काल से मुक्ति मिली और 2020 के जनादेश का सम्मान हुआ. उन्होंने आशा प्रकट की भाजपा की सकारात्मक संगत में लौट कर नीतीश 2005 की तरह सुशासन (गुड गवर्नेंस) के नये प्रतिमान स्थापित करेंगे, डबल इंजन सरकार से विकास को गति देंगे.

कारोबार

विदेशी भंडार में 2.8 अरब डॉलर की कमी

नयी दिल्ली । एक सप्ताह की राहत के बाद भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में एक बार फिर से गिरावट दर्ज की गई है. रिजर्व बैंक के द्वारा शुक्रवार को जारी किए गए ताजे आंकड़ों के अनुसार, अब भारत का विदेशी मुद्रा भंडार कम होकर 616.14 बिलियन डॉलर पर आ गया है. रिजर्व बैंक हर सप्ताह के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार के ताजे आंकड़े जारी करता है. यह आंकड़ा 19 जनवरी को समाप्त हुए सप्ताह का है. आंकड़ों के अनुसार, बीते सप्ताह के दौरान भंडार में 2.79 बिलियन डॉलर की गिरावट आई.

पीएनबी ने मुनाफा 7,000 7,500 करोड़ हुआ

नयी दिल्ली । पंजाब नेशनल बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए अपने मुनाफे का अनुमान बढ़ाकर 7,000-7,500 करोड़ रुपये कर दिया है. बैंक ने तीसरी तिमाही में शानदार प्रदर्शन से उत्साहित होकर ऐसा किया है. पीएनबी के प्रबंध निवेशक और मुख्य कार्यपालक अधिकारीअतुल कुमार गोयल ने कहा कि बैंक ने चालू वित्त वर्ष के लिए अपने मुनाफे को अनुमान को 6,000 करोड़ रुपये से संशोधित कर 7,000-7,500 करोड़ कर दिया है.

टाटा व एयरबस एच125 हेलीकॉप्टरों की मैन्युफैक्चरिंग के लिए काम करेगी

एयरबस-टाटा ने मिलाया हाथ, बनाएगी हेलीकॉप्टर

भाषा । नयी दिल्ली

फ्रांस की कंपनी एयरबस और टाटा ने के बीच बड़ी डील हुई है.दरअसल दोनों कंपनी ने मिलकर हेलीकॉप्टर बनाने का समझौता किया है. फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रॉन भारत के 75वें गणतंत्र दिवस समारोह का हिस्सा बनने के लिए भारत दौरे पर थे. इमैनुएल मैक्रॉन की इस यात्रा के बीच दोनों कंपनियों ने इस समझौते पर करार किया. टाटा और फ्रांस की कंपनी एयरबस मिलकर एच125 हेलीकॉप्टरों की मैन्युफैक्चरिंग के लिए काम करेगी. इसकी मैन्युफैक्चरिंग गुजरात के वडोदरा में की जाएगी. एयरबस और टाटा ग्रुप ने एच125 सिंगल इंजन हेलीकॉप्टर्स के संयुक्त रूप से निर्माण करने के लिए एक समझौते पर साइन किए हैं. दोनों कंपनियां वडोदरा फैसिलिटी में कम से कम 40 सी-295 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट भी बनाएंगी. इसकी देखरेख टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स लिमिटेड करेगी. मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, ये हेलीकाप्टर कमर्शियल यूज के लिए बनाए जाएंगे.

टाटा ग्रुप की टाटा एडवांस सिस्टम्स लिमिटेड कंपनी (टीएएसएल) इन हेलीकॉप्टरों के लिए असेम्बली लाइन मैनेज करेगी.

देखरेख टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स करेगी

डेवलपमेंट से जुड़े सूत्रों के अनुसार मार्केट में इंट्रेस्टेड खरदीदरों द्वारा पहले से ही 600 से 800 हेलीकाप्टर की डिमांड है. ये हेलीकाप्टर गुजरात के वडोदरा में मैन्युफैक्चर किए जाएंगे. यहां पहले से ही टाटा और एयरबस मिलकर 40 सी295 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट बना रही हैं.

भारत और फ्रांस के बीच बढ़ते संबंधों ने राजनयिक संबंधों को मजबूत करने में योगदान दिया है. इसमें विशेष रूप से रक्षा, परमाणु ऊर्जा और अंतरिक्ष क्षेत्र में बढ़ते संबंधों के कारण टाटा-एयरबस एच125 सौदे से भारत में इन हेलीकॉप्टरों की बढ़ती मांग के पूरा होने की उम्मीद है. ये मांगे विभिन्न क्षेत्रों में हैं. वैसे दोनों यहां पहले से ही मिलकर 40 सी295 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट बना रही हैं. सितंबर 2021 में भारत ने एयरबस डिफेंस एंड स्पेस (एडीस्पेस) के साथ लगभग 21,000 करोड़ रुपये की डील की थी. इसमें पुराने एवरो-748 की जगह सी295 एयरक्राफ्ट खरीदने को लेकर साझेदारी की गई थी. इस दौरान 56 विमानों की मांग की गई थी. इनमें से 40 गुजरात के वडोदरा में बनाए जा रहे हैं.

वैसे दोनों यहां पहले से ही मिलकर 40 सी295 ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट बना रहीं हैं. सितंबर 2021 में भारत ने एयरबस डिफेंस एंड स्पेस (एडीस्पेस) के साथ लगभग 21,000 करोड़ रुपये की डील की थी. इसमें पुराने एवरो-748

डील पक्की

- इसकी मैन्यूफैक्चरिंग गुजरात के वडोदरा में होगी
- दोनों कंपनियां 40 सी-295 एयरक्राफ्ट बनाएंगी

की जगह सी295 एयरक्राफ्ट खरीदने को लेकर साझेदारी की गई थी. इस दौरान 56 विमानों की मांग की गई थी, इनमें से 40 गुजरात के वडोदरा में बनाए जा रहे हैं.

बता दें कि इसी महीने टाटा और महिंद्रा ग्रुप की दो कंपनियों को एयरबस से बड़ा ऑर्डर मिला है. एयरबस ने भारत में विमान के पुर्जे बनाने के लिए टाटा और महिंद्रा के साथ करार किया है. मेक इन इंडिया को बढ़ावा देने के लिए, एयरबस ने टाटा (टीएएसएल) और महिंद्रा एयरोस्पेस स्ट्रक्चर्स प्राइवेट लिमिटेड (एसएएसपीएल) के साथ अपने ए320नियो, ए330नियो और ए350 विमानों के लिए कलपुर्जे बनाने का करार किया है. ये दोनों कंपनियां पहले से ही एयरबस के 100 से ज्यादा भारतीय सप्लायर्स में से एक हैं, जो विमान के पुर्जे, इंजीनियरिंग और डिजिटल सर्विस देती हैं.

सेल्सफोर्स करेगी 700 कर्मचारियों की छंटनी

नयी दिल्ली । सेल्सफोर्स जो कि क्लाउड आधारित रिलेशनशिप मैनेजमेंट सॉफ्टवेयर के लिए जाना जाता है अपने 700 कर्मचारियों की छंटनी कर रहा है, वॉल स्ट्रीट जर्नल ने शुक्रवार को इसकी जानकारी दी. छंटनी सेल्सफोर्स के कर्मचारियों की संख्या का लगभग एक प्रतिशत है, कंपनी में लगभग 70,000 कर्मचारी हैं. एक साल पहले भी कंपनी ने लगभग 10% कर्मचारियों की छंटनी की थी. उस दौरान करीब 8,000 कर्मचारियों की नौकरी चली गई थी. उस समय, निवेशकों के दबाव से खर्चों में कटौती करने का निर्णय लिया गया था. सेल्सफोर्स में छंटनी की खबर ऐसे समय में आई है जब विभिन्न टेक कंपनियों ने अपने खर्चों को घटाने के लिए कार्यबल में कमी करने का फैसला किया है. सेल्सफोर्स में छंटनी की यह खबर माइक्रोसॉफ्ट की ओर से अपने वीडियो-गेम डिवीजन में 1,900 कर्मचारियों निकाले जाने की खबर सामने आने के दिन बाद आई. सूत्रों के अनुसार माइक्रोसॉफ्ट जिन कंपनियों में छंटनी करने जा रही है उनमें एक्टिविज़न ब्लिजार्ड भी शामिल है. डब्ल्यूईएफ में सेल्सफोर्स के सीईओ मार्क बेनिऑफ ने कहा कि टेक इंडस्ट्री में एआई के बढ़ते इस्तेमाल को देखते हुए विभिन्न कंपनियों की ओर से सुरक्षात्मक उपाय किए जा रहे हैं.

राज्यों का राजस्व नवंबर तक पांच प्रतिशत बढ़ा

एजेंसी । मुंबई

देश के 16 सबसे बड़े राज्यों की कुल राजस्व प्राप्तियां अप्रैल-नवंबर 2023 के दौरान पांच प्रतिशत की दर से बढ़ीं. पूरे वित्त वर्ष 2023-24 में राजस्व प्राप्तियों में वृद्धि 17.4 प्रतिशत रहने का बजट अनुमान है. इक्रा रेटिंग की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई. रिपोर्ट में कहा गया कि अप्रैल-नवंबर 2023 के दौरान राजस्व वृद्धि दर पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि के मुकाबले 80 प्रतिशत घट गई. राज्यों ने चालू वित्त वर्ष में नवंबर, 2023 तक सालाना आधार पर 37 प्रतिशत अधिक कर्ज लिया है. राजस्व प्राप्ति उम्मीद से कम रहने के चलते उन्हें अपने ऋण, वेतन तथा पेंशन का भुगतान करने के लिए चालू वित्त वर्ष में भारी उधार लेना होगा. रिपोर्ट में कहा गया कि राजस्व में कमी बिक्री कर में गिरावट, राज्य माल एवं सेवा कर संग्रह (एसजीएसटी), उत्पाद शुल्क और स्टाम्प तथा पंजीकरण शुल्क से कम प्राप्तियों के चलते हुई. रिपोर्ट में कहा गया कि केंद्रीय अनुदानों में कमी के चलते भी राज्यों की स्थिति तंग हुई है. इक्रा ने कहा कि चौथी तिमाही में राजस्व संग्रह बेहतर होने का अनुमान है, लेकिन यह वृद्धि कमी को पूरी तरह से दूर करने के लिए पर्याप्त नहीं होगी.

यस बैंक के नतीजे घोषित 231.6 करोड़ रुपये बढ़ा

नयी दिल्ली । प्राइवेट लेंडर यस बैंक ने शनिवार को फाइनेंशियल ईयर 2023-24 की तीसरी तिमाही (अक्टूबर-दिसंबर) के नतीजे घोषित कर दिए हैं. बैंक का नेट प्रॉफिट सालाना (वाईओवाई) आधार पर 349.7% बढ़कर 231.6 करोड़ रुपए रहा. बैंक ने पिछले साल की समान तिमाही में 51.5 करोड़ रुपए का नेट प्रॉफिट दर्ज किया था. यस बैंक की नेट इंटरेस्ट इनकम सालाना (वाईओवाई) आधार पर 2.4% बढ़कर 2,017 करोड़ रुपए रही. बैंक का ग्रॉस-नॉन परफॉर्मिंग एसेट्स (एनपीए) या बैड लोन्स 2.0% रहा, जो पिछले साल के समान है. वहीं तीसरी तिमाही में बैंक का नेट एनपीए 0.9% रहा, जो पिछले साल की समान तिमाही में 1.0% था.

शेयर

भारतीय कंपनियों की अब वैश्विक स्तर में रेलवे, ऊर्जा, पोर्ट, रक्षा में जैसी कई परियोजनाओं में सहभागिता बढ़ रही है

एफआईआई की जो बिकवाली आई उसके लिए घरेलू संस्थागत निवेशक तैयार नहीं थे

शशांक भारद्वाज
वीपी च्वॉइस ब्रोकिंग

अपने उच्चतम स्तरों से निफ्टी में लगभग 1000 अंक नीचे आ चुका है, वो भी बिना किसी विशेष नकारात्मक कारण के. 22000 निफ्टी के स्तर पर लाभ ले लेने की प्रवृत्ति उचित लगती थी. मार्केट में एक निरंतर बड़ी रैली आई थी, ऊंचे मूल्यांकन पर था परंतु निफ्टी में 1000 अंकों की गिरावट तो आश्चर्यजनक ही मानी जायेगी. हुआ क्या कि विदेशी निवेशकों ने दो दिन में 20000 करोड़ की बिकवाली कर दी थी. इसके झटके से मार्केट उबर नहीं पाया. सो गिरावट का क्रम पिछले सप्ताह भी बना रहा. निफ्टी में 270 अंकों की गिरावट रही. सप्ताह में तेजड़ियों तथा मंडाडियों के मध्य कड़ा संघर्ष देखने के मिला. यदि निफ्टी की बात करें तो काफी समय के पश्चात मंडाडियों का पलड़ा भारी रहा. इस गिरावट से भारतीय शेयर मार्केट पुनः आकर्षक स्तरों पर आ गए हैं. अतः यहां से एक अच्छी तेजी की संभावना से मना नहीं किया जा सकता है. वैसे मार्केट के प्रिय शेयरों रेलवे, रक्षा, खाद, सरकारी उपक्रम में अच्छी गतिविधियां बनी रहीं. जिससे मार्केट की व्यापक अवधारणा, विशेषकर खुदरा निवेशकों के उत्साह में कोई कमी सी नहीं दिखी. खुदरा निवेशकों का

विशेष ध्यान कुछ क्षेत्र विशेष के शेयरों में अधिक है. प्रमुख तथा बड़े शेयर में अधिकतर संस्थागत निवेशकों, म्यूचुअल फंड साझा कोष की रुचि रहती है. अतः उनका युद्ध प्रांगण अलग सा होता है. इसलिए निफ्टी में एक बड़ी मंदी ने भी मार्केट का मनोभाव विचलित नहीं किया. मझौले तथा लघु शेयरों में अच्छी तथा निर्भीक खरीदारी दिखी. लोकसभा चुनाव की तिथि निकट आ रही है. इसको लेकर शेंयर मार्केट में विचार विमर्श चलता है. यह एक महत्वपूर्ण मुद्दा होता है. परंतु पिछले सप्ताह जिस प्रकार के राजनीतिक घटनाक्रम हुए हैं, ममता बनर्जी, आप का अकेले चुनाव लडना, नीतीश कुमार की भाजपा में वापसी, ये मोदी के पक्ष के हैं. अतः मार्केट की राजनीतिक चिंता तो समाप्त सी होनी चाहिए. इस कारण भी एक अच्छी रैली फिर से दिख सकती है. ऐसा लगता है एफआईआई की जो अचानक बिकवाली आई थी उसके लिए घरेलू संस्थागत निवेशक तैयार नहीं थे. उनकी बिकवाली के समक्ष डीआईआई की खरीदारी बहुत कम थी. इस सप्ताह यह परिदृश्य बदला है. विशेषकर अंतिम दो दिनों बुधवार को एफआईआई की नकद संभाग में 6934 करोड़ रुपए की बिकवाली की तुलना में डीआईआई ने 6012 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे तथा गुरुवार को तो एफआईआई ने 2144 करोड़ रुपए के शेयर बेचे तो डीआईआई ने 3474 करोड़ रुपए के शेयर खरीदे. ये उनकी बिकवाली से 50 प्रतिशत से भी अधिक था. इसका संकेत यह है कि इस स्तरों पर डीआईआई आक्रामक खरीदार हैं, एफआईआई को टक्कर देने की तैयार है. यह भी मार्केट के लिए अच्छा संकेत लगता है. चूंकि भारत विश्व की तीसरी अर्थव्यवस्था बनने के मार्ग पर है, जीडीपी वृद्धि दर विश्व में सर्वाधिक है, नए डीमैट खाते खुलने के कीर्तिमान बन रहे हैं. ऐसे में शेयर मार्केट में हर गिरावट का उपयोग तथा लाभ उचित पीई पर उपलब्ध शेयर खरीदने पर करना चाहिए. एक अन्य महत्वपूर्ण परिवर्तन हुआ है.

भारतीय कंपनियों की अब वैश्विक स्तर में भिन्न परियोजनाओं में सहभागिता बढ़ रही है. रेलवे, ऊर्जा, पोर्ट, रक्षा में विशेष रूप से भारतीय कंपनियां विस्तार कर रही हैं. इससे इनकी रेटिंग में भी सुधार आएगा. वैश्विक आर्थिक जगत में भी साख बढ़ेगी, जिसका लाभ भारतीय शेयर मार्केट को भी मिलेगा. भारत में अच्छी तथा सुदृढ़ आर्थिक वृद्धि का आधार तैयार हो चुका है. मोदी में नेतृत्व में यदि सरकार की पुनः वापसी होती है तो भारत बहुत तीव्र आर्थिक प्रगति करेगा. ऐसे में शेयर मार्केट भी बड़ी ऊंचाइयों पर दिखेंगे. लोगों का उत्साह, रुचि बढ़ेगी तो अच्छा घरेलू निवेश भी आएगा. यदि म्यूचुअल फंड में 30 से 40 हजार करोड़ रुपए हर माह आने लगे तो एफआईआई का रहा सहा प्रभुत्व भी कम हो जायेगा. यह एक आत्मनिर्भर सुखद स्थिति होगी. भारतीय शेयर मार्केट के बढ़े पूंजीकरण को सहारा देने योग्य होगी. विदेशी शेयर मार्केट ठीक ठाक बने हुए हैं तथा ब्याज दरों की कटौती की प्रतीक्षा में है. यूएस अर्थव्यवस्था में अपेक्षित धीमापन नहीं आ रहा है,अतः कटौती कुछ टल सकती है. परंतु शेयर मार्केट अब ऊंची ब्याज दरों से उतने भयभीत नहीं लगते हैं. भारत तो प्रथम बार घरेलू निवेशकों की बाढ़ का आनंद ले रहा है. डॉलर इंडेक्स 103.74 तथा यूएस बॉन्ड यील्ड 4.13 पर हैं. कोई विशेष चिंता की बात नहीं है. ब्रेंट क्रूड 82.28 डॉलर प्रति बैरल है. अधिक है परंतु अब भारत के पास डिस्काउंट पर क्रूड खरीदने के कई विकल्प हैं. इस सप्ताह बजट भी है. इसमें कोई नीतिगत घोषणा होने की संभावना कम जताई जा रही.फिर भी यदि मार्केट के लिए कोई उत्साहजनक घोषणा होती है तो मार्केट उछलेंगे. शेयर विशेष में सुबेक्स, एरो ग्रेनाइट, विरांची के शेयर अच्छे लग रहें हैं. निवेश करने के पूर्व अपने निवेश सलाहकार से विमर्श अवश्य करे लें.

ब्रीफ खबरें

15 फरवरी को स्कूलों में होगा 'सूर्य नमस्कार'

जयपुर। राजस्थान में 15 फरवरी को 'सूर्य सप्तमी' पर सभी सरकारी स्कूलों में सामूहिक 'सूर्य नमस्कार' कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा. स्कूल शिक्षा मंत्री मदन दिलावर के निर्देश के बाद माध्यमिक शिक्षा विभाग के निदेशक आशीष मोदी ने एक आदेश जारी कर निर्देश दिया. उन्होंने कहा कि विभाग का लक्ष्य 15 फरवरी को सभी स्कूलों में छात्रों, अभिभावकों और शिक्षकों द्वारा सामूहिक 'सूर्य नमस्कार' आयोजित करके विश्व रिकॉर्ड बनाना है.

जम्मू-कश्मीर में कई अधिकारियों का तबादला

जम्मू। जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने पुलिस विभाग में बड़ा फेरबदल करते हुए 30 आईपीएस (भारतीय पुलिस सेवा)अधिकारियों समेत 75 अधिकारियों का तबादला किया है. स्थानांतरित किए गए अधिकारियों में महानिदेशक रैंक का एक अधिकारी, तीन अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (एडीजीपी), नौ उप महानिरीक्षक (डीआईजी), 62 वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) और पुलिस अधीक्षक (एसपी) शामिल हैं.

तीन नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया

सुकमा। छत्तीसगढ़ के सुकमा जिले में दो महिलाओं समेत तीन नक्सलियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है. पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि इनमें से एक महिला नक्सली पर एक लाख रुपये का इनाम घोषित था. पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इन नक्सलियों ने कहा कि वे अमानवीय और खोखली नक्सली विचारधारा से निराश थे और शनिवार शाम यहां पुलिस और सीआरपीएफ की 50वीं बटालियन के अधिकारियों के सामने उन्होंने आत्मसमर्पण कर दिया.

क्रेन की चपेट में आकर मजदूर की मौत

ठाणे। महाराष्ट्र के नवी मुंबई में क्रेन से कुचलकर 20 वर्षीय एक मजदूर की मौत हो गई. पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी. उसने बताया कि घटना शनिवार सुबह करीब 11.30 बजे खारघर इलाके में हुई. उसने बताया कि केबल बिछाने के लिए खुदाई की जा रही थी और मजदूर उस जगह पर एक केबल ड्रम को धकेल रहा था, तभी अचानक उसका पैर फिसल गया और वह सड़क पर क्रेन के पास गिर गया. खारघर पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि उस समय क्रेन संचालक ने मशीन को आगे बढ़ा दिया.

आइकॉन ऑफ द सीज

मियामी । दुनिया का सबसे बड़ा क्रूज जहाज आइकॉन ऑफ द सीज, अपने पहले सार्वजनिक क्रूज पर पोर्टमियामी से रवाना हुआ. (फोटो- पीटीआई)

प्रधानमंत्री ने उच्चतम न्यायालय की 75वीं वर्षगांठ पर एक कार्यक्रम को संबोधित किया

सशक्त न्यायिक प्रणाली विकसित भारत का हिस्सा है: पीएम मोदी

भाषा। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को कहा कि उच्चतम न्यायालय की 75वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि तीन नए आपराधिक न्याय कानून बनने से भारत की कानूनी, पुलिस और जांच प्रणाली एक नए युग में प्रवेश कर गई है. उन्होंने कहा, यह सुनिश्चित करना महत्वपूर्ण है कि सैकड़ों साल पुराने कानूनों से नए कानूनों की ओर प्रवेश सुचारू हो. इस संबंध में, हमने सरकारी कर्मचारियों के लिए प्रशिक्षण और क्षमता निर्माण कार्य पहले ही शुरू कर दिया है. मोदी ने उच्चतम न्यायालय से अन्य हितधारकों की क्षमता निर्माण की दिशा में काम करने के लिए आगे आने का आग्रह किया. उन्होंने कहा, सशक्त न्यायिक प्रणाली विकसित भारत का हिस्सा है. सरकार लगातार काम कर रही है और भरोसेमंद न्यायिक प्रणाली बनाने के लिए कई फैसले ले रही है. जन विश्वास विधेयक इसी दिशा में उठाया गया कदम है.

उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने भारत के जीवंत लोकतंत्र को मजबूत किया है और व्यक्तिगत अधिकारों, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर कई महत्वपूर्ण फैसले दिए हैं, जिससे देश के सामाजिक-राजनीतिक परिवेश को नई दिशा मिली है. प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की आज की आर्थिक नीतियां कल के उज्ज्वल भारत का आधार बनेंगी और आज भारत में जो कानून बन रहे हैं, वे कल के उज्ज्वल भारत को और मजबूती प्रदान करेंगे.

आज बनाए गए कानून भारत के भविष्य को उज्ज्वल बनाएंगे

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज बनाए गए कानून भारत के भविष्य को उज्ज्वल बनाएंगे. वैश्विक स्तर पर हो रहे परिवर्तनों के साथ, दुनिया की निगाहें भारत पर टिकी हैं, क्योंकि भारत में दुनिया का विश्वास मजबूत हो रहा है. ऐसे समय में भारत के लिए जरूरी है कि वह हर अवसर का लाभ उठाए. उन्होंने इस बात का भी जिक्र किया कि पिछले सप्ताह सरकार ने उच्चतम न्यायालय की इमारत के विस्तार के लिए 800 करोड़ रूपये की मंजूरी दी. उन्होंने चुटकी लेते हुए कहा, बस अब आप लोगों के पास कोई संसद भवन (निर्माण) की तरह याचिका लेकर ना आ जाए कि फिजूल खर्ची हो रही है.

रामलला की प्राण प्रतिष्ठा ने करोड़ों लोगों को एक सूत्र में बांधा: मोदी

भाषा। नयी दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अयोध्या के राम मंदिर में रामलला के विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के अवसर ने देश के करोड़ों लोगों को एक सूत्र में बांध दिया और इस दौरान सामूहिकता की जो शक्ति देखी गई वह विकसित भारत के संकल्पों का बहुत बड़ा आधार है. प्रधानमंत्री ने आकाशवाणी के मासिक रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' की 109वीं और इस साल की पहली कड़ी में देशवासियों से संवाद करते हुए कहा कि भगवान राम का शासन देश के संविधान निर्माताओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत था. उन्होंने कहा कि इस साल हमारे संविधान के निर्माण के 75 वर्ष और उच्चतम न्यायालय के भी 75 वर्ष हो रहे हैं और लोकतंत्र के ये पर्व लोकतंत्र की जननी के रूप में भारत को और सशक्त बनाते हैं. उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान की मूल प्रति के तीसरे अध्याय में भारत के नागरिकों के मूलभूत अधिकारों का वर्णन किया गया है और ये बहुत दिलचस्प है कि तीसरे अध्याय के प्रारंभ में संविधान निर्माताओं ने भगवान राम, माता सीता और लक्ष्मण जी के चित्रों को स्थान दिया था. उन्होंने कहा, प्रभु राम का शासन हमारे संविधान निर्माताओं के लिए भी प्रेरणा का स्रोत था और इसलिए 22 जनवरी को अयोध्या में मैंने 'देव से देश' की बात और 'राम से राष्ट्र' की बात की थी. उन्होंने कहा, अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा के अवसर ने देश के करोड़ों लोगों को मानो एक सूत्र में बांध दिया है. सबकी भावना एक, सबकी भक्ति एक, सबकी बातों में राम, सबके हृदय में राम. प्रधानमंत्री ने कहा कि 22 जनवरी की शाम को पूरे देश ने 'रामज्योति' जलाई और दिवाली मनाई व इस दौरान देश ने सामूहिकता की शक्ति देखी, जो विकसित भारत के संकल्पों का भी बहुत बड़ा आधार है. उन्होंने मकर संक्रांति से 22 जनवरी तक स्वच्छता का अभियान चलाए जाने के अपने आह्वान का भी उल्लेख किया और कहा कि उन्हें अच्छा लगा कि लाखों लोगों ने श्रद्धाभाव से जुड़कर अपने अपने क्षेत्र के धार्मिक स्थलों की साफ-सफाई की. उन्होंने कहा, यह भावना रुकनी नहीं चाहिए, ये अभियान रुकना नहीं चाहिए. सामूहिकता की यही शक्ति, हमारे देश को सफलता की नयी ऊंचाई पर पहुंचाएगी. प्रधानमंत्री ने इस साल गणतंत्र दिवस परेड को 'बहुत ही अद्भुत' करार दिया और कहा कि इस बार सबसे ज्यादा चर्चा महिला शक्ति की हुई. उन्होंने कहा, जब कर्तव्य पथ पर केंद्रीय सुरक्षा बलों और दिल्ली पुलिस की महिला टुकड़ियों ने कदमताल शुरू किया तो सभी गर्व से भर उठे.

कांग्रेस ने नीतीश कुमार की तुलना 'गिरगिट' से की

कहा- जनता उन्हें कभी माफ नहीं करेगी

भाषा। नयी दिल्ली

नीतीश कुमार के रविवार को बिहार के मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने के बाद कांग्रेस ने उनकी तुलना 'गिरगिट' से की और कहा कि राज्य के लोग इस 'विश्वासघात' के लिए उन्हें कभी माफ नहीं करेंगे. बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राज्यपाल राजेन्द्र वी आर्लेकर को रविवार सुबह अपना इस्तीफा सौंप दिया. वह राज्य में 'महागठबंधन' से अलग हो गए. कुमार के इस कदम से 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) को भी बड़ा झटका लगा है. कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि वह महागठबंधन छोड़ने के कुमार के फैसले के बारे में पहले से जानते थे लेकिन उन्होंने 'इंडिया' को बरकरार रखने के लिए कुछ नहीं कहा. खड़गे ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर लिखा, देश में 'आया राम-गया राम''जैसे कई लोग हैं.

पहले वे और हम मिलकर लड़ रहे थे, जब मैंने लालू (प्रसाद) जी और तेजस्वी (यादव) जी से बात की तो उन्होंने भी कहा कि नीतीश जा रहे हैं. उन्होंने कहा कि यदि कुमार रुकना चाहते तो वह रुक सकते थे, लेकिन वह जाना ही चाहते थे. खड़गे ने कहा, इसलिए ये बात हमें पहले से ही पता थी, लेकिन 'इंडिया' गठबंधन को बरकरार रखने के लिए हमने कुछ नहीं कहा. अगर हम कुछ गलत कहते तो बाहर गलत संदेश जाता. इसकी जानकारी हमें लालू प्रसाद यादव जी और तेजस्वी यादव जी ने पहले ही दे दी थी. आज यह सच हो गया.

आज भुवनेश्वर में रैली को संबोधित करेंगे खड़गे

भुवनेश्वर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे 29 जनवरी को भुवनेश्वर में एक रैली को संबोधित करेंगे. कांग्रेस की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष शरत पटनायक ने शनिवार को कहा कि खड़गे के ओडिशा दौरे को बड़ी सफलता बनाने के लिए पार्टी तमाम प्रयास कर रही है. उन्होंने कहा कि ओडिशा बचाओ सम्मेलन शहर के 'लोअर पीएमजी स्क्वायर' में आयोजित किया जाएगा. पटनायक ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष के रूप में खड़गे के पहली बार राज्य में आने से चुनाव प्रचार अभियान के पूर्ण रूप से शुरू होने से पहले पार्टी कार्यकर्ताओं में जोश पैदा होने की उम्मीद है.

> *पहले वे और हम मिलकर लड़ रहे थे, जब मैंने लालू (प्रसाद) जी और तेजस्वी (यादव) जी से बात की तो उन्होंने भी कहा कि नीतीश जा रहे हैं.*

उ. कोरिया ने दागीं कई क्रूज मिसाइल

सियोल। दक्षिण कोरिया की सेना ने रविवार को कहा कि उत्तर कोरिया ने पूर्वी सैन्य बंदरगाह के जलक्षेत्र से कई क्रूज मिसाइलें दागीं हैं. उत्तर कोरिया ने यह कदम अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान के साथ गहराते तनाव के बीच उठाया है. दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने हालांकि यह जानकारी नहीं दी कि कितनी मिसाइलें दागी गईं या वे कितनी दूर तक पहुंचीं. हालांकि उत्तर कोरिया ने इससे पहले पोतों से या जलक्षेत्र में माजूद अन्य साधनों से क्रूज मिसाइलों का परीक्षण किया है. ये मिसाइल प्रक्षेपण इस वर्ष की शुरुआत से अब तक का ऐसा तीसरा प्रक्षेपण है जिसकी जानकारी मिल सकी है. इससे पहले देश ने 24 जनवरी को क्रूज मिसाइल परीक्षण और 14 जनवरी को पहली ठोस-ईंधन आधारित मध्यवर्ती रेंज वाली बैलिस्टिक मिसाइल का परीक्षण किया था.

अमेरिका ने प्रतिबंध की निंदा की

करकास। अमेरिका की सरकार और लगभग 30 वैश्विक नेताओं ने शनिवार को वेनेजुएला में विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवारी को रोकने के देश की सर्वोच्च अदालत के फैसले की निंदा की. राष्ट्रपति जो बाइडन के प्रशासन ने वेनेजुएला पर आर्थिक प्रतिबंधों को फिर से लागू करने में रुचि नहीं दिखाई, लेकिन यह कहा कि अगर राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की सरकार इस साल देश के राष्ट्रपति चुनाव के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने में विफल रही तो प्रतिबंध पुनः लगा दिए जाएंगे. अमेरिका के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा, अमेरिका वर्तमान में इस घटनाक्रम पर अपनी वेनेज़ुएला प्रतिबंध नीति की समीक्षा कर रहा है.

कालकाजी मंदिर का मंच गिरा, एक की मौत, 17 घायल

- अधिक वजन पड़ने के कारण मंच ढहकर सामने बैठे हुए लोगों पर ही गिरा

भाषा। नयी दिल्ली

दिल्ली में कालकाजी मंदिर में जागरण के लिए बनाए गए मंच के ढह जाने से 45 वर्षीय एक महिला की मौत हो गई और 17 लोग घायल हो गए. पुलिस ने यह जानकारी दी. पुलिस ने बताया कि यह दुखद घटना देर रात करीब 12.30 बजे हुई. मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है. पुलिस के अनुसार शनिवार को कालकाजी मंदिर के महंत परिसर में जागरण का आयोजन किया गया था और इसमें लगभग 1,600 लोग लोग शामिल हुए थे. पुलिस उपायुक्त (दक्षिणपूर्व) राजेश देव ने बताया, "कार्यक्रम के लिए कोई पूर्व अनुमति नहीं दी गई थी. हालांकि, कानून और व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त कर्मी तैनात किए गए थे. शनिवार रात को लगभग 12.30 बजे 1,500-1,600 लोग एकत्र हुए थे. आयोजकों और अति विशिष्ट लोगों के परिवारों के लिए मुख्य मंच के पास लोहे के फ्रेम के सहारे लकड़ी का ऊंचा मंच बनाया गया था.

पुलिस उपायुक्त ने बताया कि लगभग 12.30 बजे, यह मंच ढह गया. मंच पर वजन अधिक था इसलिए वह ढह गया और नीचे बैठे लोगों पर जा गिर. घटना में घायल हुए सभी लोगों को एम्स ट्रॉमा सेंटर, सफदरजंग और मैक्स अस्पतालों में ले जाया गया.

फ्रांस के बर्नार्ड अर्नाल्ट बने दुनिया के नंबर वन अमीर

एजेंसी। नयी दिल्ली

दिग्गज अरबपतियों की सूची में बड़ा उलटफेर हो गया है. एलन मस्क अब दुनिया के नंबर वह अमीर नहीं हैं. खबर है कि फ्रांसीसी अमीर बर्नार्ड अर्नाल्ट अब दुनिया के सबसे अमीर इंसान हैं. फोर्ब्स के अनुसार उन्होंने नेटवर्थ में एलन मस्क को पीछे छोड़ दिया है. बर्नार्ड अर्नाल्ट की नेटवर्थ 207.6 अरब डॉलर पर पहुंच गयी है. फोर्ब्स बिलेनियर्स इंडेक्स के अनुसार बर्नार्ड अर्नाल्ट की नेटवर्थ 207.6 अरब डॉलर हो गयी है. ब्लूमबर्ग के अनुसार अर्नाल्ट की संपत्ति में एक झटके में 18.6 अरब डॉलर की बढ़ोत्तरी देखने को मिली है.

कॅरियर-काउंसिलिंग

एमबीए इन इंश्योरेंस की पढ़ाई कर युवा बना सकते हैं कॅरियर

एजुकेशन रिपोर्टर रजनीश प्रसाद । एमबीए इंश्योरेंस बिजनेस मैनेजमेंट 2 साल का कोर्स है. इस कोर्स में बीमा व बैंकिंग के सभी नियम, शर्तें, पद्धति, रिस्क एनॉलिसिस आदि की उन्नतशील शिक्षा शामिल है.

क्यों करें एमबीए इन इंश्योरेंस

- यह आपको प्रबंधकीय कौशल विकसित करने में मदद करेगा.
- यह कोर्स आपको एक बड़े बिजनेस नेटवर्क से जुड़ने में मदद करेगा.
- यह कोर्स ट्रेंडिंग कॅरियर के अवसरों के द्वार खोलेगा.
- यदि आप डॉक्यूमेंट इकट्ठा करके, उसे मैनेज कर एलोकेट करने में अच्छे हैं तो यह कोर्स आपके लिए ही है.

स्किल्स

- उच्च कम्युनिकेशन कौशल
- ग्राहक सेवा
- दृढ़ संकल्प और दृढ़ता
- समस्या निवारण के तरीके खोजना

भारत के टॉप विश्वविद्यालय

- सिम्बायोसिस इंस्टिट्यूट ऑफ मीडिया एंड कम्युनिकेशन, पुणे
- एएएफटी विश्वविद्यालय
- क्राइस्ट कॉलेज, बैंगलोर
- दिल्ली कला और वाणिज्य विश्वविद्यालय, पुणे
- एमिटी यूनिवर्सिटी, मुंबई
- कमला नेहरू विश्वविद्यालय, नई दिल्ली
- मद्रास इंस्टिट्यूट कॉलेज
- सावित्री बाई फुले विश्वविद्यालय, पुणे
- किशनचंद चेल्लाराम कॉलेज
- इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ जर्नलिज्म एंड न्यू मीडिया, बैंगलोर

आवेदन प्रक्रिया

1. सबसे पहले अपनी चुनी हुई यूनिवर्सिटी की ऑफिशियल वेबसाइट में जाकर रजिस्ट्रेशन करें.
2. यूनिवर्सिटी की वेबसाइट में रजिस्ट्रेशन के बाद आपको एक यूजर नेम और पासवर्ड प्राप्त होगा.
3. फिर वेबसाइट में साइन इन के बाद अपने चुने हुए कोर्स का चयन करें जिसे आप करना चाहते हैं.
4. अब शैक्षिक योग्यता, वर्ग आदि के साथ आवेदन फॉर्म भरें.
5. इसके बाद आवेदन फॉर्म जमा करें और आवश्यक आवेदन शुल्क का भुगतान करें.
6. यदि एडमिशन, प्रवेश परीक्षा पर आधारित है, तो पहले प्रवेश परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन करें और फिर रिजल्ट के बाद काउंसलिंग की प्रतीक्षा करें. प्रवेश परीक्षा के अंको के आधार पर आपका चयन किया जाएगा और लिस्ट जारी की जाएगी.

जॉब अलर्ट

1. असम को ऑपरेटिव अपेक्स बैंक लिमिटेड ने सहायक के पदों पर भर्ती के लिए रिक्तियां निकाली है
- बैंक का नाम – असम को आपरेटिव अपेक्स बैंक लिमिटेड
- पद नाम – सहायक (असिस्टेंट)
- पद संख्या – 120
- नौकरी का स्थान – असम
- योग्यता – डिग्री
- आवेदन मोड – ऑनलाइन
- फॉर्म भरने की तिथि – 29 जनवरी–13 फरवरी 2024

ऑफिशियल साइट – https://www.apexbankassam.com

- 2. राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) ने मा. उच्च न्यायालय, नैनीताल उत्तराखंड के अधीनस्थ न्यायालयों में समूह 'ग' के अंतर्गत कनिष्ठ सहायक और आशुलिपिक के पदों पर रिक्तियां निकाली है.
- संस्था का नाम – राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी
- पद नाम – जूनियर असिस्टेंट स्टेनोग्राफर
- पद संख्या – 139
- नौकरी का स्थान – उत्तराखंड उच्च न्यायलय
- आवेदन मोड – ऑनलाइन
- फॉर्म भरने की तिथि – 25 जनवरी–22 फरवरी 2024
- ऑफिशियल साइट – https://highcourtofuttarakhand.gov.in

मुद्रक तथा प्रकाशक लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड द्वारा लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड के पक्ष में, सिमलिया, रिंग रोड, पीएस-रातू, रांची - 835222 से मुद्रित तथा 304-305 समृद्धि स्क्वायर, किशोरगंज चौक, हरमू रोड, रांची- 834001, झारखंड द्वारा प्रकाशित.
संपादक - **सुरजीत सिंह**, स्थानीय संपादक - **संजय सिंह***. फोन नंबर- 0651-2961734 आर.एन.आई. नंबर - **JHAHIN/2023/84487** (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार.)